@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 9 अप्रैल 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 139 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

वाईएसआर के उत्तराधिकारी नहीं हैं जगन: शर्मिला

अमरावती, 8 अप्रैल। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने अपने बयान से राजनीति में हलचल मचा दी है। उन्होंने सोमवार को दावा किया कि उनके भाई और राज्य के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी वाईएस राजशेखर रेड्डी के उत्तराधिकारी नहीं हैं। बता दें कि वाईएस शर्मिला पूर्व मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी की बेटी और वाईएसआरसीपी सुप्रीमो जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं। उन्होंने अपने भाई पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पिता और उनके भाई के काम करने के तरीके में कोई भी समानता नहीं है। उन्होंने दावा कि कि उनके भाई जगन बिल्कुल भी वाईएसआर के उत्तराधिकारी नहीं हैं। दरअसल शर्मिला कडप्पा जिले के मायदुकुरु में एक चुनाव अभियान शामिल हुईं थीं। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआर और जगन के शासन में बहुत ज्यादा फर्क है। शर्मिला ने आरोप लगाया कि जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी सरकार उनके चाचा वाईएस विवेकानंद रेड्डी के हत्यारों को बचा रही है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में वाईएस अविनाश रेड्डी को बचाया जा रहा है। बता दें कि विवेकानंद रेड्डी कडप्पा के पूर्व सांसद और राजशेखर रेड्डी के छोटे भाई हैं। 15 मार्च, 2019 को चुनाव से पहले उनकी हत्या कर दी गई थी। यह मामला अभी भी अनसुलझा है। इस बार लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने कडप्पा से शर्मिला को उम्मीदवार घोषित किया है। इस सीट पर वाईएसआरसीपी ने उनके चचेरे भाई अविनाश रेड्डी को मैदान में उतारा है। शर्मिला का कहना है कि अविनाश रेड्डी को संसद में जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और इसलिए वो उसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं।

बस्तर में गरजे पीएम मोदी बोले हमने बंद कर दी कांग्रेस की दुकान

सिम्मी कौर बब्बर

रायपुर/जगदलपुर, 8 अप्रैल। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज 8 अप्रैल को बस्तर की धरती से छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव का शंखनाद किया। भानपुरी के छोटे आमाबाल में चुनावी सभा में कांग्रेस पर जमकर बरसे। भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में बहुत ज्यादा करप्शन हुए। साल 2014 से पहले लाखों-करोड़ों के घोटाले हुए। दिल्ली से एक रुपये निकलता था और सिर्फ 15 पैसा ही गांव तक पहुंचता था। ये मैं नहीं कांग्रेस के ही प्रधानमंत्री ने कहा था। सवाल खड़ा करते हुए पूछा कि वो कौन सा पंजा था जो 85 पैसे मार लेता था। अब हमने इस कुंजी को ही बंद कर दिया है। चुनाव में कांग्रेसी भ्रष्टाचारी बचाओ रैली निकाल रहे हैं पर वो समझ लें भ्रष्टाचारियों को जेल जाना ही पड़ेगा, ये मोदी की गारंटी है। पीएम ने कहा कि एक रुपया भेजो और 15 पैसा मिले वह जादू हमने बंद कर दिया है। वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस को लगा कि उसे लूटने का लाइसेंस मिला है। 2014 में बीजेपी की सरकार बनने के बाद हमने कांग्रेस की लूट का लाइसेंस ही कैंसिल कर दिया। जब कांग्रेस की दुकान बंद हो गई और लूटने का लाइसेंस चला गया तो वो मोदी को गाली दे रहे हैं। पूर्व की भूपेश सरकार पर निशाना चाहते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार पर आज कड़ी कार्रवाई हो रही है। यहां की युवाओं को जिन्होंने धोखा दिया, उनकी तेजी से जांच चल रही है। ऐसे में वो नाराज होकर लाठी से मोदी का सिर फोड़ने की

धमकी दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी समझ लें मोदी इन धमकियों से नहीं डरता है। वह गरीबों का बेटा है और सिर ऊंचा करके चलता है। रामनवमी बहुत दूर नहीं है। उन्होंने कहा किइस बार अयोध्या में हमारे रामलला टेंट में नहीं बल्कि मंदिर में दर्शन देंगे। 500 साल बाद यह सपना पूरा हुआ तो सबसे अधिक खुशी प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ को हुआ, लेकिन कांग्रेसी और इंडी गठबंधन राम मंदिर बनने से बहुत नाराज है। कांग्रेस के शाही परिवार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के न्योता ठुकराने को जिन कांग्रेसियों ने गलत बताया, उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। इससे साबित होता है कि कांग्रेस तुष्टीकरण के लिए किसी भी हद को पार कर सकती है। कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र बनाया है, उसमें भी मुस्लिम लीग की छाप है। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पीएम ने कहा कि आजादी के बाद दर्शकों तक कांग्रेस की सरकारों ने विकास को नजरअंदाज किया। गरीबों की चिंता नहीं की। कभी महंगाई का मतलब ही नहीं समझा। साल 2014 में गरीब के इस बेटे को देश की सेवा का अवसर मिला। घर और दवा नहीं होने पर गरीबों पर क्या बितती है वो मैं समझता हूं, इसलिए जब तक गरीबी दूर नहीं करूंगा, मैं चैन से नहीं बैठूंगा। दावा करते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार की वजह से ही 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। पीएम ने कोरोना काल को याद करते हुए कांग्रेस की अमीरों की सरकार में देश में बीमारी का टीका आने में दर्शकों लग जाते थे, लेकिन बीजेपी सरकार में गरीबों को मुफ्त में वैक्सीन दी गई और मुफ्त में राशन दिया गया। उस समय में जब दूसरे देशों में कोरोना का एक-एक टीका हजारों रुपए में लग रहा था, ऐसे में भारत ने मुफ्त में टीका लगाया गया। दूसरे देशों में जहां खाने के लिए हाहाकार मचा था। वहीं हमने गरीब भाई-बहनों के लिए मुफ्त राशन की दुकान खोल दी। अगले पांच साल तक मुफ्त में राशन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनते ही सभी गारंटी पूरी हो रही है। माताओं, बहनों को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। धान समर्थन मूल्य, धान खरीदी का अंतर राशि, तेंदूपत्ता संग्रहण की गारंटी पूरी हुई है। आदिवासी, दलित और पिछड़ों के घर पक्के बनने शुरू हो गए हैं। सरकार बनने के दूसरे दिन ही 18 लाख गरीबों के पक्के मकान बनने का निर्णय लिया गया। केंद्र की सरकार ने जो भी योजनाएं बना रही हैं, उसमें अधिकतर मालिकाना हक महिलाओं के ही नाम पर हैं। हर घर में जल पहुंचाने के लिए तेजी से काम होगा। मोदी ने देश की 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की गारंटी दी है। पीएम मोदी ने बस्तरिया बोली हल्बी में संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि आमचो भाई बहिनी!, दादा-दीदी आपन सपाय मन के मोचो बाटले, जोहर! राम-राम। मां दंतेश्वरी की पावन धरा को मेरा प्रणाम।

एनआईए अधिकारियों पर हमले को लेकर ममता बनर्जी का एजेंसी पर निशाना

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 8 अप्रैल। ममता बनर्जी ने बांकुरा में रैली को संबोधित करते हुए भूपतिनगर विस्फोट मामले की जांच के दौरान एनआईए अधिकारियों पर हुए हमले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने रैली के दौरान बताया कि एनआईए स्थानीय पुलिस को बिना बताए छापेमारी करने गई थी। इससे पहले भी इस मामले को लेकर ममता ने कहा था कि केंद्रीय जांच एजेंसियां ईडी, एनआईए और सीबीआई, भाजपा के लिए काम कर रही हैं और बिना किसी जानकारी के छापेमारी कर रही हैं। रैली में उन्होंने इस मामले को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब है जून के बाद सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डालना। बीते हफ्ते एनआईए की टीम भूपतिनगर में साल 2022 में हुए बम धमाके के मामले में छापेमारी करने और दो आरोपियों (मनोब्रतो जाना और बालीचरन मैती) को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान जब एनआईए टीम दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लौट रही थी, तो स्थानीय लोगों ने एनआईए

टीम पर पथराव किया। जिसमें एनआईए की गाड़ियों के शीशे टूट गए और कई अधिकारी घायल हुए। शनिवार को एनआीए की टीम 2022 में हुए भूपतिनगर विस्फोट मामले की जांच के लिए पूर्वी मिदनापुर पहुंची। उन्होंने इस मामले में जाना की पत्नी ने एनआईए के अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि एनआईए की टीम जबरन उनके घर में घुसी और उनके घर में तोड़-फोड़ की। जाना की पत्नी ने एनआईए टीम पर उसका शील भंग करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। एनआईए ने भी स्थानीय पुलिस में उनके अधिकारियों पर हुए हमले को लेकर मामला दर्ज कराया है। हालांकि, अभी तक बंगाल पुलिस ने इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी केंद्रीय जांच एजेंसियों और भाजपा की मिलीभगत का आरोप लगाया। टीएमसी का आरोप है कि बंगाल भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बीती 26 मार्च को एनआईए के सुपरीटेंडेंट से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में टीएमसी के नेताओं की लिस्ट दी है, जिन्हें गिरफ्तार किया जाना है। एनआईए ने टीएमसी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। एजेंसी ने दावा किया है कि उनकी टीम ने कानून के दायरे में रहकर ही छापेमारी की थी।

एसडीएफ प्रमुख चामलिंग ने एसकेएम के कार्यकर्ताओं पर लगाया धक्का देने का आरोप

गंगटोक, 8 अप्रैल। देश में इन दिनों चुनावी सरगर्मी तेज है। देश में लोकसभा चुनावों के साथ ही सिक्किम समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बीच, सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य के नामची जिले में चुनाव प्रचार के दौरान सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के समर्थकों ने उन्हें धक्का दिया था। इतना ही नहीं इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ये घटना तब हुई जब चामलिंग को नामची बाजार में एसडीएफ के नामची-सिंघीथांग उम्मीदवार बिमल राय के लिए प्रचार कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग की पत्नी कृष्ण कुमार राय के लिए प्रचार कर रहे थे। वे भी इसी सीट पर चुनावी मैदान में हैं। इसी दौरान दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करते देखा गया। हालांकि पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग किया। इसी के बाद चामलिंग ने आरोप लगाया कि एसकेएम कार्यकर्ताओं ने उन्हें धक्का दिया। एसडीएफ ने एक बयान में दावा किया कि कुछ महिलाओं सहित कई पार्टी कार्यकर्ताओं को एसकेएम कार्यकर्ताओं ने पीटा। जिसके कारण उन्हें चोटें आई और फिर अस्पताल ले जाया गया। एसडीएफ ने यह भी कहा कि यह घटना दिखाती है कि राज्य में लोकतंत्र की हत्या हो गई है। विपक्षी पार्टी के उम्मीदवार खतरे में हैं और प्रेम सिंह तमांग के गुंडों द्वारा हर दिन उन पर हमला किया जा रहा है।

पीएम मोदी घिसी पिटी हिंदू-मुस्लिम स्क्रिप्ट के सहारे: खरगे

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। लोकसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों ने ताबड़तोड़ रैली शुरू कर दी है। इस बीच, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को भाजपा को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीन का समर्थन किया था। गौरतलब है कि पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस पर तीखा हमला करने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे की प्रतिक्रिया आई है। सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के राजनीतिक और वैचारिक पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीग का समर्थन किया था। इनके वैचारिक पूर्वजों ने 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आह्वान का विरोध किया था, जो मौलाना आजाद की अध्यक्षता में किया गया आंदोलन था। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि

हर कोई जानता है कि 1940 के दशक में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन करके बंगाल, सिंध और उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत में अपनी सरकारें कैसे बनाईं। क्या श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर को यह नहीं लिखा था कि 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन का मुकाबला कैसे किया जा सकता है और कांग्रेस को कैसे दबाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि भारतवासियों को अंग्रेजों पर भरोसा करना होगा?

परमाणु बम से उड़ा देंगे: दिल्ली एयरपोर्ट पर दो यात्रियों ने दी धमकी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। दिल्ली पुलिस ने दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है। जिनके ऊपर आरोप है कि पांच अप्रैल को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट को परमाणु बम ले उड़ाने की धमकी दी थी। इन दोनों की पहचान हो चुकी है। एक का नाम जिग्नेश मालानी और दूसरे का नाम कश्यप कुमार लालानी है। जो गुजरात के राजकोट के रहने वाले हैं। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्रियों जिग्नेश मालान और कश्यप कुमार लालानी ने सुरक्षा जांच की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अकासा एयर की उड़ान में चढ़ने से पहले उनकी जांच की गई थी। अकासा एयर के एयरलाइन स्टाफ द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में बताया है कि अकासा एयर फ्लाइटके लिए सेकेंडरी लैडर प्वाइंट सिक्योरिटी जा रही थी। तभी स्टाफ ने जिग्नेश मालानी और कश्यप कुमार लालानी से तलाशी के लिए कहा। तलाशी के दौरान एक ने कहा कि जब यह पहले ही हो चुका है तो आप क्या जांच क्यों कर रहे हैं। स्टाफ ने जवाब देते हुए सर यह हमारी ट्यूटी है। जिसके जवाब में एक यात्री ने कहा कि आप क्या करोगे मैं न्यूक्लियर बम ले जा रहा हूं।

शराब घोटाले मामले में के. कविता को कोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट से बीआरएस नेता के. कविता को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने अपने नाबालिग बेटे की स्कूल परीक्षाओं को आधार बनाकर अंतरिम जमानत मांगी थी। शराब घोटाले मामले में ईडी की रिमांड के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि उन्हें अंतरिम जमानत देने का यह सही समय नहीं है। कविता ने अंतरिम जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने दलील दी थी कि उनके 16 वर्षीय बेटे की परीक्षाएं हैं और उसे अपनी मां के साथ की जरूरत है। ईडी ने इस दलील का विरोध किया था। एजेंसी ने दावा किया था कि कविता ने मामले में सबूतों को नष्ट करने और गवाहों को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि कविता साउथ ग्रुप की एक प्रमुख सदस्य है, जिस पर राष्ट्रीय राजधानी में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले में दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है। 46 वर्षीय कविता को बीआरएस समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के बीच 15 मार्च को उनके बंजारा हिल्स आवास से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद अगले दिन उन्हें सात दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। बाद में उनकी हिरासत को तीन दिन के लिए बढ़ा दिया गया था। उन्हें पिछले मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस मिलकर लड़ेंगे चुनाव, उमर का एलान

सौरभ शर्मा

जम्मू, 8 अप्रैल। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मिलकर लड़ेंगे। सोमवार को नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इसकी घोषणा की। उमर ने बताया कि जम्मू की दो सीटों पर और लद्दाख की एक सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे, जिन्हें नेकां समर्थन करेगी। वहीं, कश्मीर की तीन सीटों पर नेकां अपने उम्मीदवार उतारेगी, जिसे कांग्रेस समर्थन करेगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस विपक्षी इंडिया गठबंधन के सदस्य हैं। कांग्रेस ने जम्मू की सीट पर रमण भल्ला और उधमपुर सीट पर चौधरी लाल सिंह को मैदान में उतारा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इन्हें अपना समर्थन दिया है। रमण भल्ला के नामांकन के दिन फारूक अब्दुल्ला स्वयं उनका पर्चा भराने पहुंचे थे। इसके साथ ही फारूक जम्मू में कांग्रेस के पक्ष में प्रचार भी कर चुके हैं। कश्मीर में तीन सीटों में से एक पर नेकां ने अभी उम्मीदवार का एलान किया है। अनंतनाग-राजोरी सीट से मियां अल्ताफ को मैदान में उतारा है। लद्दाख सीट पर अब कांग्रेस अपने उम्मीदवार उतारेगी। उधर, पीडीपी भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। प्रदेश स्तर पर बनाए गए पीएजीडी में शामिल है। लेकिन पीडीपी

ने कश्मीर में तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया है और जम्मू की दो सीटों पर कांग्रेस को समर्थन की बात कही है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजोरी सीट से चुनाव लड़ेंगी। साथ ही पार्टी की युवा शाखा के अध्यक्ष वहीद पर्रा श्रीनगर से और पूर्व राज्यसभा सदस्य मीर फयाज बारामुला से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीडीपी जम्मू क्षेत्र की दो सीटों उधमपुर और जम्मू पर कांग्रेस का समर्थन करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस कश्मीर में कांग्रेस का समर्थन उन्हें मिलेगा। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि वह इसके लिए कांग्रेस पार्टी को समर्थन नहीं दे रही हैं, कि बदले में उन्हें भी समर्थन मिले, यह कांग्रेस के विवेक पर निर्भर करता है। महबूबा ने कहा- हमने संविधान और लोकतंत्र को बचाने की बड़ी लड़ाई में कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया है। उधर, नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते दिखे। फारूक ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र का लक्ष्य देश को मजबूत बनाना और धर्मनिरपेक्ष छवि को बरकरार रखना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुस्लिम लीग के बयान के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि घोषणापत्र देश को मजबूत बनाने और इसे धर्मनिरपेक्ष बनाए रखने के लिए है।

राहुल गांधी बेसब्र व्यक्ति हैं: सीएम हिमंत

गुवाहाटी, 8 अप्रैल। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने दावा किया है कि राहुल गांधी एक बेसब्र व्यक्ति हैं। सरमा ने ये बात राहुल गांधी की बीते दिनों असम से निकली न्याय यात्रा को लेकर कही। सीएम ने कहा कि राहुल गांधी ने बिना असम की राजनीति के बारे में जानकारी लिए बयानबाजी की। सरमा ने कहा कि असम कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी को जानकारी देने की कोशिश की होगी, लेकिन राहुल गांधी में सब्र नहीं है, जबकि किसी राज्य की संस्कृति, वहां के मुद्दों और भूगोल को समझने में काफी समय देना पड़ता है। असम सीएम ने कहा कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा के दौरान सड़कों पर काफी हंगामा हुआ। इससे कांग्रेस पार्टी के ही कई नेता नाराज हैं। सरमा ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद बड़ी संख्या में असम कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो जाएंगे। सरमा ने कहा कि, राहुल गांधी राज्य की संस्कृति के बारे में नहीं जानते हैं और वह इसके बारे में पढ़ते या सहयोगियों से चर्चा भी नहीं करते। वह बस आते हैं और लोगों को अपने बयानों से परेशान करते हैं। अगर आप किसी राज्य में जाते हैं, तो पहले हमें उस राज्य के सांस्कृतिक हस्तियों के बारे में जान लेना चाहिए। क्या बातें कहनी हैं और क्या नहीं और क्या मुद्दे राज्य के लिए संवेदनशील हैं, इसके बारे में भी जानकारी ले लेनी चाहिए। सरमा ने कहा कि वह भी जब किसी अन्य राज्य में जाते हैं तो पहले वहां के बारे में जानकारी हासिल करते हैं ताकि कोई गलती न हो। सरमा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी बिना किसी पूर्व जानकारी के आते हैं और जानबूझकर या अनजाने स्थानीय लोगों को शर्मसार करके जाते हैं। उदाहरण देते हुए हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राहुल गांधी ने न्याय यात्रा के दौरान राज्य में जातीय जनगणना और मणिपुर हिंसा के मामले उठाए, लेकिन असम में इन दोनों मामलों में लोगों की रुचि नहीं है। असम जातीय आधार पर एक मुक्त राज्य है, जहां जातीय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ये मुद्दा काफी अहम है, लेकिन असम में नहीं। असम सीएम ने कहा कि जब आप असम में मणिपुर के बारे में बात करते हैं तो लोग इससे जुड़ाव महसूस नहीं करते क्योंकि असम और मणिपुर दो अलग राज्य हैं। मणिपुर का असम में और असम में मणिपुर का कोई प्रभाव नहीं है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान 18 से 25 जनवरी तक यात्रा असम में रही थी। इस दौरान काफी हंगामा हुआ और राहुल गांधी ने हिमंत बिस्व सरमा को देश का सबसे भ्रष्ट सीएम बताया था। सीएम की तरफ से राहुल गांधी पर पलटवार किया गया।

पीएम मोदी के पैर छू रहे नीतीश कुमार: तेजस्वी यादव

नरेश मल्होत्रा

गया, 8 अप्रैल। गया लोकसभा सीट पर पहले फेज में 19 अप्रैल को मतदान होना है। जैसे-जैसे मतदान का समय नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ने लगी है। सोमवार को राजद नेता सह जिला परिषद उपाध्यक्ष डा. शीतल प्रसाद यादव के नेतृत्व में राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत के समर्थन में मोहन प्रखंड के बड़की विहीया मैदान में मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और वीआईपी नेता मुकेश सहनी शामिल हुए। चुनावी सभा के दौरान राजद प्रत्याशी समेत महागठबंधन के सभी नेता मौजूद थे। डिप्टी तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मोदी का नहीं मुद्दा का चुनाव है। बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, गरीबी, शिक्षा, चिकित्सा यही सब मुद्दा है। अच्छे प्रत्याशी कुमार सर्वजीत को दिया है तो आप लोग जिताएं। पीएम मोदी के पैर नीतीश कुमार छू रहे हैं। अनुभवी सीएम पैर छू रहे हैं। पैर दबा रहे हैं। चार लाख से चार हजार भाजपा का सीट बता दिया था। भाजपा ने उन्हें हाईजैक कर लिया। तेजस्वी यादव ने 5 लाख लोगों को रोजगार दिया यह केंद्र की सरकार में नहीं हुआ है। भाजपा का टेंशन बढ़ा हुआ था। इसलिए हमारी सरकार गिराई। जाति आधारित गणना करवाया। हमने किसको आर्थिक सहायता चाहिए इसका आंकड़ा सामने आया। इसके लिए योजना लागू करना था तभी नीतीश हाईजैक हो गए। इस घर में नौकरी नहीं है उसको एक लाख देते, पक्का मकान के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए दे रहे थे। सर्वे से सच्चाई सामने आई है। सवर्ण और अतिपिछड़ा, अनुसूचित जाति में ज्यादा गरीबी है। मोदी में आएंगे तो पूछिएगा उसके बाद चले जाएंगे। पांच किलो राशन क्या नौकरी भी देंगे और महंगाई भी कम करेंगे। किरासन और राशन कांग्रेस के समय से मिलता आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी

पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं अच्छा प्रत्याशी नहीं मिला है। विशेष राज्य का दर्जा तक नहीं दिया मोदी ने कम से कम अच्छा प्रत्याशी दे देते। मोदी गरीब को नही देखते वह भी अमीरों पूंजीपतियों को ही देखते हैं। मोदी ने नीतीश का डीएनए खराब बताए थे। आज अच्छे हो गए। बड़ा लोग है एक पीएम है तो दूसरा सीएम है। 17 साल से डबल इंजन की सरकार है। फिर भी बिहार में गरीबी, बेरोजगारी ,पलायन है। गांव ,जिला और राज्य का विकास नहीं तो देश का विकास कैसे होगा। कहते हैं देश का चुनाव है। राजद को परिवारवादी कहते हैं। पहले चरण के सभी प्रत्याशी परिवारवादी हैं। देश को बेच कर लालू को भ्रष्टाचारी कहते हैं। बिहार को तीन तीन कारखाना लालू ने दिया था। इनलोगों का काम है सिर्फ आरोप लगाना। हावर्ड के लोग लालू को मैनेजमेंट गुरु कहते हैं। राजद गरीब की पार्टी है लेकिन भाजपा के पास इतना पैसा है हजारों करोड़ इंटरेस्ट में मिलता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि आपलोग इधर-उधर कुछ नहीं चुपचाप लालटेन छाप दीजिए। जीतन राम मांझी आयेंगे तो पूछिएगा की शराब कब चालू करवा रहे हैं। वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने पहले देश गुलाम था। कितने लोग शहीद हुए तो देश आजाद हुआ। हिटलर जब आया था तो चुनाव के समय में बड़ा बड़ा वादा किया था। जैसे नरेंद्र मोदी ने किया है। जब लोगों ने हिटलर को लाया था तो सबको मालूम है क्या हुआ था। उसी के रास्ते पर चलकर नरेंद्र मोदी आए हैं। कहा था काला धन लायेंगे सबको खाते में पैसा देंगे, रोजगार देंगे और अच्छे दिन लाएंगे। हमलोग को गुमराह किया गया। हम लोग झांसे में फंस गए तो मोदी आ गए। हिंदू-मुसलमान को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है। मालूम हो कि बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र से हम पार्टी के नेता सह एनडीए प्रत्याशी सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के समधिन ज्योति मांझी विधायक हैं।

यूक्रेन ने जेडएनपीपी पर ड्रोन हमलों में शामिल होने से इनकार किया

कीव। यूक्रेन ने ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) पर ड्रोन हमलों में कीव की संलिप्तता के आरोप से इनकार किया है। यूक्रेन के सैन्य खुफिया विभाग के प्रवक्ता एंड्री युसोव ने यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के मुख्य खुफिया निदेशालय की प्रेस सेवा के हवाले से कहा कि यूक्रेन जेडएनपीपी के क्षेत्र में किसी भी सशस्त्र उकसावे में शामिल नहीं है।

म्यांमार में कार दुर्घटना में चार की मौत, आठ घायल

यांगून। पूर्वी म्यांमार के शान प्रान्त में कार दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गयी और आठ अन्य घायल हो गये। अग्निशमन सेवा विभाग के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना शान प्रान्त के ताउन्ग्यी टाउनशिप के पास स्थानीय समयानुसार शाम करीब सात बजे उस समय हुई, जब एक 22-पहिए वाले ट्रक का ब्रेक फेल हो गया और वह टौंगयी-अयेथरयार सड़क से नीचे की ओर आने के दौरान कार से टकराया गया। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

सीरिया में उपद्रवियों के बीच संघर्ष, 20 लोगों की मौत

दमिश्क। सीरिया के दारा प्रांत (Syria's Daraa province) में स्थानीय उपद्रवियों के बीच रविवार को हुए हिंसक संघर्ष में 20 लोग मारे गये। स्थानीय मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एफएम रेडियो ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि दारा प्रांत के सनमायन शहर में एक दिन पहले हुए घातक विस्फोट में करीब सात बच्चे मारे गए थे। माना जा रहा है कि कल के हिंसक संघर्ष को इसी घटना को लेकर बदले की कार्रवाई है। गौरतलब है कि सीरियाई सेना ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत इदलिब में विद्रोही बलों को भगाने के बाद वर्ष 2018 में दारा पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। इस क्षेत्र में छिटपुट सुरक्षा घटनाएं और हमले जारी हैं।

कुवैत के अमीर ने मंत्रिमंडल का इस्तीफा स्वीकार किया

कुवैत सिटी। कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने रविवार को मंत्रिमंडल का इस्तीफा स्वीकार करते हुए एक डिक्री जारी की और नेशनल असेंबली को 17 अप्रैल को अपना पहला सत्र बुलाने के लिए कहा। सरकारी समाचार एजेंसी कुना द्वारा जारी पहले आदेश में कहा गया है कि अमीर ने प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है, साथ ही कहा कि वे नए मंत्रिमंडल के गठन तक अपने संबंधित पदों के जरुरी मामलों को संभालना जारी रखेंगे।

तुर्की ने गाजा को 40 हजार टन सहायता भेजी

इंस्ताबुल। तुर्की ने अब तक गाजा पट्टी में लगभग 40 हजार टन मानवीय सहायता प्रदान की है तथा इस महीने और सहायता उपलब्ध करवाने की तैयारी में है। सरकारी टीआरटी ब्रॉडकास्टर ने बताया कि तुर्की रेड क्रिसेंट, आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रशासनिक और कई गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से 13 विमानों तथा आठ जहाजों के माध्यम से गाजा तक सहायता पहुंचाई गई है। तीन हजार टन की सहायता जहाज तीन दिवसीय चलने वाले ईद-उल-फितर के तुरंत बाद रवाना होने वाली है।

ब्राजील के न्यायाधीश ने मस्क के खिलाफ जांच शुरू की

ब्रासीलिया। ब्राजील के शीर्ष न्यायालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' के मालिक एलन मस्क के खिलाफ कुछ खातों को ब्लॉक करने के अदालत के आदेश को चुनौती देने तथा न्याय में बाधा डालने और कई पूर्व खातों पर असंवैधानिक प्रतिबंध हटाने की घोषणा के बाद जांच शुरू कर दी है।

एक अदालती दस्तावेज़ के हवाले से कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ब्राज़ीलियाई शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश अलेक्जेंड्रे डी मोरेस ने रविवार को अपनी सोशल मीडिया कंपनी एक्स से जुड़े न्याय में बाधा डालने के लिए श्री मस्क के खिलाफ जांच शुरू की।

श्री मस्क ने पिछले साल आठ जनवरी के दंगों के अपराधियों से संबंधित कुछ खातों को ब्लॉक करने के न्यायाधीश मोरेस के फैसले को चुनौती दी। इन दंगों में ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के

दूर-दक्षिणपंथी हजारों समर्थकों ने देश की कांग्रेस, शीर्ष न्यायालय और राष्ट्रपति भवन पर धावा बोल दिया था। इससे पहले श्री मस्क ने पोस्ट किया था कि एक्स प्रतिबंध हटा देगा, क्योंकि वे असंवैधानिक थे। उन्होंने न्यायाधीश मोरेस से इस्तीफा देने या महाभियोग चलाने का भी आह्वान किया। न्यायाधीश मोरेस ने अपने आदेश में लिखा कि श्री मस्क ने शीर्ष अदालत के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाया है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार यदि एक्स आदेश का पालन करने में विफल रहता है, तो उस पर प्रति दिन 100,000 रियास (19,774 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया जाएगा।

दक्षिण कोरिया ने दूसरा सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित किया

सोल। दक्षिण कोरिया ने अपना दूसरा सैन्य जासूसी उपग्रह स्पेसएक्स फॉल्कन 9 रॉकेट पर प्रक्षेपित किया है।

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी।

स्पेसएक्स के एक लाइव फुटेज में दिखाया गया है कि दक्षिण कोरिया के स्वदेशी सैन्य जासूसी उपग्रह सहित 11 उपग्रहों को ले जाने वाला फाल्कन 9 रॉकेट अमेरिका के फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेंटर से सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 8ः16 बजे रवाना हुआ।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि प्रक्षेपण के लगभग 45 मिनट बाद जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया गया।

दक्षिण कोरिया ने 2025 तक पांच सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है, जिसमें सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) सेंसर से लैस दूसरा उपग्रह भी शामिल है।

इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इंफ्रारेड सेंसर से लैस पहला उपग्रह पिछले साल दिसंबर में प्रक्षेपित किया गया था।

जापान के मियाज़ाकी प्रान्त में भूकंप के झटके

टोक्यो। जापान के मियाज़ाकी प्रांत में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

जेएमए ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह 10:25 बजे आए भूकंप

की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र पूर्वी ओसुमी प्रायद्वीप से 31.6 डिग्री उत्तर अक्षांश और 131.5 डिग्री पूर्व देशांतर पर 40 किलोमीटर की गहराई पर था1

जेएमए ने कहा कि मियाज़ाकी और कागोशिमा प्रांतों के कई क्षेत्रों में भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर चार दर्ज की गई।भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं होने के कारण अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पेरिस में इमारत में आग लगने से तीन लोगों की मौत

पेरिस। पेरिस के पूर्वी हिस्से में एक आठ मंजिला इमारत में आग लगने से रविवार को तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है।

फ्रांसीसी समाचार चैनल बीएफएमटीवी के मुताबिक पेरिस के 11वें प्रांत में 146 रुए डे चारोन स्थित इमारत में आग रात करीब आठ बजे लगी। । समाचार चैनल ने कहा कि पेरिस अग्निशमन दल की सत्रह दमकल गाड़ियाँ घटनास्थल पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। फ्रांसीसी अखबार ले पेरिसियन ने बताया कि प्रारंभिक संकेतों से पता चलता है कि आग लगने से पहले शाम को एक विस्फोट सुना गया था, लेकिन

विस्फोट का कारण अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा है कि पुलिस ने गैस विस्फोट की संभावना से इनकार नहीं किया है। घटना की आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है।

'गाजा में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या बढ़कर 33,175 हुयी'

गाजा। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की कि इजरायली हमलों के कारण अब तक मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 33,175 हो गई है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पिछले 24 घंटों के दौरान, इजरायली सेना ने 38 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 71 अन्य को घायल कर दिया, जिसके बाद सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 33,175 हो गई और 75,886 लोग घायल हुए हैं।

मोज़ाम्बिक में नाव पलटने से 91 लोगों की मौत

मापुटो। मोजाम्बिक के उत्तरी प्रांत नामपुला में मोजाम्बिक द्वीप के पास एक नाव के पलट जाने से कम से कम 91 लोगों की मौत हो गई। मोज़ाम्बिक (आरएम) ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में बच्चे भी शामिल हैं और अन्य 34 लोग लापता हैं। दुर्घटना में पांच जीवित बचे लोगों का भी पता चला है। नामपुला प्रांत के राज्य सचिव जैमे नेटो के हवाले से कहा गया है कि यह एक अस्थायी नाव थी जो मोसुरिल जिले से रवाना हुई थी और इसमें कुल 130 यात्री

सवार थे। श्री नेटो ने आरएम को बताया कि हैजा के प्रकोप के बारे में गलत सूचना के कारण फैली दहशत के कारण यात्रियों ने अपने मूल क्षेत्र को छोड़ दिया। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी नाव थी जो इतने सारे लोगों को ले जाने के लिए तैयार नहीं थी। यह एक मछली पकड़ने वाली नाव थी।

इंडोनेशिया में वाहनों के बीच टक्कर से 12 लोगों की मौत, दो घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में सोमवार को तीन वाहनों की भीषण टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। करावांग रीजेंसी के पुलिस प्रमुख विरधांटो हेडीकसोनो ने बताया कि दुर्घटना राजमार्ग पर उस समय हुई, जब एक बस ने मिनीबस को टक्कर मार दी। इसी दौरान उस बस को पीछे से एक अन्य मिनीबस ने भी टक्कर मार दी थी । घटना में दोनों मिनीबस में आग लग गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है।

इजराइल के राष्ट्रपति ने रवांडा के राष्ट्रपति से कहा- यहूदी 'ऑल टू वेलह' जानते हैं कि नरसंहार कैसा होता है

तेल अवीव। इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग रवांडा नरसंहार की 30वीं वर्षगांठ मनाने के लिए रवांडा में हैं और उन्होंने रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे से मुलाकात की। हर्ज़ोग ने कागामे को इजरायल का सच्चा मित्र कहा और उन्हें एक हार भेंट किया जिसमें गाजा में आतंकवादी संगठन हमास द्वारा बेरहमी से बंदी बनाए गए इजरायली बंधकों को घर लाने की स्पष्ट मांग अंकित थी।

इन अत्याचारों के तीन दशक बाद, हर्ज़ोग ने कहा, दुनिया को भयानक अपराधों को स्पष्ट रूप से देखना चाहिए और नरसंहार की वास्तविक भयावहता को पहचानना चाहिए - लोगों को नष्ट करने का जानबूझकर किया गया प्रयास।

रवांडा नरसंहार पर उन्होंने कहा, दुनिया को नरसंहार के राजनीतिकरण की अनुमति नहीं देनी चाहिए, ऐसे अपराधों की भयावहता को कम करने और नरसंहार के पीड़ितों की स्मृति को ख़राब करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

हर्ज़ोग ने कहा कि यहूदी लोग बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि विनाश की धमकी का क्या मतलब है, और वे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे लोगों के खिलाफ नरसंहार, आतंक और नफरत का शिकार होने का क्या मतलब है। आज भी - जैसा कि हम पर आधुनिक रक्त अपमान का झूठा और स्पष्ट आरोप लगाया गया है - हम पूरे क्षेत्र में अपने प्रतिनिधियों के साथ एक दुष्ट और दुष्ट शासन का लक्ष्य बने हुए हैं, जिसका घोषित उद्देश्य यहूदी राष्ट्र का विनाश है। उन्होंने घोषणा की, हम सभी को अपने वादे पर एक साथ खड़ा होना चाहिए, फिर कभी नहीं।

पाकिस्तान के बाजार में विस्फोट से दो लोगों की मौत, 10 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत के एक बाजार क्षेत्र में रविवार रात हुए बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना स्थानीय समय रात करीब 9:40 बजे की है जब प्रांत के खुजदार जिले में एक मोटरसाइकिल में लगाए गए एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट हो गया। सूत्रों ने कहा, जिले में नियमित गश्त पर निकला एक पुलिस वाहन स्पष्ट रूप से निशाने पर था, जो कुछ सेकंड से चूक गया और विस्फोट होने पर वह उस क्षेत्र को पार कर पाया था।

हमले में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए, लेकिन घटना स्थल के पास ईद-उल-फितर के आगामी त्योहार के लिए खरीदारी कर रहे नागरिक हमले में मारे गए और घायल हो गए। महिलाओं और बच्चों समेत घायलों को अस्पतालों में पहुंचाया गया।अभी तक किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

ज़ापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर हमले से खतरे में पड़ी परमाणु सुरक्षा : आईएईए प्रमुख

वियना। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि यूक्रेन में ज़ापोरीज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) पर हुआ ड्रोन हमला एक गंभीर घटना है, इसने परमाणु सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

आईएईए के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि इस तरह के हमलों से परमाणु दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ जाता है, इसे बंद किया जाना चाहिए। नवंबर 2022 के बाद पहली बार, यूरोप के सबसे

बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को निशाना बनाया गया। आईएईए ने एक बयान में कहा कि हमला संयंत्र की सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन है।

मौके पर तैनात आईएईए विशेषज्ञ तीन प्रभावित स्थानों पर गए। उन्होंने वहां छह रिएक्टर इमारतों में से एक में निगरानी और संचार उपकरणों को निशाना बनाए जाने की घटना को देखा। आईएईए ने कहा, रिएक्टर की छत के निकट आ रहे एक ड्रोन को रूसी सैनिकों ने निशाना बनाया। इसके बाद रिएक्टर भवन के पास विस्फोट हुआ।आईएईए की टीम ने बताया कि उन्होंने मौके पर ड्रोन के अवशेष देखे। इसके अलावा उन्होंने एक क्षतिग्रस्त सैन्य रसद वाहन के बगल में खून के धब्बे देखे। इससे किसी के हताहत होने का भी संकेत मिलता है। विशेषज्ञों ने बताया कि मौके पर पूरे दिन विस्फोट और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। रूस ने कहा कि हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ है। हालांकि यूक्रेन ने इससे इनकार किया है। गौरतलब है ज़ापोरीज्जिया संयंत्र यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, इसकी कुल क्षमता 6 गीगावाट है। फरवरी 2022 के अंत में, संयंत्र पर रूस ने नियंत्रण कर लिया था।

खान यूनिस के बाद अब आईडीएफ की राफा में जमीनी आक्रमण की तैयारी

तेल अवीव। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) दक्षिणी गाजा में खान यूनिस ऑपरेशन समाप्त करने के बाद अब राफा में सैन्य अभियान की तैयारी कर रहा है। इजराइली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि राफा में जमीनी आक्रमण की तैयारी की जा रही है।

इज़राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने रविवार को आईडीएफ के 98वें डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और राफा ऑपरेशन पर चर्चा की। अमेरिका और अन्य पश्चिमी शक्तियों सहित इज़राइल के सहयोगियों ने इज़राइल से कहा है कि वह राफा में जमीनी आक्रमण न करे,

इससे नागरिकों को बहुत नुकसान होगा। गौरतलब है कि राफा एक घनी आबादी वाला इलाका है। एक अनुमान के मुताबिक यहां 1.3 मिलियन लोग रहते हैं। मिस्र के राष्ट्रपति, अब्देल फतह अल-सिसी ने मार्च में मिस्र की यात्रा के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से संभावित राफा ऑपरेशन पर चिंता व्यक्त की थी।

हमास के साथ बातचीत के बीच इजराइल ने दक्षिणी गाजा से 'सैनिकों को हटाया' : रिपोर्ट

तेल अवीव। एक बड़े घटनाक्रम में, इज़राइल सेना ने कहा कि उसने खान यूनिस सहित दक्षिणी गाजा पट्टी से अपने जमीनी सैनिकों को वापस ले लिया है, अल जज़ीरा ने बताया। सेना ने एक बयान में कहा, , आईडीएफ के 98वें कमांडो डिवीजन ने खान यूनिस में अपना मिशन पूरा कर लिया है। डिवीजन ने स्वस्थ होने और भविष्य के अभियानों की तैयारी के लिए गाजा पट्टी छोड़ दी है।' इसमें कहा गया, '162वीं डिवीजन और नाहल ब्रिगेड के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बल गाजा पट्टी में काम करना जारी रखेगा और आईडीएफ की कार्रवाई की स्वतंत्रता और सटीक खुफिया आधारित संचालन करने की क्षमता को संरक्षित करेगा।÷ यह तब आया है जब इजरायली सेना ने इस रिपोर्ट की पुष्टि की है कि उसने क्षेत्र से अपने सैनिकों को वापस ले लिया है, लेकिन अधिक विवरण दिए बिना यह भी कहा कि एक ब्रिगेड बनी हुई है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, एक इज़राइली ब्रिगेड आम तौर पर कुछ हज़ार सैनिकों से बनी होती है। यह स्पष्ट नहीं था कि कथित वापसी से दक्षिणी गाजा शहर राफा में लंबे समय से खतरे में पड़ी घुसपैठ में देरी होगी, जिसके बारे में इजरायली नेताओं ने कहा है कि हमास को खत्म करने के लिए यह जरूरी है। इज़राइल के रक्षा मंत्री, योव गैलेंट ने विवरण दिए बिना, इस बात पर जोर देने की कोशिश की कि राफा में एक ऑपरेशन होगा। एक बयान के अनुसार, गैलेंट ने सैन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा, ÷सेनाएं बाहर निकल रही हैं और अपने अगले मिशन की तैयारी कर रही हैं, हमने अल-शिफा ऑपरेशन में ऐसे मिशनों के उदाहरण देखे हैं, और राफा क्षेत्र में उनके आने वाले मिशन के भी। इस बीच, अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र में इजरायली अधिकारियों और हमास प्रतिनिधिमंडल के बीच बातचीत के दौरान क्या हुआ, इस पर परस्पर विरोधी रिपोर्टें सामने आ रही हैं। इसने एक फिलिस्तीनी अधिकारी का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी, जिसने लेबनानी अल मयादीन समाचार नेटवर्क को बताया, ÷किसी समझौते पर पहुंचने के लिए मध्यस्थों द्वारा किए गए सभी प्रयासों और कोशिशों को इजरायली कठोरता का सामना करना पड़ा है÷। ÷वर्तमान में, बातचीत में कोई प्रगति नहीं हुई है। यदि कोई है, तो हम आधिकारिक चैनलों के माध्यम से इसकी घोषणा करेंगे। हमास अपनी मांगों पर कायम है, जिसमें युद्धविराम, गाजा पट्टी से इजरायल की वापसी, सहायता का प्रवेश, वापसी शामिल है। विस्थापित गज़ान, और एक कैदी की अदला-बदली।÷ छह महीने पहले 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राइल पर किए गए

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली में मौसम शुष्क, गर्मी से राहत सामान्य न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शहर का मौसम शुष्क हो गया है, अधिकतम आर्द्रता 50-60फीसदी के आसपास है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शुष्क हवाएं और गर्मियों में साफ आसमान दिन को शुष्क बना देगा। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 35.6 डिग्री सेल्सियस था, जबकि एक दिन पहले यह 35.1 डिग्री सेल्सियस था। शुष्क हवाएँ इसे तेजी से बढ़ने से रोक रही हैं। हालांकि, रात में आसमान साफ होने के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य से चार डिग्री कम था, जबकि एक दिन पहले यह 20.2 डिग्री था। आईएमडी के मुताबिक दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा. 'वर्ष के इस भाग के दौरान इस क्षेत्र में आमतौर पर शुष्क हवाएँ चलती हैं जिससे आर्द्रता कम हो जाती है। इसमें और बढ़ोतरी होगी. हाल-फिलहाल में बारिश की कोई संभावना नहीं है इसलिए तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा, 'आईएमडी के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा। सोमवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 और 17 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। इस बीच, शहर की वायु गुणवत्ता मध्यम थी, और 0 से 500 के पैमाने पर AQI एक दिन पहले 167 के मुकाबले 172 था। 7 अप्रैल और 8 अप्रैल को हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। 9 अप्रैल को हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में और 10 अप्रैल को मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। अगले 6 दिनों के लिए दृष्टिकोण- वायु गुणवत्ता की संभावना है मध्यम श्रेणी में होने के लिए प्रमुख सतही हवा दिल्ली में उत्तर-पूर्व दिशाओं से आने की संभावना है, हवा की गति 08-12 किमी प्रति घंटे होगी और 8 अप्रैल को मुख्य रूप से साफ आसमान होगा, आईआईटीएम के निर्णय समर्थन प्रणाली ने कहा। नई दिल्ली में मार्च में ठंडा तापमान देखा गया, औसत न्यूनतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस और औसत अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री सेल्सियस रहा। भारी कमी के साथ वर्षा औसत से कम थी। मार्च 2023 में इस वर्ष की तुलना में काफी अधिक वर्षा हुई।

दिल्ली लापरवाही से गाड़ी चलाने, खतरनाक बाइक स्टंट करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर में लापरवाही से गाड़ी चलाने और खतरनाक स्टंट करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने एक 20 वर्षीय व्यक्ति को पकड़ा। कृष्णा गौतम के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति को उसके कार्यों के लिए गिरफ्तार किया गया था जिसमें अनुयायियों को आकर्षित करने और युवा दिमागों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करना शामिल था। पीपी सुभाष नगर और पीएस राजौरी गार्डन की पुलिस टीमों ने नजफगढ़ रोड और राजौरी गार्डन में लापरवाही से ड्राइविंग और खतरनाक स्टंट की घटनाओं पर नकेल कसी। उन्होंने इन खतरनाक युद्धाभ्यासों के लिए आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई एक केटीएम मोटरसाइकिल को सफलतापूर्वक जब्त कर लिया।

दिल्ली में एक व्यक्ति ने माचिस बांटने से इनकार किया, दो किशोरों ने उसे चाकू मारकर हत्या कर दी

नई दिल्ली। मृतक व्यक्ति की पहचान अंशुल भाटी के रूप में हुई है, वह अपने तीन दोस्तों के साथ एक पार्क किए गए ऑटोरिक्शा में बैठा था जब उसे चाकू मार दिया गया और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार तड़के उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर गोल मार्केट में माचिस देने से इनकार करने पर 15 से 17 साल के एक लड़के ने 21 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। संदिग्ध सहित किशोरों को पकड़ लिया गया है। जांचकर्ताओं ने कहा कि मृतक व्यक्ति की पहचान अंशुल भाटी के रूप में हुई है, वह अपने तीन दोस्तों के साथ एक पार्क किए गए ऑटोरिक्शा में बैठा था, जब उसकी जांघ में चाकू मारा गया और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मनोज कुमार मीणा ने कहा कि भाटी के दोस्तों ने घटना के बारे में तिमारपुर पुलिस स्टेशन को सूचित किया और उसे हिंदू राव अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और ऑटोरिक्शा में खून पाया। पुलिस के मुताबिक, जब भाटी ऑटोरिक्शा में बैठा था, तभी दो नाबालिग लड़के वहां पहुंचे. उनमें से एक ने भाटी से सिगरेट जलाने के लिए माचिस मांगी। जांचकर्ताओं ने कहा कि भाटी ने इनकार कर दिया और लड़कों को जाने के लिए कहा, जिसके बाद उनके बीच विवाद शुरू हो गया।

गाजियाबाद में 11 साल के बच्चे ने तीन साल की बच्ची से की दरिंदगी

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में 11 साल के बालक ने तीन साल की बच्ची से दरिंदगी की। मामला करीब 20 दिन पुराना है। रविवार को दोनों पड़ोसियों में विवाद हुआ तो इंदिरापुरम कोतवाली पर शिकायत की गई। पुलिस ने किशोर को बाल सुधार गृह भेजा है। कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी के युवक ने बताया कि वह पत्नी और तीन साल की बच्ची के साथ रहते हैं। उनकी बेटी घर के गेट पर बैठी थी। पड़ोस में रहने वाले 11 वर्षीय बालक ने दरिंदगी की। बच्ची रोते हुए घर के अंदर चली गई। रोने का कारण पूछने पर मां को बताया। पड़ोसियों से किसी बात पर कहासुनी हो गई। स्वजन बच्ची के साथ इंदिरापुरम पुलिस के पास पहुंचे। जहां उन्होंने घटना की जानकारी दी। फिर बालक के खिलाफ लिखित शिकायत की। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामला: अदालत ने केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली याचिका स्थानांतरित की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को पूर्व आप मंत्री द्वारा अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की मांग वाली याचिका को स्थानांतरित कर दिया। एकल न्यायाधीश ने याचिका को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया. हाई कोर्ट ने कहा कि भारी जुर्माना लगाया जाए.हाई कोर्ट ने पूछा कि इस मामले में क्वो वारंटो की रिट कैसे निहित है। क्या यह एक जनहित याचिका है? न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि इसी तरह के मामलों पर मुख्य न्यायाधीश द्वारा विचार और निपटारा किया जाता है। न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा, इसे परसों मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें। पीठ ने कहा कि भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए. केजरीवाल के वकील ने कहा कि भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए क्योंकि केजरीवाल को हटाने की मांग वाली यह तीसरी याचिका है। आम आदमी पार्टी सरकार के एक पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग की है.याचिका में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ वारंट जारी करने का दावा किया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उत्पाद शुल्क नीति में गिरफ्तारी के बाद वह दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद संभालने में असमर्थ हो गए हैं। याचिका को 10 अप्रैल को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध

किया जाना है। याचिकाकर्ता संदीप कुमार, पूर्व महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, एससी/एसटी सरकार मंत्री। आम आदमी पार्टी सरकार में दिल्ली के एनसीटी के प्रभारी और सुल्तानपुर माजरा विधानसभा दिल्ली के पूर्व विधायक ने अपनी याचिका के माध्यम से कहा कि जेल में बंद रहने के दौरान अरविंद केजरीवाल अनुच्छेद 239एए (4) के तहत अपने संवैधानिक दायित्वों और कार्यों को पूरा करने में असमर्थ हो गए हैं। , 167 (बी) और (सी) और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 14 की उप-धारा (4) का प्रावधान और इसलिए वह अब दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य नहीं कर सकते हैं। इसमें आगे कहा गया है कि मुख्यमंत्री, जेल में रहते हुए, उपराज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 167 (सी) के तहत अपने संवैधानिक दायित्वों और कार्यों का प्रयोग करने से रोकते हैं, जो दिल्ली अधिनियम, 1991 की धारा 45 (सी) के समान है और इसके लिए इस कारण वह पद पर बने नहीं रह सकते। 2019 में, लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का समर्थन करने के बाद दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने उन्हें दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित कर दिया था। 2016 में, AAP ने अपने विधायक और पूर्व मंत्री संदीप कुमार को एक 'आपत्तिजनक सीडी' पर बढ़ते विवाद के बाद निलंबित कर दिया था, जिसमें उन्हें एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया था। हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने के निर्देश देने की मांग वाली दो जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर विचार करने से इनकार कर दिया। बहस के दौरान न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि, कभी-कभी, व्यक्तिगत हितों को राष्ट्रीय हितों के अधीन करना पड़ता है। हम राज्य का प्रशासन नहीं करते. दिल्ली HC के अनुसार, याचिकाकर्ता याचिका में उठाई गई शिकायत के साथ उपराज्यपाल से संपर्क कर सकता है।

नोएडा के चार्टर्ड अकाउंटेंट को करोड़ों की धोखाधड़ी में बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार किया

नोएडा। फर्जी ई-बैंक गारंटी के जरिए 11 निजी कंपनियों से 168 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले नोएडा के चार्टर्ड अकाउंटेंट को बेंगलुरु पुलिस ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया. कुवैत से वापस लौटने के बाद आव्रजन अधिकारियों ने 45 वर्षीय आशीष रॉय उर्फ आशीष सक्सेना को हिरासत में लिया और इसकी जानकारी बेंगलुरु पुलिस को दी. कुछ समय पहले ही बेंगलुरु पुलिस ने आशीष के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था. पुलिस के मुताबिक धोखाधड़ी यह मामला तब सामने आया जब इन कंपनियों द्वारा जमा की गई ई-बैंक गारंटी फर्जी पाए जाने के बाद नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड के एक अधिकारी ने केस दर्ज कराया. जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने पेशेवर संबंधों का इस्तेमाल कर ई-बैंक गारंटी प्रमाणपत्र मुहैया करने के बहाने इन निजी कंपनियों के चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा वित्तीय सलाहकारों से संपर्क किया

और कमीशन के रूप में पांच करोड़ रुपये प्राप्त किए.आरोपी अपने सहयोगी की मदद से कथित तौर पर कुवैत से काम कर रहा था. उसके सहयोगी का पता नहीं चल पाया है. 11 निजी कंपनियों में से नौ बेंगलुरु से बाहर की हैं. आरोपी के कब्जे से दो लैपटॉप, छह मोबाइल और 10 चेकबुक बरामद की गई हैं. डीसीपी विद्या सागर मिश्रा ने बताया कि इस मामले में बेंगलुरु पुलिस ने नोएडा पुलिस से संपर्क नहीं किया है. संपर्क करने पर नोएडा पुलिस की ओर से सहयोग किया जाता. आरोपी की गिरफ्तारी दिल्ली की सीमा में हुई है. बेंगलुरु पुलिस ने दिल्ली पुलिस से इस मामले को लेकर संपर्क किया होगा. आरोपी नोएडा में कहां रहता था, इसकी जानकारी की जा रही है.

दिल्ली भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोपों पर केजरीवाल से इस्तीफे की मांग की

दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्यों ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर जंतर-मंतर पर एक दिवसीय सामुदायिक उपवास रखा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कनॉट प्लेस में जवाबी आंदोलन किया और मांग की कि मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें।

भाजपा प्रदर्शनकारियों ने फ्लैगस्टाफ रोड पर मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास की एक कथित प्रतिकृति का इस्तेमाल किया, इसे शीशमहल (कांच का महल) बताया और आरोप लगाया कि इसका निर्माण भ्रष्टाचार के माध्यम से अर्जित धन से किया गया था।

उन्होंने शराब से शीशमहल (शराब से कांच के महल तक) के

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कनॉट प्लेस में जवाबी आंदोलन किया और मांग की कि मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें।

बैनर तले प्रदर्शन किया और शराब की बोतलों के आकार में कटआउट के साथ कई सेल्फी पॉइंट स्थापित किए। सीएम के आवास की कथित छवियों वाले बड़े होर्डिंग्स भी प्रदर्शित किए गए।

दिल्ली में नशे में गाड़ी चलाने पर 6.5 हजार लोगों पर जुर्माना लगाया गया

नई दिल्ली। ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों से पता चला है कि पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन ट्रैफिक सर्कल में, 31 मार्च को समाप्त होने वाली तीन महीने की अवधि में प्रतिदिन औसतन 72 लोगों पर शराब के नशे में वाहन चलाने के लिए मुकदमा चलाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाने के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, ट्रैफिक पुलिस ने इस साल 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच नशे में गाड़ी चलाने के लिए 6,591 लोगों का चालान काटा - साल के पहले तीन महीनों में शहर भर में नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ चलाए गए एक विशेष अभियान का हिस्सा, अधिकारियों ने कहा। इसके विपरीत, 2023 में इसी अवधि में 5,384 ऐसे चालान जारी किए गए थे, और 2022 में इस अपराध के लिए केवल 399 लोगों पर मुकदमा चलाया गया था - हालांकि 2022 में कम आंकड़े इस तथ्य के कारण हैं कि शहर में श्वास विश्लेषक का उपयोग निलंबित कर दिया गया था। कोविड-19 वायरस के प्रसार को रोकें। इस साल, नशे में

गाड़ी चलाने के लिए सबसे ज्यादा चालान वाला ट्रैफिक सर्कल राजौरी गार्डन था, जहां ऐसे 333 उल्लंघन हुए। खराब प्रदर्शन करने वाले अन्य ट्रैफिक सर्किलों में समयपुर बादली (252), महरौली (240), करोल बाग (235), और रोहिणी (235) शामिल हैं। शराब के नशे में गाड़ी चलाने से न केवल गाड़ी चलाने वाले व्यक्ति के लिए बल्कि सड़क पर चलने वाले यात्रियों, पैदल चलने वालों और अन्य मोटर चालकों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा होता है। यह निर्णय को बाधित करता है, प्रतिक्रिया समय को धीमा कर देता है, और दुर्घटनाओं के कारण चोट लगने या मृत्यु होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे गैरजिम्मेदाराना व्यवहार के अल्कोहल परीक्षण मशीनों से लैस कई ट्रैफिक पुलिस टीमों का गठन मौके पर ही मुकदमा चलाने के साथ-साथ हाई-स्पीड पुलिस बाइक का उपयोग करके पीछा करने

NAME CHANGE
I, MITHLESH MALAKAR S/O MUHHARU MALAKAR residing at H NO-B-1/507, GALI NO-18, HARSH VIHAR, NAND NAGRI, DELHI-110093 have changed my name to MITHILESH MALAKAR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
My Client Vimla Devi W/o Vidya Rma R/o G-2, 18/74, Sangam Vihar, New Delhi-80, have disowned and debarred his/her Younger son & her wife Sanjeev and Megan due to their activities i.e. out of control from his/her all movable, immovable properties. I have no relation with them in future.
R.K. Sharma Advocate
Ch.No.244, Saket Court
NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, hitherto known as UMA DEVI W/o JAWAHAR LAL, residing at S-208, Near Sai Mandir, PVC Market, Jawlaheri, Pashchim Vihar, West Delhi, Delhi - 110087 have changed my name and shall hereafter be known as GUDDI.

NAME CHANGE
I, Reeta Devi/Rita Saini W/o Uday Bhan R/o H.N-146, Rao Ram Jivan Vihar, Narhari Road, Pataudi, Gurgaon, Haryana-122503, I Have Changed My Name To Rita For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Udai Bhan S/o Ram Gopal R/o H.N-146, Rao Ram Jivan Vihar, Narhera Road, Pataudi, Gurgaon, Haryana-122503, I Have Changed My Name To Uday Bhan For All Purpose.

NAME CHANGE
I Vikas Aggarwal S/o Bodhraj R/o RZF-171, Gali No-31, Sadh Nagar-2, Palam, South West Delhi, Delhi-110045, I Have Changed My Minor Daughter Name Divya To Divya Aggarwal For All Future Purpose

NAME CHANGE
I NUPOOR W/O SACHIN CHANDILA R/O H.N0-265 BUDHENA, SECTOR-86, FARIDABAD, HARYANA-121002 HAVE CHANGE MY NAME TO NUPOOR CHANDILA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SABNAM KUMARI Daughter of JC-472754Y Rank-NB SUB Name-SAJJAN SINGH presently residing at H NO-241, 4KA, SHIVAJI PARK, ALWAR, RAJASTHAN-301001 have changed my name from SABNAM KUMARI to SHABNAM KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 08/04/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MISHA AHIRWAR W/O PAPPU AHIRWAR R/O CN-45, MODEL TOWN, NEAR HANUMAN MANDIR, NORTH EAST DELHI-110009 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as MISHA and PAPPU CHOUDHARY in my ration card No. 077004227034. The actual name of mine and my husband are MISHA AHIRWAR and PAPPU AHIRWAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Sutan Farid S/o Mr. Abdul Wahid Siddiqui, R/o B-784, MIG Flats, East of Loni Road, Delhi-110093 have changed my minor daughter's name from Zukhruf Farid to SHEEMA AARAISH FARID for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHRI KRISHAN S/O SHIV NARAYAN GOYAL residing at E-134, HARKESH NAGAR, DELHI-110020 have changed my name to KRISHAN GOYAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Rakesh Yadav s/o Jagdish Prasad Yadav R/o H.No.B-306/Y, Street No.6, Ashok Nagar, Delhi-110093, have changed my name to Rakesh Kumar Yadav permanently.

NAME CHANGE
I, RAJESH, M/O No.-10136671F, Rank-NK, Name-ANIL KUMAR R/o VILL-BARWAS (55), BHIWANI, (HARYANA)-127201, have changed my name from RAJESH to RAJESH KUMARI for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly written is 01/07/1963 instead of 02/08/1960. Vide Affidavit dated 08/04/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I Girraj Prasad Sharma S/o Mah Vir Prasad Sharma R/o B-1, 1st Floor RK Tower Dharm Colony, Gurgaon, Haryana-122017, I Have Changed My Name to Giriraj Sharma For all Purpose

NAME CHANGE
I, Sapna Singh D/O Nahar Singh Add-/ House no-825, 3rd floor, Block -B, Avantika, Sector -1, Rohini Delhi, Delhi - 110085 Have changed my name to Tamanna Chauhan for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENTS MR. HARJINDER SINGH S/O MR. HARNAM SINGH AND MRS. AMARJEET KAUR W/O MR. HARJINDER SINGH BOTH PRESENTLY RESIDING AT WZ-283/14, GALI NO.4, WEST BLOCK, VISHNU GARDEN, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018 HEREBY DECLARE THAT THEY HAVE EXPELLED, DISOWNED AND DISINHERITED THEIR SON NAMELY MR. MANPREET SINGH & THEIR DAUGHTER-IN-LAW NAMELY MRS. SHALU WIFE OF MR. MANPREET SINGH AND THEIR GRANDSON NAMELY MANRAJ SINGH S/O MR. MANPREET SINGH AND MRS. SHALU & THEIR GRANDDAUGHTERS NAMELY (1) DIVYA KAUR AND (2) DRISHTI KAUR BOTH D/O MR. MANPREET SINGH AND MRS. SHALU DUE TO THEIR MISBEHAVIOUR, FROM THEIR ALL MOVABLE, IMMOVABLE PROPERTIES WHATSOEVER / WHEREVER SITUATED & BANK DEPOSITS ETC. THEY HAVE ALSO RELEASED ALL THEIR RELATIONS WITH THEIR ABOVE MENTIONED SON, DAUGHTER-IN-LAW, GRANDSON & GRANDDAUGHTERS FOR ALL INTENTS AND PURPOSES. MY SAID CLIENTS ALSO HEREBY DECLARE THAT THEY SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF ACTS AND OMISSIONS OF THEIR ABOVE MENTIONED SON, DAUGHTER-IN-LAW, GRANDSON & GRANDDAUGHTERS FROM HERETO. ANYBODY DEALING WITH THEIR ABOVE MENTIONED SON, DAUGHTER-IN-LAW, GRANDSON & GRANDDAUGHTERS SHALL DO SO AT HIS HER/ THEIR OWN PERIL.
GULSHAN CHANANA ADVOCATE
11/80, Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi-110027

NAME CHANGE
It is for general information that I, KAPIL GUPTA S/o SOHAN LAL, R/o B-41, Gali No. -3, Vijay Enclave, Palam, South West Delhi, Delhi - 110045, declare that name of my wife has been wrongly written as AARTI GUPTA in my minor Daughter namely TANVI GUPTA aged 14 years in her School Record. The actual name of my wife is ARTI JAIN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHANLAL JAT father of No-15696245P Rank-L/HAV, Name-PARAS RAM JAT presently residing at VILL-JETHADA, PO-DEHANDI, TEHSIL-SHUJALPUR, DISTT-SHAJAPUR, M.P-465333 have changed my name from MOHANLAL JAT to MOHANLAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1996 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 Vide Affidavit dated 08/04/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SHARDA JAT mother of No-15696245P Rank-L/HAV, Name-PARAS RAM JAT presently residing at VILL-JETHADA, PO-DEHANDI, TEHSIL-SHUJALPUR, DISTT-SHAJAPUR, M.P-465333 have changed my name from SHARDA JAT to SHARDA BAI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 Vide Affidavit dated 08/04/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SHWETA SHARMA alias SHWETA KHETRAPAL D/O DWARKA NATH SHARMA Ex. Wife of Late SUMIT SHARMA R/O K-60-C, PHASE-2, SHEIKH SARAI, MALVIYA NAGAR, DELHI-110017 declare that my husband expired on 6-3-2014 and the death certificate was issued with registration No. MCDOLIR-0214-004682726 dated 18-6-2014. Further I remarried with RAKESH KHETRAPAL vide marriage certificate No. 90730000184513 dated 18-4-2016. Further I have changed the name of mine and my minor son namely YUVRAJ SHARMA aged 15 years and we shall hereafter be known as SHWETA KHETRAPAL and YUVRAJ KHETRPAL respectively. Hence forth I declare that the name of my minor son may be known as RAKESH KHETRAPAL in future for all purposes.It is certified that I have complied with other legal requirement in this connection.

NAME CHANGE
I, Sharvan Kumar Chawla s/o Des Raj R/O 137, 1st floor, Indra Vihar Near. Dr. Mukherjee Nagar, Delhi -110009, have changed my name to Sharwan Kumar permanently.

NAME CHANGE
I, Prayag Vats S/o Rajinder Dutt Sharma R/O F-283 Pandav nagar, patparganj East Delhi -110091 have changed my minor son name from Dipansh Vats to Deepansh vats for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHITIZ GUPTA S/O-BALE PRASAD GUPTA R/O-A2/3 FIRST FLOOR RANA PRATAP BAGH DELHI-110007 HAVE CHANGED MY NAME TO KSHITIZ GUPTA.

NAME CHANGE
I, POONAM W/O KAPIL SHARMA residing at H NO-51, WARD NO-1, NEAR SIHI GATE, AHIR WARA, BALLABGARH, FARIDABAD, HARYANA-121004 have changed my name to POONAM SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DHAN KUMARI SINGJALI W/o No.-5458140A Rank NK Name SIMON SINGJALI R/o VPO-GAJEDI, PS-SALJHUNDI, DIST-RUPANDEHI (NEPAL), have changed my name from DHAN KUMARI SINGJALI to DHAN KUMARI THAPA SINGJALI for all future purposes. Vide Affidavit dated 08/04/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री राजेश कुमार यादव पुत्र श्याम नंदन यादव 85 वर्ग गज यानी 71.07 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट के मालिक हैं। ग्राम जलपुरा, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर (यूपी) के क्षेत्र में स्थित खसरा नंबर 88 से संबंधित, बिक्री विलेख दिनांक 25-03-2019 को संबंधित उप के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत किया गया है। - 25-03-2019 को पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 13248, पृष्ठ संख्या 123-152 में दस्तावेज़ संख्या 6116 के रूप में रजिस्टर। आज तक और अपना मूल विक्रय विलेख दिनांक 04-04-2014 को खो दिया है/गलत तरीके से संबंधित उप-रजिस्ट्रार के कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 6797, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 6717, पृष्ठ संख्या 365-380 के रूप में 05-04 को पंजीकृत किया गया है। -2014. इसे श्रीमती जैतुन पत्नी नूर मोहम्मद के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री नीतीश कुमार पाठक के नाम से बिकने जा रही है और वही संपत्ति वित्त पीरामल द्वारा किया गया। कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड यूनिट नंबर 302, तीसरी मंजिल वर्ल्ड ट्रेड टॉवर प्लॉट नंबर-सी-1, सेक्टर-16, नोएडा यूपी। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

NAME CHANGE
I, Atul Kumar S/o Sunder Lal Budhiraja R/o 14/11 first floor Subhash nagar new delhi 110027 have changed my name to Atul Kumar Budhiraja for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Praveen, S/O Hawaldar Singh Kushwaha R/o Flat No - 3305, SG1, Saya Gold Avenue, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201014 have changed my name to Praveen Singh for all purposes.

NAME CHANGE
I, Uttam s/o Punma Ram R/o B-962, First Floor, Shastri Nagar, Delhi-110052, have changed my name to Uttam Purohit for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as Ramprasad Bhumij alias Ram Singh S/O Sunil Singh residing at 9A, Mandir Wali Gali, Baba Haridas Colony, VTC, Tikri Kalan, PO, Tikri Kalan, Punjabi Bagh, West Delhi, Delhi -110041 have changed my name and shall hereafter be known as Ram Singh.

NAME CHANGE
I, Kum Vijay Laxmi Agarwal W/o Kamlesh Aggarwal R/o EF-19A Block-C, Tata Housing Parimanti, Sector-72, Southern Peripheral Road, Gurgaon-122018, Haryana, Have Change My Name To Vijay Laxmi Aggarwal for all purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री टेकचन्द सुपुत्र स्व0 श्री श्योनाथ निवासी गॉव व पोस्ट-कांगनहेडी, नई दिल्ली-110077 ने अपने पुत्र राजेश कुमार आयु करीब 53 वर्ष व पुत्रवधु श्रीमती अरूणा आयु करीब 47 वर्ष, पोत्र दीपेश आयु करीब 27 वर्ष एवं प्रशान्त आयु करीब 25 वर्ष को उनके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिये है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्र, पुत्रवधु व पोत्रों से किसी प्रकार का लेन-देन, कोई नैतिक, अनैतिक व्यवहार करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा, इसमें मेरे मुविक्कल का कोई लेना देना नहीं होगा और ना ही किसी प्रकार की जबाव देही होगी।
सुरजीत सिंह सैनी अधिवक्ता
हॉल नं0 1, सीट नं0 8, जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

RUPTOK CAPITAL PRIVATE LIMITED
ABL Workspaces G-56 Green Park opposite Evergreen sweet New Delhi 110016

GOLD AUCTION NOTICE

The Borrower, in specific and public, in general, are hereby noticed that public auction of the gold ornaments pledged in the below accounts is proposed to be conducted at the following branch on below mentioned dates. The auction of the gold ornaments of defaulted customer who have failed to make payment of their loan amount despite being notified by registered letters. Change in venue or date (If any) will be displayed at the auction center and on the company website. Unauctioned items shall be auctioned on subsequent working days after displaying the details on the Company website and auction center. List of Loan Number with place to be date of auction at 25/04/2024 From 11:00 AM onwards at:

Venue – ABL Workspaces
G-56 Green Park opposite Evergreen sweet New Delhi 110016

Loan Account No	Customer Name	Loan Amount
0316-04381285-000176	RAJ KUMAR	1,42,645
0316-04381285-000175	VAIBHAV ARORA	79,421
0316-04381285-000123	VIVEK BHARTI	27,000
0316-04381285-000178	NIRDOSH SINGH	1,68,463
GLRTK-06-22-17	NILOFER IPNINDER SINGH	31,00,000

ऋण वसूली अधिकरण-II, दिल्ली के समक्ष
चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ऋण वसूली अधिकरण (प्रक्रिया नियम) 1993 के नियम 12 व 13 के साथ पठित, बैंक एवम् वित्तीय संस्थान अधिनियम 1993 के अनुसार देय ऋण की वसूली की धारा 19(4) के तहत सूचना के मामले में
टीए नं.1157 / 2022 **दिनांक 06.04.2024**
यूको बैंक .... **आवेदक**
बनाम
अब्दुल समर खान एवं अन्य .... **प्रतिवादी**

सेवा में, **प्रतिवादी**
1. **श्री अब्दुल समर खान पुत्र श्री अब्दुल शकूर खान**
एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेन्ट सर्विसेज प्रा. लि., 401-402 चौथा तल, अग्रवाल मिल्लेनियम टॉवर ई-1,2,3 नेताजी सुभाष प्लेस, वज़ीरपुर नई दिल्ली-110034.
इस पर भीः 10वीं से 12वीं मंजिल, डीएलएफ इन्फिनिटी टॉवर्स-सी, ब्लॉक 2, बिल्डिंग 3, डीएलएफ फेज-2, गुरूग्राम-122002.
2. **श्रीमती अफशीन खान पत्नी श्री अब्दुल समर खान**
दोनोः एफ-3, प्लॉट नं.64 बी, एकता सदन शालिमार गार्डेन एक्सटेंशन-1, गाजियाबाद, उ0प्र0
3. **एलिगेंट इन्फ्राकॉन प्राईवेट लिमिटेड**
177, पहली मंजिल, हरगोविन्द एन्क्लेव, नई दिल्ली-92
इस पर भीः प्लॉट नं.25, इकलॉन स्क्वायर सेक्टर-32, गुड़गाँव-122001.
इस पर भीः द ऑफिस पास, पहला तल, ए-93 सेक्टर-4, नोएडा, उ0प्र0-201301.
इस पर भीः जीएच-6-बी, टेक् जोन-4, पश्चिमी ग्रेटर नोएडा-201306.

चूंकि उपरोक्त नामित आवेदक ने **रु.23,93,620/- (तेइस लाख तिरानबे हजार छः सौ बीस रूपये मात्र)** की वसूली के लिए आपके विरूद्ध एक मुकदमा दर्ज कराया है और अधिकरण के संज्ञान में आया है कि सामान्य तरीके से आपको जानकारी देना संभव नहीं है इसलिए इस विज्ञापन के माध्यम से सूचना देते हुए आपको **08.08.2024 को प्रातः 10:30 बजे** अधिकरण के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।
यह ध्यान रखें कि निर्धारित तिथि को अधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर इस मामले पर आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई कर निर्णय लिया जाएगा।
सभी मामलों को विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लिया जा रहा है और इसके प्रयोजन हेतुः-
(1) सभी अधिवक्ता / वादीगण को **"सिस्को वेबैक्स"** एप्लीकेशन/सॉफ्टवेयर डाउनलोड करना होगा।
(2) **"मीटिंग आईडी"** एवं **"पासवर्ड"** सुनवाई की तिथि के लिए **माननीय पीठासीन अधिकारी / रजिस्ट्रार** द्वारा क्वा मामलों में डीआरटी आधिकारिक पोर्टल **"drt.gov.in"** पर दैनिक वाद सूची में ही प्रदर्शित किया जाएगा।
(3) किसी भी आपातकालीन स्थिति में एडवोकेट्स/लिटिगेंट्स संबंधित अधिकारी से फोन नं. 23748478 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
आज 06 अप्रैल 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं अधिकरण की मोहर के साथ जारी किया गया।
न्यायालय की मुहर
अधिकरण के आदेशानुसार, अनुभाग अधिकारी, डीआरटी-II, दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
समस्त सम्बन्धितों के ध्यान में लाया जाता है कि श्री विनय कुमार गुप्ता पुत्र स्व. श्री एस सी गुप्ता एवं श्री प्रवीन कुमार गुप्ता पुत्र स्व. श्री पी. सी गुप्ता निवासी मकान से 1/217 सदर बाजार, दिल्ली छावनी, ने दिल्ली छावनी परिषद के समक्ष दर्जे पट्टेदार के अधिकारों के हस्तान्तरण एवं नामांतरण के लिए आवेदन किया है। इस लीज भूमि का स्वामित्व भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के पास है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त सम्पत्ति के नामांतरण एवं उपरोक्त आवेदक के पक्ष में पट्टाधारी के अधिकारों के हस्तांतरण पर आपत्ति हो, वह अपनी आपत्ति के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्तियां दाखिल कर सकता है, जिसमें असफल रहने पर मामला विचारण एवं विधि अनुसार उचित निर्णय लेने के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रेषित कर दिया जाएगा।
हस्ता/
मुख्य अधिशासी अधिकारी
दिल्ली छावनी परिषद दिल्ली छावनी
फोन नं0: 011-25693837 011-25695450

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री महेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री बिशम्बर दयाल नगरपालिका संख्या 18/84-1 (जिसे 18/84-1सी के रूप में भी जाना जाता है) पर निर्मित फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित ग्राउंड फ्लोर और बिना छत के प्रथम तल के मालिक हैं, प्लॉट नंबर पर बिना छत के ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर का निर्माण किया गया है। गली नंबर 3 पूर्वी मोती बाग सराय रोहिल्ला दिल्ली-110007 में स्थित 74 वर्ग गज का 98-99 क्षेत्र, दिनांक 30.03.2021 के त्याग विलेख के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 3592 पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 8481 पृष्ठ संख्या 12-17 एसआर- 1 दिल्ली . श्रृंखला में नीचे दिए गए दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्रीमती माला सिंघल का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी जिनकी मृत्यु 04.03.2021 को हुई थी, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती शिवानी के नाम से बिकने जा रही है और आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा समान संपत्ति वित्त, कार्यालय संख्या-21, दूसरी मंजिल, अशोक चैंबर पूसा रोड, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110060। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे ग्राहक श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री गौरी शंकर फ्रीहोल्ड आवासीय खाली प्लॉट नंबर 41 की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है। यानी, खसरा नंबर 479 में से 125.41 वर्ग मीटर, गांव अच्छेजा, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, यूपी में स्थित है। विक्रय विलेख के आधार पर दिनांक 05.04.2023 को एसआर-दादरी, गौतमबुद्ध नगर के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 12797, खंड संख्या 23268, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ 285-304, दिनांक 06.04.2023, आज तक और है उसका मूल विक्रय पत्र दिनांक 25.11.2013 को खो गया/गुम हो गया, जो दस्तावेज़ संख्या के अनुसार एसआर-दादरी के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत था। 22525, खंड संख्या 6230, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ 293-318, दिनांक 25.11.2013। इसे श्री राजकुमार पुत्र श्री धर्मवीर के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, वही संपत्ति वर्तमान में आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित है और अब भी ऐसा ही हो रहा है पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पीरामल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) शाखा झंडेवालान, दिल्ली द्वारा पुनर्वित्त किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारझस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

चुनाव प्रचार के लिए अब तक 207 ऑनलाइन आवेदन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में भारत निर्वाचन आयोग भी लगातार हाईटैक हो रहा है. इस बार के Lok Sabha आम चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने कई मोबाइल ऐप व पोर्टल लॉन्च किए हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियों के क्रियान्वयन में आयोग के साथ-साथ राजनीतिक पार्टियों व उम्मीदवारों को सुविधा हो रही है. इसी कड़ी में आयोग के लॉन्च किए गए सुविधा पोर्टल के माध्यम से चुनाव प्रचार गतिविधियों के लिए ऑनलाइन अनुमति दी जा रही है. अभी तक हरियाणा में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों व उम्मीदवारों की ओर से 207 अनुरोध प्राप्त हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव अभियान अवधि के दौरान जब पार्टियां और उम्मीदवार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए गतिविधियों में व्यस्त होते हैं तो उस दौरान यह सुविधा पोर्टल पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर पारदर्शी रूप से विविध श्रेणी के तहत अनुमति अनुरोधों पर कार्रवाई करता है. इस पोर्टल पर रैलियों के आयोजन, अस्थायी पार्टी कार्यालय खोलने, घर-घर जाकर प्रचार करने, वीडियो वैन, हेलीकॉप्टर, वाहन परमिट प्राप्त करने व पर्चे बांटने सहित विभिन्न गतिविधियों की अनुमति प्राप्त की जा सकती है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौ. बीरेंद्र सिंह व प्रेमलता ने छोड़ी भाजपा, कांग्रेस में होंगे शामिल

चंडीगढ़। चार दशक तक कांग्रेस में रहने के बाद दस साल पहले भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने सोमवार को भाजपा के सभी पदों इस्तीफा दे दिया है. बीरेंद्र सिंह के साथ-साथ उनकी पत्नी प्रेमलता ने भी भाजपा को छोड़ दी है. अब सोमवार को बीरेंद्र सिंह अपने समर्थकों समेत दोबारा कांग्रेस में शामिल होंगे. बीरेंद्र सिंह हरियाणा की राजनीति में ट्रेजडी किंग के नाम से मशहूर हैं. बीरेंद्र सिंह जब-जब किसी बड़े राजनीतिक पद पर बैठे तब-तब ब्रेक लग गई. अपने बयानों के लिए मशहूर बीरेंद्र सिंह की भले ही बांगर की धरती पर पहले जैसी राजनीतिक पकड़ नहीं रही हो लेकिन प्रदेश की राजनीति में वह एक बड़ा चेहरा हैं.कांग्रेस में रहते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विरोधी रहे बीरेंद्र सिंह अब भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नेतृत्व कबूल करके ही दोबारा कांग्रेस में एंट्री कर रहे हैं. बीरेंद्र सिंह के Member of parliament बेटे बृजेंद्र सिंह पहले भी भाजपा छोडक़र कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं।

यूट्यूब चैनल को सब्स्क्राइब करवाने के बहाने ठगी का आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की साइबर टीम ने एक व्यक्ति को यूट्यूब चैनल को सब्स्क्राइब करके पैसे कमाने का लालच देकर लगभग आठ लाख की ठगी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी सिरसा जिला का निवासी है। पकड़े गए आरोपी को पूछताछ के बाद सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। साइबर थाना झज्जर के प्रभारी निरीक्षक अजय मलिक ने बताया कि बहादुरगढ़ निवासी एक महिला के पास किसी अनजान नंबर से व्हाट्सएप पर मैसेज आया कि वह ऑनलाइन यूट्यूब चैनल सब्स्क्राइब करके अच्छे पैसे कमा सकती हैं। कॉलर ने साथ ही यूट्यूब चैनलों के लिंक भी महिला के पास भेज दिए। जिनकी बातों में आकर शिकायतकर्ता ने यूट्यूब चैनल को सब्स्क्राइब कर लिया। इसके बाद उनके खाते में 160 रुपये भेज दिए गए। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। इसके बाद महिला को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया गया। जिसमें उन्हें अलग-अलग सपने दिखाए गए और उन्हें अलग-अलग लोगों के स्क्रीनशॉट दिखाई देते थे। इन बातों पर शिकायतकर्ता ने विश्वास कर लिया। तब आरोपी ने अलग-अलग तरह के टॉस्क देकर महिला के खाते से सात लाख 97 हजार 870 रुपये निकाल लिए। अपने साथ ठगी होने का पता चलने पर महिला ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

हाथापाई में लगा धक्का,हार्ट अटैक से युवक की मौत

जींद। हाउसिंग बोर्ड में मामूली कहासुनी के दौरान हुई धक्का-मुक्की में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी के बयानों पर कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मृतक की पत्नी ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने घर में घुस कर हाथापाई के दौरान धक्का मुक्की की। जिससे गिर कर उसके पति की मौत हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हाउसिंह बोर्ड कालोनी निवासी 48 वर्षीय रविंद्र को संदिग्ध परिस्थितियों के चलते उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया।

विपक्षी पार्टियां अपने उमीदवार भी तय नहीं कर पा रहीं : नायब सैनी

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सिरसा प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को श्री बाबा तारा जी कुटिया में पहुंचे और श्री बाबा तारा जी की समाधि पर जाकर पूजा अर्चना की शीश नवाया साथ ही प्रदेशवासियों की सुख शांति और समृद्धि के लिए मंगलकामना की। इस मौके पर सिरसा के विधायक, पूर्व गृहराज्यमंत्री एवं हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा के अनुज वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कुटिया के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा ने उनका स्वागत किया साथ शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। साथ ही नगर की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने बाद में कहा कि आज विपक्ष में साहस नहीं है, अभी तक वह उम्मीदवार तय नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन में शामिल भ्रष्टाचारी खुद को बचाने में लगे हुए है और जनता को गुमराह करने में लगे हुए है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रदेश की लोकसभा की सभी दस सीटों पर और करनाल विधानसभा सीट भारी मतों के अंतर से जीतेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी सोमवार को सिरसा सीट से भाजपा उम्मीदवार डा. अशोक तंवर और भाजपा जिला प्रधान निताशा राकेश सिहाग के साथ श्री बाबा तारा जी कुटिया में पहुंचे जहां पर मुख्यसेवक गोबिंद कांडा, उनके पुत्र धैर्य कांडा ने

बुकें भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। नगर परिषद सिरसा की पूर्व अध्यक्षा रीना सेठी, महेंद्र सेठी, नितिन सेठी, इंद्रोश लक्ष्या गुज्जर, , विजय यादव, अमित सोनी आदि ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने श्री बाबा तारा जी की समाधि पर जाकर पूजा अर्चना की और शीश नवाया। उन्होंनें प्रदेशवासियों की सुख शांति और समृद्धि के लिए मंगलकामना की। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष हार को लेकर डरा हुआ है, उसमें साहस नहीं है, उसे चुनाव मैदान में उतारने के लिए उम्मीदवार तक नहीं मिल रहे हैं जिसका नाम रखा वही भाग रहा है। विपक्ष सोच रहा है कि किसे उम्मीदवार बनाए। उन्होंने कहा कि भाजपा 2019 से भी ज्यादा प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन में वे लोग शामिल है जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप है, वे स्वयं को बचाने के लिए जनता के बीच जाकर झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं,पर देश की जनता इनके बहकावे में नहीं आने वाली है क्योंकि जनता पहले ही मोदी को चुन चुकी है अब तो मतदान करना शेष है। मोदी के प्रति देश की जनता में विश्वास बड़ा है, भाजपा को लेकर जनता में जोश है। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता गोबिंद कांडा ने मुख्यमंत्री और अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया, साथ ही श्री बाबा तारा जी कुटिया की ओर से उन्हें प्रसाद प्रदान किया।

अभी दिया है मौखिक इस्तीफा, जल्द दूंगा लिखित इस्तीफाः निशान सिंह

फतेहाबाद। भाजपा से गठबंधन तोडऩे के बाद से जननायक जनता पार्टी में बिखराव बढ़ता जा रहा है। सोमवार को फतेहाबाद जिले में जेजेपी को एक साथ कई झटके लगे। एक तरफ जहां जजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं टोहाना के पूर्व विधायक स. निशान सिंह ने पार्टी छोड़ दी है। वहीं फतेहाबाद जिले से अनेक जेजेपी नेताओं ने पार्टी को अलविदा कहने की घोषणा कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जेजेपी के प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने अभी पार्टी हाईकमान को मौखिक रूप से पार्टी छोडऩे की जानकारी दी है। जल्द ही लिखित इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला को सौपेंगे। निशान सिंह के कांग्रेस में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। बता दें कि दिसंबर 2018 में जजपा बनने के साथ ही उन्हें प्रदेशाध्यक्ष की कमान सौंपी गई थी। 2021 और 2023 में जजपा के पूरे संगठन में फेरबदल हुआ,

लेकिन निशान सिंह को हर बार प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। सूत्रों का कहना है कि निशान सिंह पार्टी के सीनियर नेताओं के कुछ फैसलों से सहमत नहीं हैं। इसी कारण उन्होंने जेजेपी छोडऩे का निर्णय लिया है।

निशान सिंह ने कहा कि उन्होंने मौखिक तौर पर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। बाद में लिखित इस्तीफा दूंगा। आगे का निर्णय भाईचारे के साथ बैठकर लूंगा। उन्होंने कहा कि कई बार आप जिन आशाओं को लेकर आगे बढ़ जाते हैं, कहीं न कहीं बीच में रुकावटें और ब्रेकर आ जाते हैं, जिस कारण आज यह निर्णय करना पड़ा। यह मुझे भी अच्छा नहीं लग रहा, लेकिन यह एक मजबूरी होती है।निशान सिंह ने कहा कि कहीं आपको लगे कि मेरी भावनाओं का हनन हो रहा है तो ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं। मुझे लगता है कि हम सही दिशा में नहीं जा रहे, इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। क्योंकि अभी तक तो रेजिग्नेशन भी अधूरा सा है। हमारा जो सिद्धांत सबसे बड़ा धर्म होता है, मेरा धर्म यह कहता है कि हम नहीं चंगे तो बुरा नहीं कोये। मैं उन पॉलिटिशियन की तरह जल्दबाजी वाला नहीं हूं जो पार्टी छोडऩे पर बुरा भला कहकर सहानुभूति ले। कहा जाता है मित्र को जब छोडऩा है तो उसे मित्रता के भाव से ही छोड़िए, ताकि मिलें तो शर्मिंदा न हों।

उधर, जेजेपी को फतेहाबाद जिले में सोमवार को दो ओर झटके भी लगे हैं। रतिया हलके से वरिष्ठ जेजेपी नेत्री एवं पार्टी की प्रदेश महिला सचिव ममता कटारिया ने भी पार्टी को अलविदा कह दिया है। पार्टी छोडऩे की पुष्टि करते हुए ममता कटारिया ने कहा कि वे जल्द ही पार्टी को अधिकारित तौर पर अपना इस्तीफा सौंप देगी। उन्होंने कहा कि अब वे किस पार्टी में जाएंगे, इसका अभी उन्होंने कोई फैसला नहीं किया है। जल्द ही समर्थकों के साथ बातचीत कर इसका निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा जेजेपी की प्रदेश महासचिव एवं फतेहाबाद की वरिष्ठ नेत्री रेखा शाक्य ने भी सोशल मीडिया पर पार्टी को अलविदा करने की घोषणा कर दी है।

बुजुर्ग महिला के कानों से सोने की बालियां छीनकर भागा युवक

फतेहाबाद। लाजपत नगर में मंदिर के लिए निकली एक बुजुर्ग महिला के कानों से अज्ञात युवक सोने की बालियां छीनकर फरार हो गया। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में लाजपत नगर फतेहाबाद निवासी बुजुर्ग महिला प्रकाश देवी ने कहा है कि सोमवार को वह अपने घर से बाहर मंदिर जाने के लिए निकली थी। जैसे ही वह गली के मोड़ के पास पहुंची तो पीछे से मोटरसाइकिल पर एक युवक आया और उसके आगे आकर मोटरसाइकिल रोक दिया।

इसके बाद युवक मोटरसाइकिल से उतरा और उसके दोनों कानों से सोने की बालियां खींच ली। इससे उसके दोनों कानों से खून निकलने लगा। उसके शोर मचाने पर युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। बाद में पीड़ित महिला ने इस बारे अपने परिजनों को सूचना दी। बाद में महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया वहीं इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जजपा की राष्ट्रीय महासचिव ने दिया इस्तीफा

नारनौल। जननायक जनता पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव और नारनौल नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने सोमवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय चौटाला को भेज दिया है। उन्होंने प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा ईमेल के माध्यम से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला के नाम भेजा है। इस्तीफे में कमलेश सैनी ने लिखा है कि मेरा त्याग पत्र तत्काल प्रभाव से माना जाए। संभावना जताई जा रही है कि कमलेश सैनी भाजपा में शामिल हो सकती है। कमलेश सैनी ने डेढ़ साल पहले निर्दलीय उम्मीदवार के

रूप में नगर परिषद का चुनाव लड़ा था और हरियाणा में सबसे अधिक वोटों से जीतकर नारनौल नगर परिषद की चेयरपर्सन बनी थी। इसके अलावा कमलेश सैनी नारनौल से दो बार विधायक का चुनाव लड़ चुकी हैं और दोनों ही बार दूसरे नम्बर पर रही हैं। कमलेश सैनी के ससुर स्वर्गीय चौधरी भानाराम सैनी ने भी एक बार महेंद्रगढ़ और दूसरी बार 2009 में नारनौल से चुनाव लड़ा था। वे भी करीब ढाई हजार वोटों से हार गए थे। भानाराम सैनी ने उस समय चुनाव इनेलो से लड़ा था। वहीं उनकी पुत्रवधू कमलेश सैनी ने भी 2014 का चुनाव इनेलो और 2019 का चुनाव जजपा से लड़ा था। इन चुनाव में कमलेश सैनी दोनों ही बार दूसरे नम्बर पर रहीं थी।

हरियाणा में अब तक 10 करोड़ की अवैध शराब व 3.62 करोड़ नकद जब्त

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब व नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। अब तक राज्य में साढ़े 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध शराब व मादक पदार्थ तथा 3.62 करोड़ रुपये नकद राशि जब्त की जा चुकी है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य में पुलिस, आयकर विभाग, आबकारी एवं कराधान विभाग तथा राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने उकत कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 40.22 लाख रुपये नकद, 225.57 लाख रुपये की कीमत की 70,671.54 लीटर शराब, 514.48 लाख रुपये की कीमत की मादक पदार्थ, प्रलोभन व अन्य वस्तुएं, जिनकी कीमत 56.81 लाख रुपये है, जब्त की गई हैं। इसी प्रकार आयकर विभाग ने 42 लाख रुपये नगद, 173 लाख रुपये से अधिक के 2967.88 ग्राम कीमती सामान तथा 42.19 लाख रुपये की अन्य वस्तुओं को जब्त किया गया है। अनुराग अग्रवाल ने बताया कि आबकारी विभाग ने ढाई लाख रुपये नगद , 40 लाख रुपये की 101036 लीटर शराब जब्त की गई है। इसके अलावा, डीआरआई ने 2 करोड़ 78 लाख रुपये की नकद राशि जब्त की है।

नायब सिंह सिंह हरियाणा के 'डमी मुख्यमंत्री' हैं : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नायब सिंह सैनी पर ''डमी मुख्यमंत्री' होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके हाथ में कुछ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सैनी को पिछले महीने पार्टी ने मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था। रोहतक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले झज्जर जिले के बेरी में एक रैली में राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए भूपेंद्र हुड्डा ने यह भी दावा किया कि हरियाणा पिछले करीब 10 वर्ष में प्रति व्यक्ति आय समेत विभिन्न विकास मानकों पर पिछड़ गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''नायब सिंह तो नाम का मुख्यमंत्री है, यह तो डमी मुख्यमंत्री है। इसके बस का कुछ नहीं है।' उन्होंने 'जन आक्रोश रैली' को संबोधित करते हुए कहा, ''पहले भी ऐसा प्रयोग किया गया था। जैसे कि चौधरी ओम प्रकाश (चौटाला) ने मास्टर हुकुम सिंह (1990-91 में) को मुख्यमंत्री बनाया था। उसी तरह उन्हें (सैनी) मुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने बेरी के मतदाताओं से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि इस बार उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा रोहतक सीट से

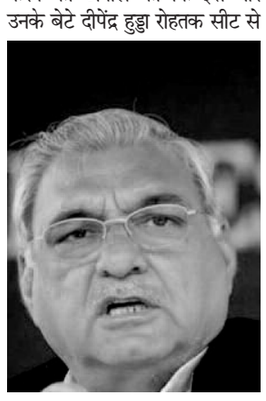

एक लाख से अधिक मतों के अंतर से जीतें। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा 2019 के आम चुनावों में रोहतक सीट पर दोबारा जीत हासिल करने में नाकाम रहे थे। उन्हें भाजपा के अरविंद शर्मा ने हराया था। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''मेरा हक भी बनता है। बेरी के वोट किलोई के वोट से अधिक होने चाहिए (जहां से भूपेंद्र हुड्डा विधायक हैं)। दीपेंद्र को एक लाख से अधिक मतों के अंतर से विजयी बनाएं।'

बेरी और किलोई दोनों विधानसभा क्षेत्र रोहतक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के तहत आते हैं। हरियाणा में 10 लोकसभा सीटों पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा, ''2014 में प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, नौकरियां देने, कानून व व्यवस्था के मोर्चे पर, खेलों में पहले नंबर पर रहा हरियाणा पिछले 10 साल के दौरान पीछे रह गया है। उन्होंने कहा, ''...आज हरियाणा कहां है? हरियाणा बेरोजगारी, महंगाई और अपराध में आज पहले नंबर पर है।' उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के बारे में बात की थी। उन्होंने पूछा, ''ऐसा नहीं हुआ जबकि लागत दोगुनी हो गयी। आज डीजल और उर्वरकों की कीमतें कहां पहुंच गयी हैं?' हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता ने सवालिया अंदाज में कहा, ''आज अपराध की क्या स्थिति है? व्यापारियों को फिरौती के फोन आना आम हो गया है। डर का माहौल बन गया है, ऐसा लगता है कि सरकार कहीं है ही नहीं।

फतेहाबाद में गेहूं के फसली अवशेषों को जलाने पर रोक

फतेहाबाद। गेहूं की कटाई शुरू होने के साथ ही खेतों में किसानों द्वारा गेहूं के अवशेषों को जलाना भी शुरू कर दिया गया है। इस पर रोक लगाते हुए जिलाधीश राहुल नरवाल ने जिला फतेहाबाद में तुरंत प्रभाव से गेहूं की फसल की कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने पर प्रतिबंध लगाया है।

सोमवार को जारी आदेशों में उन्होंने सभी कंबाइन हारवेस्टर मशीन के मालिकों को आदेश दिए है कि वे गेहूं की फसल की कटाई के दौरान अपनी कंबाइन हारवेस्टर मशीनों में सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (एसएसएमएस) लगवाना सुनिश्चित करें। बिना एसएसएमएस कंबाइन हारवेस्टर मशीनों द्वारा गेहूं की फसल काटने पर पूर्णतयाः रोक रहेगी। यह आदेश फसल रबी सीजन

2024 समाप्त होने तक प्रभावी रहेंगे। उन्होंने बताया कि रबी की फसल के दौरान किसानों द्वारा गेहूं की फसल कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों में आग लगा दी जाती है जो कि वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 तथा भारतीय दंड संहिता का उल्लंघन है। इन अवशेषों के जलाने से होने वाले प्रदूषण से मनुष्य के स्वास्थ्य, संपत्ति की हानि, तनाव, क्रोध तथा जीवन को बाहरी खतरे की संभावना रहती है। जबकि इन अवशेषों से पशुओं के लिये तूड़ा बनाया जा सकता है। इसके जलाने से चारे की भी कमी हो जाती है। उपरोक्त आदेशों की की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो भारतीय दंड संहिता की धारा 188 संपठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत दंड का भागी होगा।

सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

जींद। पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर सोमवार को सोमवती अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर पितृ तर्पण किया और सुखद भविष्य की कामना की। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर रविवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। रविवार की पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा।

सोमवार को तड़के से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के

बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया।

तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं ने यहां खरीददारी भी की। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि हिन्दू धर्मग्रंथों में सोमवती अमावस्या के दिन दान-पुण्य करने के महत्व को बहुत ही अधिक फलदायी बताया है।

सतगुरु का विचार ही सिद्धांत हैः डाः विजय शर्मा

सोनीपत। संत निरंकारी मिशन के दार्शनिक संत डा. विजय शर्मा ने कहा कि सत्संग की किसी से तुलना नहीं होती, यह ज्ञान सतगुरु की कृपा से मिलता है। जैसा है जहां है के आधार पर स्वीकार करना होगा। यह जीवन की सच्चाई है कि सतगुरु का यही विचार सिद्धांत है। डा. शर्मा संत निरंकारी सत्संग भवन के सभागार में आयोजित सत्संग समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का यह मानव कल्याण के लिए संदेश लेकर आपके मध्य आए हैं। बाबा अवतार सिंह जी ने 1964 में कहा था गुरु की शिक्षा अपने घरों से शुरु करें। गुरु की आज्ञानुसार जीवन जीने वालों को खुशहाली मिलती है। सेवा से जुडें तो सभी सम्मान देते हैं, पूरे संसार में संत से जब संत मिलते हैं प्रेम जागृत होता है, सम्मान करने की चाहत होती है।

भाजपा नेत्री पर सुरजेवाला की टिप्पणी, कांग्रेस की विचारधारा : कंवर पाल

यमुनानगर। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला द्वारा बीजेपी नेत्री एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी पर की गई अभद्र टिप्पणी पर हरियाणा के कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यह बेहद गलत और अशोभनीय है। सभी को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

सोमवार को जगाधरी अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत के

दौरान कृषि मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि रणदीप सुरजेवाला कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता है। इससे तो ऐसा लगता है की कांग्रेस की विचार धारा ऐसी ही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस पर विचार करना चाहिए कि किस प्रकार के व्यक्ति को उन्होंने अपना प्रवक्ता बनाया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह इसके लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सुरजेवाला की इस टिप्पणी की मैं आलोचना करता हूं। वैसे तो सभी को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। चाहे हम किसी की आलोचना भी करे उसमे भी संयम रखना चाहिए और मर्यादित शब्दो का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रणदीप सुरजेवाला ने तो कभी भी अपनी वाणी पर संयम नही रखा। लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कोई भी नेता चुनाव लडने के लिए तैयार नहीं है और सभी को कांग्रेस का भविष्य अंधेरे में नजर आ रहा है।

सोनीपत में बेटे ने तेजधार हथियार से मां को मौत के घाट उतारा

सोनीपत। गलत संगत के बच्चों के साथ रहने से रोका तो कलयुगी बेटे ने तेजधार हथियार से गोदकर अपनी मां की हत्या कर दी। घटना जिले के गांव खेड़ी की है। जहां आरोपी युवक ने अपनी मां को मौत के घाट उतार दिया। मृत्यु से पहले मां ने खुद को बचाने के प्रयास में काफी जद्दोजहद की। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए तो आरोपी बेटा वहां से भाग गया। प्राथमिक सूचना के अनुसार गांव खेड़ी मनाजात में महिला निर्मला (49) रविवार शाम को अपने घर थी। इसी बीच उसकी अपने बेटे नवीन के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। बेटे ने तेजधार हथियार से अपनी मां पर वार कर दिए। महिला बचाव के लिए भागने लगी तो उसके बेटे ने उसे कमरे से बाहर नहीं निकलने दिया। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग आए तो महिला की मौत हो गई थी। मृतका निर्मला के पति बलराज ने पुलिस को बताया कि उनके दो बेटियां व एक बेटा है। बेटियों की वह शादी कर चुके हैं। बेटा गलत संगत में पड़ गया। उसके खिलाफ गुरुग्राम में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। गांव में भी मारपीट कर चुका है। उसकी पत्नी ने बेटे को गलत रास्ते पर चलने मना किया था। इसी को लेकर उसने अपनी ही मां को मौत के घाट उतार दिया। परिवार उसकी गतिविधियों से तंग आकर उसे बेदखल कर चुका है। सूचना के बाद कुंडली थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

NAME CHANGE

I, PARVEEN KUMAR S/o NARESH KUMAR, R/o Wazirpur(115), Wazirpur, Farrukhnagar, Gurgaon, Haryana-122505, declare that name of mine and my father have been wrongly written as PRAVEEN and NARESH in my Haryana Education Board 10th and 12th class Marksheets cum Certificates. Further, name of mine has been wrongly written as PRAVEEN in my Voter Card No. TER0331165. The actual name of mine and my father are PARVEEN KUMAR and NARESH KUMAR.

भारत में 24-22 कैरेट के लिए सोने की कीमत में थोड़ी गिरावट आई

नई दिल्ली। भारत में सोने की कीमत में पिछले 24 घंटे में थोड़ी गिरावट आई है. 8 अप्रैल 2024 को भारत में 24 कैरेट सोने (10 ग्राम) की कीमत 71,280 रुपये जबकि 22 कैरेट सोने (10 ग्राम) की कीमत 65,340 रुपये दर्ज की गई. भारत में सोने के भाव में पिछले 24 घंटे में 10 रुपये की गिरावट आई है. ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में पिछले 24 घंटों में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। जहां 24 कैरेट सोने (10 ग्राम) की कीमत 71,280 रुपये है, वहीं 22 कैरेट सोने (10 ग्राम) की कीमत 65,340 रुपये है.

भारत के प्रमुख शहरों में सोने की कीमत में बदलाव दर्ज किया गया। वे इस प्रकार हैः

शहर 24 कैरेट 22 कैरेट
दिल्ली 71,430 रुपये 65,490 रुपये
मुंबई 71,280 रुपये 65,340 रुपये
चेन्नई 72,150 रुपये 66,140 रुपये
कोलकाता 71,280 रुपये 65,340 रुपये
हैदराबाद 71,280 रुपये 65,340 रुपये
बेंगलुरु 71,280 रुपये 65,340 रुपये
भुवनेश्वर 71,280 रुपये 65,340 रुपये
भारत में चांदी की दर

पिछले 24 घंटों में भारत में चांदी का रेट जस का तस बना हुआ है। 7 अप्रैल 2024 को चांदी की कीमत 79,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है. चांदी का रेट आज पिछले 24 घंटे में जस का तस बना हुआ है।

कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव थम नहीं रहा। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 90 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है । अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 1.39 डॉलर यानी 1.52 फीसदी की गिरावट के साथ 89.78 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.24 डॉलर यानी 1.43 फीसदी की गिरावट के साथ 85.60 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

दक्षिण कोरिया का हाइड्रोजन चार्जिंग इन्फ्रा पिछले 3 वर्षों में खराब हुआः रिपोर्ट

सियोल। एक स्थानीय ऑटोमोबाइल एसोसिएशन ने रविवार को कहा कि हाइड्रोजन ईंधन-सेल इलेक्ट्रिक वाहनों (एफसीईवी) के लिए दक्षिण कोरिया का चार्जिंग बुनियादी ढांचा पिछले तीन वर्षों में खराब हो गया है।

कोरिया ऑटोमोबाइल एंड मोबिलिटी एसोसिएशन के अनुसार, इस साल मार्च में प्रति चार्जिंग या ईंधन भरने वाले स्टेशन पर हाइड्रोजन एफसीईवी की संख्या 203 हो गई, जो मार्च 2021 में 180 से 12 प्रतिशत अधिक है, जिसका मतलब है कि हाइड्रोजन कार मालिकों के लिए चार्जिंग स्पॉट की कमी है। (काम)। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में, देश के हाइड्रोजन कार पंजीकरण नए स्थापित हाइड्रोजन चार्जिंग स्टेशनों की संख्या से कहीं अधिक हो गए हैं। उद्धृत अवधि के दौरान हाइड्रोजन कार पंजीकरण की संख्या 12,439 से बढ़कर 34,872 इकाई हो गई, जबकि हाइड्रोजन स्टेशनों की संख्या 69 से बढ़कर 172 हो गई। एसोसिएशन ने कहा कि स्थानीय प्रांतों और शहरों में से, सियोल से 113 किलोमीटर दक्षिण में स्थित सेजोंग में, उल्लेखित अवधि में हाइड्रोजन चार्जिंग बुनियादी ढांचे की स्थिति सबसे खराब हो गई है, प्रति स्टेशन हाइड्रोजन कारों की संख्या 53 से बढ़कर 224 हो गई है। इसके विपरीत, गैंगवॉन प्रांत के हाइड्रोजन चार्जिंग बुनियादी ढांचे में सबसे अधिक सुधार हुआ, प्रति स्टेशन हाइड्रोजन कारों की संख्या 484 से घटकर 226 हो गई।

आकार में कमी की खबरें आने के बाद स्विस बैंकिंग दिग्गज यूबीएस के शेयरों में 1.37फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। स्विस अपनी राजनीतिक तटस्थता के अलावा अपने वित्तीय संस्थानों के लिए भी जाना जाता है, कई मायनों में, यह यकीनन दुनिया का बैंक है। अपने बैंकिंग प्रतिमान में उन बड़े नामों में से एक, यूबीएस चर्चा में है।कंपनी के शेयर जो पिछले सप्ताह गिरावट पर थे, ज्यूरिख स्थित स्ढ्ढङ्ग स्विस एक्सचेंज पर 5 अप्रैल को केवल एक दिन में 1.37 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट आई, प्रत्येक शेयर का मूल्य ष्टॄ्न पर था। या स्विस फ़्रैंक 28.17. ऐसा तब हुआ जब बैंकिंग दिग्गज के बड़े पैमाने पर वापसी की खबर सामने आई। यूबीएस 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के शेयर वापस खरीदने की योजना बना रहा है। इसे कंपनी द्वारा अपने आकार और परिचालन को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले, पिछले बायबैक अभ्यास के अलावा, बैंक ने अमेरिकी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी अपोलो एसेट मैनेजमेंट में 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के अपने शेयरों को भी त्याग दिया था।

एमफैसिस ने वित्तीय सेवाओं के लिए जनरल एआई फाउंड्री लॉन्च करने के लिए एडब्ल्यूएस के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) समाधान प्रदाता एमफैसिस ने वित्तीय सेवाओं के लिए जनरल एआई फाउंड्री लॉन्च करने के लिए अमेज़ॅन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ एक बहु-वर्षीय वैश्विक रणनीतिक सहयोग समझौते (एससीए) की घोषणा की।

कंपनी के अनुसार, जनरल एआई फाउंड्री मॉडलिंग उद्योग के उपयोग के मामलों और अवधारणाओं के प्रमाण (पीओसी) विकसित करने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में काम करेगी - शुरुआत में वित्तीय सेवा उद्योग के भीतर, अन्य क्षेत्रों में विस्तार की योजना के साथ। एम्फैसिस के सीईओ और एमडी नितिन राकेश ने एक बयान में कहा, वित्तीय सेवाओं के लिए जनरल एआई फाउंड्री, एमफैसिस.एआई के नेतृत्व में, हमारे ग्राहकों के लिए एआई अपनाने और व्यापार आधुनिकीकरण में तेजी लाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, एडब्ल्यूएस की जनरेटिव एआई और डेटा सेवाओं की शक्ति का उपयोग करके, हम वित्तीय सेवा उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि जेन एआई फाउंड्री फॉर्च्यून 100, ब्रोकरेज और बीमा फर्मों के बीच रैंकिंग वाले बैंकों के लिए लक्षित पेशकशों के साथ, वित्तीय सेवा क्षेत्र में एक विश्वसनीय प्रदाता के रूप में पूरी तरह से एकीकृत करने के एमफैसिस के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है।उपयोग के मामले महत्वपूर्ण उद्योग अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जैसे कि कोर प्लेटफ़ॉर्म आधुनिकीकरण के लिए जेनरेटिव एआई, बैंकों के लिए अनुबंध प्रबंधन और अन्य। स्कॉट मुलिंस, एमडी और ने कहा, एडब्ल्यूएस सेवाओं और एआई/एमएल क्षमताओं में एम्फैसिस की विशेषज्ञता, उद्योग-विशिष्ट समाधानों के प्रति उनके समर्पण के साथ मिलकर, क्लाउड कंप्यूटिंग और जेनरेटर एआई की परिवर्तनकारी क्षमताओं के साथ व्यापार परिवर्तन को सक्षम करने के हमारे मिशन के साथ सहजता से संरेखित होती है। महाप्रबंधक, एडब्ल्यूएस वर्ल्डवाइड फाइनेंशियल सर्विसेज।

मस्क ने कुछ एक्स खातों को ब्लॉक करने के ब्राजील के आदेश को चुनौती दी

एलोन मस्क ब्राजील में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश के फैसले को चुनौती दे रहे हैं, जिन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, को कुछ खातों को ब्लॉक करने का आदेश दिया था, और उन्होंने न्यायाधीश के इस्तीफे की मांग की। मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया, इस न्यायाधीश ने बेशर्मी से और बार-बार ब्राजील के संविधान और लोगों को धोखा दिया है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या महाभियोग चलाना चाहिए। शर्म की बात है ञ्अलेक्जेंड्रे, शर्म की बात है।

पहले के एक पोस्ट में, मस्क ने कहा कि एक्स ब्राजील में कुछ अज्ञात खातों पर न्यायमूर्ति अलेक्जेंड्रे डी मोरेस द्वारा तय किए गए सभी प्रतिबंधों को हटा रहा है और ऐसा करने पर न्यायाधीश के प्रतिबंध के बावजूद आदेश का विवरण प्रकाशित करेगा। मस्क ने को पोस्ट किया, इस न्यायाधीश ने बड़े पैमाने पर जुर्माना लगाया है, हमारे कर्मचारियों को गिरफ्तार करने की धमकी दी है और ब्राजील में एक्स तक पहुंच बंद कर दी है। परिणामस्वरूप, हम संभवतः ब्राज़ील में सारा राजस्व खो देंगे और हमें वहां अपना कार्यालय बंद करना पड़ेगा। लेकिन सिद्धांत लाभ से अधिक मायने रखते हैं।÷ मस्क ने जहां संभव हो, आदेश को कानूनी रूप से चुनौती देने का वादा किया। ब्राज़ील के सॉलिसिटर जनरल, जॉर्ज मेसियस ने मस्क के फैसले की आलोचना की और विदेशी प्लेटफार्मों को ब्राज़ीलियाई कानूनों का उल्लंघन करने से रोकने के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क के विनियमन का आह्वान किया। मेसियस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम ऐसे समाज में नहीं रह सकते हैं जिसमें विदेशों में रहने वाले अरबपतियों के पास सोशल नेटवर्क पर नियंत्रण है और वे खुद को कानून के शासन का उल्लंघन करने की स्थिति में रखते हैं, अदालत के आदेशों का पालन करने में असफल होते हैं और हमारे अधिकारियों को धमकी देते हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, एक्स कॉर्प को ब्राजील में कुछ लोकप्रिय खातों को ब्लॉक करने के लिए अदालत के फैसले के कारण मजबूर किया गया था और उसे आदेश या किस न्यायाधीश ने इसे जारी किया था, इसका विवरण देने से रोक दिया गया था। इसमें कहा गया है कि अनुपालन में विफल रहने पर एक्स को दैनिक जुर्माना लगाने की धमकी दी गई थी। मस्क ने कहा कि अवरुद्ध करने का आदेश असंवैधानिक है। उन्होंने पोस्ट किया, ब्राजील के लोग, उनकी राजनीतिक मान्यताओं की परवाह किए बिना, अपने स्वयं के अधिकारियों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, उचित प्रक्रिया और पारदर्शिता के हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट के एक प्रवक्ता ने कहा कि अदालत ने फिलहाल इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

मोरेस, जो पूर्व धुर दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा कथित तख्तापलट के प्रयास की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं, ब्राजील में ऑनलाइन गलत सूचना से निपटने में सबसे सक्रिय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों में से एक हैं। पिछले साल, मोरेस ने सोशल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम और अल्फाबेट के गूगल के अधिकारियों की भी जांच का आदेश दिया था, जो प्रस्तावित इंटरनेट विनियमन बिल की आलोचना करने वाले अभियान के प्रभारी थे।

अडानी ने सौर ऊर्जा के लिए वेफर्स, सिल्लियों का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया

अहमदाबाद। अदाणी समूह ने गुजरात में अपने कारखाने में सौर ऊर्जा सेल और मॉड्यूल बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले वेफर और सिल्लियों का व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है और 2027/28 में पॉलीसिलिकॉन बनाने का लक्ष्य रखते हुए भारत का पहला एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा खिलाड़ी बनना है, कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा।

अरबपति गौतम अडानी द्वारा नियंत्रित अदानी समूह का लक्ष्य 2030 तक 45 गीगावाट (जीडब्ल्यू) नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न करना है, जिसमें से दो-तिहाई का उत्पादन पाकिस्तान की सीमा से लगे गुजरात में 18.01 बिलियन डॉलर के खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क में किया जाएगा। नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के 2070 तक भारत को शुद्ध कार्बन शून्य देश बनाने के लक्ष्य के केंद्र में है। एएनआईएल न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) के निदेशक विनीत एस जैन ने कहा, 'हम भारत में पहली कंपनी हैं जिसने 2 गीगावाट की इंगोट और वेफर्स फैक्ट्री स्थापित की है और हमने उत्पादन शुरू कर दिया है।' अदानी

वर्तमान में सिल्लियां बनाने के लिए पॉलीसिलिकॉन का आयात करता है जिन्हें वेफर नामक पतली शीट में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग सौर ऊर्जा सेल बनाने के लिए किया जाता है। चीन विश्व स्तर पर सौर वेफर और सिल्लियों का प्रमुख उत्पादक है। जैन ने कहा कि अदानी गुजरात के बंदरगाह शहर मुंद्रा में एक नवीकरणीय विनिर्माण केंद्र बना रहा है और अपनी सौर सेल और पवन टरबाइन बनाने की क्षमता का विस्तार करने के लिए 300 अरब रुपये (3.60 अरब डॉलर) से अधिक का निवेश करेगा।

जैन ने कहा, यह 4-गीगावॉट सौर सेल और मॉड्यूल का उत्पादन कर रहा है जो ज्यादातर अमेरिका को निर्यात किए जाते हैं, उन्होंने कहा कि योजना क्षमता को 10 गीगावॉट तक बढ़ाने की है। उन्होंने कहा, एएनआईएल 1.5 गीगावॉट पवन टर्बाइन का उत्पादन करता है और मार्च तक उत्पादन को 2.5 गीगावॉट और मार्च 2027 तक 5 गीगावॉट तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। समूह की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का प्रबंधन अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा किया जाता है, जो वर्तमान में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से 11 गीगावॉट हरित ऊर्जा का उत्पादन करता है।

इसमें से 2 गीगावॉट का उत्पादन 1.5 ट्रिलियन रुपये की 30-गीगावॉट खावड़ा परियोजना द्वारा किया जाता है। पूरा होने पर यह दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क होगा और 2030 तक 26 गीगावॉट सौर ऊर्जा और 4 गीगावॉट पवन ऊर्जा का उत्पादन करेगा

इसमें से 2 गीगावॉट का उत्पादन 1.5 ट्रिलियन रुपये की 30-गीगावॉट खावड़ा परियोजना द्वारा किया जाता है। पूरा होने पर यह दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क होगा और 2030 तक 26 गीगावॉट सौर ऊर्जा और 4 गीगावॉट पवन ऊर्जा का उत्पादन करेगा। खावड़ा परियोजना का बिजली उत्पादन मार्च 2025 के अंत तक 6 गीगावॉट तक बढ़ाया जाएगा। जैन, जो एजीईएल के प्रबंध निदेशक भी हैं, ने कहा, इसके बाद हर साल हमारी लगभग 5GW क्षमता स्थापित करने की योजना है।

भारत को 2030 तक ईवी अपनाने के लिए कम से कम 1 मिलियन फास्ट चार्जर की जरूरत है : अमिताभ कांत

नई दिल्ली। जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत को 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाने के लिए कम से कम दस लाख फास्ट चार्जर की जरूरत है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि आयात करने के बजाय, देश को बसों और वाणिज्यिक वाहनों के लिए मेगावाट-घंटे चार्जिंग के साथ विनिर्माण में स्थानीयकरण सामग्री को आगे बढ़ाने की जरूरत है। कांत ने लिखा, 'सभी ईवी खिलाड़ियों और स्टार्टअप को तकनीकी साइलो बनाने के बजाय एक इंटरऑपरेबल फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। यह भारत में ईवी आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है।' काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, भारत की ईवी बिक्री 2023 में लगभग दोगुनी हो गई और इस साल 66 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है, जो बढ़ती उपभोक्ता रुचि, सरकारी पहल और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित है। एथर एनर्जी के सामुदायिक दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए, कांत ने कहा कि भारत पहले से ही दुनिया में दोपहिया वाहनों का सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने कहा कि भारत में भविष्य इलेक्ट्रिक है, जिसमें ईवी अपनाने में भारी वृद्धि देखी गई है और घरेलू कंपनियों को अब वैश्विक बाजार के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। कार्यक्रम में, नीति आयोग के पूर्व सीईओ ने यह भी उल्लेख किया कि भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्रों का परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इसके सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत, विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में 35 प्रतिशत और कुल निर्यात में 8 प्रतिशत का योगदान देता है।

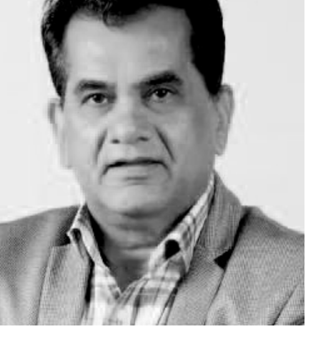

अप्रैल में बैंक अवकाश, अगले सप्ताह 5 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। बैंक ग्राहक अगले सप्ताह अपने बैंकों में सप्ताहांत सहित पाँच छुट्टियों के साथ एक लंबे सप्ताह के गैर-कार्य दिवसों की प्रतीक्षा कर सकते हैं। वास्तव में, कुछ राज्यों में छुट्टियाँ अगले सप्ताह तक भी बढ़ जाती हैं, जिसमें सोमवार और मंगलवार को भी छुट्टियाँ होती हैं।भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सभी राष्ट्रीय बैंकों में अगले सप्ताह 9 अप्रैल को गुड़ी पड़वा, उगादि और तेलुगु नव वर्ष, 10 अप्रैल को बोहाग बिहू और ईद, 11 अप्रैल को ईद के लिए लगातार पांच छुट्टियां हैं। , 13 अप्रैल को दूसरा शनिवार और 14 अप्रैल को रविवार। इसके अलावा, कुछ राज्यों में, 15 और 16 अप्रैल को क्रमशः बोहाग बिहू (कुछ राज्यों में) और राम नवमी के लिए बैंक अवकाश भी हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे भ्रम और असुविधा से बचने के लिए स्थानीय और राज्य अवकाश छुट्टियों की पुष्टि करने के लिए अपनी निकटतम बैंक शाखाओं से जांच करें।कुल मिलाकर, भारत में बैंक अप्रैल 2024 में 12 दिनों के लिए बंद रहेंगे। यह सार्वजनिक छुट्टियों, क्षेत्रीय छुट्टियों, शनिवार और रविवार जैसे कारणों से भारतीय रिजर्व बैंक के कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक राज्य में अलग-अलग होगा।छुट्टियों का कैलेंडर आरबीआई और संबंधित राज्य सरकारों द्वारा तय किया जाता है। बैंकों की क्षेत्रीय छुट्टियां अलग-अलग राज्यों के स्थानीय रीति-रिवाजों के आधार पर अलग-अलग होती हैं।अप्रैल 2024 में अन्य बैंक छुट्टियों की पूरी सूची नीचे दी गई है

9 अप्रैल को बैंक अवकाशः महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मणिपुर, गोवा, जम्मू और श्रीनगर में बैंक गुड़ी पड़वा/उगादी महोत्सव/तेलुगु नव वर्ष दिवस/साजिबू नोंगमापानबा (चेइराओबा)/प्रथम नवरात्र के लिए बंद रहेंगे।

10 अप्रैल को बैंक अवकाशः बोहाग बिहू/चेइराओबा/बैसाखी/बीजू त्योहारों के कारण त्रिपुरा, असम, मणिपुर, जम्मू और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।

15 अप्रैल को बैंक अवकाशः इस दिन, बोहाग बिहू और हिमाचल दिवस के कारण बैंक असम और हिमाचल प्रदेश में ग्राहकों के लिए ऑफ़लाइन परिचालन निलंबित कर देंगे।

16 अप्रैल को बैंक अवकाशः राम नवमी के अवसर पर गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे।

20 अप्रैल को बैंक अवकाशः गरिया पूजा उत्सव के लिए त्रिपुरा में बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी।

नियमित बैंक बंद

दूसरे शनिवारः 13 अप्रैल को बैंक बंद रहेंगे

चौथे शनिवारः 27 अप्रैल को बैंक बंद रहेंगे

रविवार को बैंक अवकाशः 7, 14, 21 और 28 अप्रैल

ग्राहक ऑनलाइन बैंकिंग सुविधाओं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं

विशेष रूप से, राष्ट्रीय या राज्य अवकाश की परवाह किए बिना, ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं हमेशा की तरह जारी रहती हैं और ग्राहक जरूरी लेनदेन के लिए अपने बैंकों की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या एटीएम तक पहुंच सकते हैं। हालाँकि, यदि किसी कार्य में बैंक कर्मचारियों की सहायता की आवश्यकता हो, तो यह महत्वपूर्ण हो जाता है ।

शेयर बाजार वैश्विक घटनाओं, मैक्रो डेटा, टीसीएस परिणामों पर नज़र रखेंगे- विश्लेषक

नई दिल्ली। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक रुझान, व्यापक आर्थिक डेटा घोषणाएं और कमाई के मौसम की शुरुआत छुट्टियों वाले सप्ताह में इक्विटी बाजारों के लिए प्रमुख चालक होंगे।ईद-उल-फितर के मौके पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे।विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि, रुपये-डॉलर के रुझान और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के रुझान को दिशा देंगी।÷भारतीय कंपनियां इस सप्ताह एक नए कॉर्पोरेट आय त्तन्न सीज़न में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। इस समूह का नेतृत्व करने वाली आईटी सेवा दिग्गज टीसीएस है, जो मार्च 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए कमाई सीज़न शुरू करने के लिए तैयार है।÷वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे 12 अप्रैल, 2024 को बाजार के कारोबारी घंटों के बाद

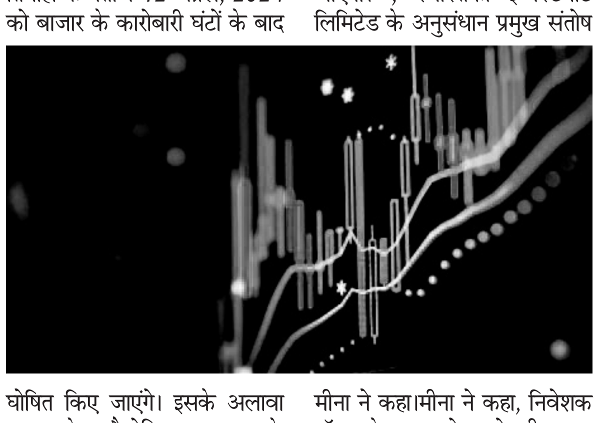

घोषित किए जाएंगे। इसके अलावा भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी 12 अप्रैल 2024 को घोषित किए जाएंगे। उसी दिन, मार्च के लिए मुद्रास्फीति की घोषणा की जाएगी। , स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख संतोष मीना ने कहा।मीना ने कहा, निवेशक डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश गतिविधियों पर करीब से नजर रखेंगे।पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क 596.87 या 0.81 फीसदी चढ़ गया. 4 अप्रैल को यह 74,501.73 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।अरविंदर सिंह ने कहा, ÷बाजार का दृष्टिकोण प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों, भारत के सीपीआई डेटा और आईआईपी, अमेरिकी उपभोक्ता मुद्रास्फीति, अमेरिकी व्यापार आशावाद सूचकांक, अमेरिकी प्रारंभिक बेरोजगार दावे और ईसीबी (यूरोपीय सेंट्रल बैंक) ब्याज दर निर्णय द्वारा निर्देशित होगा।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदा ने कहा।रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एसवीपी - तकनीकी अनुसंधान, अजीत मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह कमाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है और शुरुआत में आईटी प्रमुखों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।÷इस सप्ताह, ध्यान चौथी तिमाही के आय सत्र पर केंद्रित हो जाएगा क्योंकि टीसीएस 12 अप्रैल को अपने नतीजे घोषित करेगी। साथ ही, बाजार भारत और अमेरिका के मुद्रास्फीति आंकड़ों और ईसीबी नीति बैठक जैसी वैश्विक घटनाओं से संकेत लेगा। कुल मिलाकर हमें उम्मीद है कि बाजार मजबूत होगा स्टॉक-विशिष्ट कार्रवाई के साथ व्यापक रेंज में, ÷मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा।

भारत, अमेरिका में चुनावों को निशाना बनाने के लिए चीन एआई का कर सकता है दुरुपयोग : माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका जैसे देशों में चुनावों के दौरान अपने भू-राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने के लिए जनता की राय को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-जनित सामग्री को तैनात कर सकता है।भारत में 543 लोकसभा सीटों के लिए मतदान 19 अप्रैल से 4 जून के बीच सात चरणों में होगा।

दक्षिण कोरिया में 10 अप्रैल को आम चुनाव होंगे, जबकि अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होंगे।माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट एनालिसिस सेंटर ने कहा, इस साल दुनिया भर में, विशेष रूप से भारत, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले प्रमुख चुनावों के साथ, हमारा आकलन है कि चीन, कम से कम, अपने हितों को लाभ पहुंचाने के लिए एआई-जनित सामग्री का निर्माण और विस्तार करेगा। महाप्रबंधक क्लिंट वाट्स ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाली ऐसी सामग्री की संभावना कम होने के बावजूद, मीम्स, वीडियो और ऑडियो को बढ़ाने में चीन का बढ़ता प्रयोग संभवतः जारी रहेगा - और भविष्य में और अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, उन्होंने कहा। उन्होंने लिखा, चीन उत्तर कोरिया के साथ मिलकर ऐसा करेगा।ये माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट एनालिसिस सेंटर (एमटीएसी) द्वारा बुधवार को प्रकाशित नवीनतम पूर्वी एशिया रिपोर्ट में माइक्रोसॉफ्ट खतरे की खुफिया अंतर्दृष्टि में से एक हैं। चीन मतदाताओं को विभाजित करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया खातों का उपयोग कर रहा है ताकि उनमें विभाजन पैदा किया जा सके और संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को अपने पक्ष में प्रभावित किया जा सके।

डच चीन के निर्यात पर अमेरिकी मांगों का अनुपालन करने के लिए तैयार

एम्स्टर्डम। अमेरिका की मांग है कि चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एएसएमएल, चीनी ग्राहकों को बेचे गए कुछ उपकरणों की सर्विसिंग बंद कर दे, जो डच सरकार के लिए एक राजनयिक और व्यावसायिक सिरदर्द है, लेकिन संकेत हैं कि वह निर्यात प्रतिबंधों पर वाशिंगटन के साथ जुड़ना जारी रखेगा।हालाँकि प्रधान मंत्री मार्क रुटे की सरकार एक व्यापक निर्णय लेने के लिए अनिच्छुक है, लेकिन उसके सार्वजनिक बयानों और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से पता चलता है कि वह भविष्य में चीनी रखरखाव अनुरोधों को मंजूरी देने में धीमी होगी और उन्हें तुरंत अस्वीकार कर देगी।

यह चीन के अपने घरेलू चिप उद्योग को विकसित करने के प्रयासों के लिए एक झटका होगा, क्योंकि एएसएमएल गियर को बदलना लगभग असंभव है और अगर रखरखाव नहीं किया गया तो समय के साथ यह खराब हो जाएगा।लेकिन यह रूटे की सरकार द्वारा नीदरलैंड की सबसे बड़ी कंपनी एएसएमएल होल्डिंग्स एनवी को विदेश में परिचालन करने से रोकने के प्रयासों को भी जटिल बना सकता है।एक उभरता हुआ कारक डच सुरक्षा प्राथमिकताएं हैं, विशेष रूप से रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन के लिए समर्थन।

मारुति सुजुकी का वित्त वर्ष 2025 में 3 लाख निर्यात, 2030 तक 8 लाख निर्यात का लक्ष्यः सीईओ राहुल भारती

नई दिल्ली। रिकॉर्ड निर्यात द्वारा चिह्नित एक सफल वित्तीय वर्ष के बाद, मारुति सुजुकी इंडिया ने FY25 के लिए विदेशी शिपमेंट में 300,000 इकाइयों को पार करने का विश्वास व्यक्त किया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा किया कि यह उपलब्धि 2030 तक 800,000 इकाइयों तक का लक्ष्य रखने वाली रणनीतिक स्केलिंग प्रक्रिया का हिस्सा है।

इस प्रक्षेप पथ के अनुरूप, मारुति सुजुकी अपने विशाल निर्यात बाजारों में अतिरिक्त मॉडल पेश करने का इरादा रखती है, जिसमें 100 से अधिक देश शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी भारत में अपनाई गई सफल प्रथाओं को लागू करके अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की योजना बना रही है। इन पहलों में डीलरशिप पर बैंक वित्त की सुविधा, सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और निर्यात स्थलों पर भागों की उपलब्धता सुनिश्चित करना शामिल है।

लगभग तीन साल पहले तक हमारा निर्यात प्रति वर्ष 1 से 1.2 लाख कारों की सीमा में था। एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण और एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा के रूप में, हमने उन स्तरों से भारी वृद्धि करने का फैसला किया और 2022-23 में हम लगभग पहुंच गए 2.59 लाख इकाइयों का निर्यात और 2023-24 में हमने 2.83 लाख पूरा किया, मारुति सुजुकी इंडिया के कॉर्पोरेट मामलों के कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने बताया।उन्होंने आगे कहा, 'इसका दिलचस्प हिस्सा यह है कि इसने उद्योग की प्रवृत्ति को उलट दिया। जबकि बाकी कार उद्योग का निर्यात वास्तव में 3 प्रतिशत कम हो गया, मारुति सुजुकी लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़कर 2.83 लाख यूनिट

तक पहुंचने में सक्षम रही।' इस वर्ष भारत से निर्यात होने वाली कुल कारों में से 42 प्रतिशत मारुति सुजुकी की हैं।' भारती ने कहा कि कंपनी की रणनीति भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की दृष्टि के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य 'विकसित भारत' की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, हम न केवल मौजूदा मॉडलों के साथ ऐसा कर रहे हैं। यहां तक कि ईवी के लिए भी, जिसका उत्पादन वित्त वर्ष 2025 में शुरू होगा, हम निर्यात शुरू करेंगे और इसे जापान और यूरोप जैसे उन्नत बाजारों में निर्यात करेंगे।निर्यात की आगे की राह पर उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि हम इसमें लगातार सुधार करते रहेंगे और 2030 तक हमारा कुल निर्यात 7.5 लाख से 8 लाख यूनिट का लक्ष्य है।यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी वित्त वर्ष 2015 में निर्यात में 3 लाख यूनिट का आंकड़ा पार कर सकती है, भारती ने कहा, हां निश्चित रूप से। किसी बड़े आश्चर्य को छोड़कर यह संभव है। निर्यात बढ़ाने के लिए कंपनी की रणनीति को साझा करते हुए, भारती ने कहा, अभी हमारे पास सभी 100 बाजारों में सभी मॉडल नहीं हैं। इसलिए, निर्यात बढ़ाने का तरीका दुनिया के अधिक देशों में अधिक मॉडल लॉन्च करना है और साथ ही अधिक मॉडल लॉन्च करना है। वितरण नेटवर्क।

गुणात्मक पक्ष पर, उन्होंने कहा, हम जो कर रहे हैं वह भारत से इन निर्यात बाजारों में कई सर्वोत्तम प्रथाओं को ले जा रहा है।उन्होंने डीलरशिप पर बैंक वित्त की सुविधा, बिक्री के बाद की सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों का विश्वास पैदा करना, भागों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना और एक प्रभावी ग्राहक शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना जैसे तरीकों का वर्णन किया, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक खरीदारों को आकर्षित करना है।उन्होंने कहा, इसलिए ये सभी सर्वोत्तम प्रथाएं ग्राहकों को अधिक आत्मविश्वास देने में मदद करती हैं और यह निर्यात की संख्या में प्रतिबिंबित होती हैं।

दिल्ली में 100 रुपये से भी कम में मिल जाती हैं ये 5 चीजें, जायका ऐसा कि हर कोई है इनका दीवाना

खाने-पीने का शौक भला किसे नहीं होता है। बजट में कुछ खाना हो तो अक्सर लोग स्ट्रीट फूड्स का सहारा लेते हैं। आज भले ही महंगाई बढ़ गई है लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जो आज भी दिल्ली में 100 रुपये से कम में खाने के लिए मिल जाती हैं। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं ऐसे ही 5 स्ट्रीट फूड्स।

खानपान के शौक में दिल्ली वाले किसी से कम नहीं हैं। सुबह के ब्रेकफास्ट से लेकर रात के डिनर तक के लिए यहां गली-गली में ढेरों ऑप्शन्स मौजूद हैं। ऐसे में सोने पर सुहागा तब हो जाता है, जब यह बजट फ्रेंडली भी हों। आइए आज आपको इस आर्टिकल में बताते हैं, ऐसी 5 चीजों के बारे में जो देश की राजधानी में आज भी 100 रुपये से कम में आसानी से मिल जाती हैं।

छोले भठूरे

छोले भठूरे ऐसी डिश है, जो आज दिल्ली की सड़कों पर सुबह से लेकर रात तक बिकते हैं। बात चाहे ब्रेकफास्ट की हो या फिर डिनर की, छोले भठूरे खाना कई लोग पसंद करते हैं। दिल्ली के हर नुक्कड़ या चौराहे पर आपको इसके आउटलेट्स दिख जाएंगे, जहां ये 100 रुपये से भी कम में आसानी से मिल जाते हैं।

आलू टिक्की

बच्चे हों या बड़े, कुरकुरी मसालेदार आलू टिक्की खाना सभी पसंद करते हैं। देश की राजधानी में यह भी आपको 100 रुपये से कम की कीमत पर कई जगहों पर मिल जाएगी। इसे बनाने के लिए मैश किए आलू को एक बड़े तवे पर डीप फ्राई किया जाता है, और इसे दही, कुछ वेजीज और खट्टी-मीठी चटनी के साथ सर्व किया जाता है।

छोले कुलचे

दिल्ली की गलियों में आपको 100 रुपये के अंदर छोले कुलचे का जायका भी चखने के लिए मिल जाएगा। उबले हुए मटर, बारीक कटे प्याज-टमाटर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती के साथ इन्हें तैयार किया जाता है। अपने टेस्ट के मुताबिक आप इसमें मसाले कम या ज्यादा करवा सकते हैं।

ब्रेड पकोड़ा

बजट में पेट भरने से लेकर सुबह के नाश्ते या शाम को लगने वाली हल्की फुल्की भूख को मिटाने के लिए आप ब्रेड पकोड़े भी ट्राई कर सकते हैं। दिल्ली में ढेरों जगहों पर ये भी आपको 40 से 50 रुपये में मिल जाएंगे। बच्चों से लेकर बड़े सभी इन्हें खाना पसंद करते हैं। बेसन में तैयार किए गए इन क्रिस्पी पकोड़ों के भी कई लोग दीवाने हैं।

समोसा

यह ऐसा स्ट्रीट फूड है, जो आपको हर गली-चौराहे पर मिल जाएगा। मसालेदार आलू की पिट्ठी से तैयार किए गए ये समोसे चटनी के साथ बेहद टेस्टी लगते हैं। जब भी मेहमान घर आते हैं, तो सबसे पहले लोगों के दिमाग में स्नैक्स के लिए इन्हीं का नाम सामने आता है। 100 रुपये के समोसे में तो कई लोगों की क्रेविंग मिट सकती है।

वेंटिलेटर पर है भारतीय लोकतंत्र

अब समय आ गया है कि संयुक्त विपक्ष एक संयुक्त घोषणापत्र प्रकाशित करे जिसमें वे पीएमएलए, यूएपीए, मकोका जैसे घातक कानूनों और ऐसे अन्य कठोर अधिनियमों को निरस्त करने का वादा करें जिनका उपयोग सत्ता में बैठी एक दुर्भावनापूर्ण कार्यपालिका द्वारा विरोधियों के खिलाफ उत्पीड़न के हथियार के रूप में किया जाता है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी आबकारी शराब नीति के लिए गिरफ्तार किया है। ईडी को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी का अंग माना जाता है। ईडी का दावा है कि यह शराब नीति कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार की गई थी। जिन कुछ लोगों को इसका फायदा हुआ उन्होंने केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी को रिश्वत के रूप में सौ करोड़ रुपये दिए जिनका उसने गोवा में चुनाव लड़ने के लिए इस्तेमाल किया। इस प्रकार अपराध (रिश्वत) की आय को चुनावी उद्देश्यों के लिए वैध बनाया गया था जो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) यानी मनी लांड्रिंग का प्रकरण बनता है।

केजरीवाल को 22 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और न्यायपालिका के अलग आदेश आने तक 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेजा गया। गिरफ्तारी को सही ठहराने वाले सबूत कहते हैं कि केजरीवाल ने रिश्वत ली थी। मुकदमा अभी शुरू नहीं हुआ है और सबूत यह है कि कुछ संभावित सरकारी गवाह हैं। आरोपपत्र भी अभी तैयार नहीं हुआ है और यह कि ईडी कार्यालय द्वारा नौ समन जारी किए जाने के बावजूद केजरीवाल द्वारा पूछताछ के लिए कार्यालय जाने से इनकार करना इस बात का संकेत है कि वे इस अपराध में शामिल हैं। इसी कारण से उनकी गिरफ्तारी की गई है। यह सब लोकसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर हो रहा है जो नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरा कार्यकाल दे सकता है। सवाल यह है कि यह प्रकरण क्या दर्शाता है?क्या अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी तौर पर जायज थी? यहां तक कि अगर आप इस आधार से शुरू करते हैं कि सभी राजनेता बेईमान हैं, तो भी इसका एक ही जोरदार जवाब है- नहीं। सत्तारुढ़ हर राजनीतिक दल का काम राजकोषीय नीतियों को कानून बनाना है। सिर्फ इसलिए कि इस तरह की नीति जनता के एक वर्ग को लाभ पहुंचाती है या लाभ प्रदान करती है, यह अपने आप में एक विधेय अपराधिक कृत्य की उत्पत्ति नहीं हो सकती है जिससे मिली आय पीएमएलए के दायरे में आती है। अब तक सामने आए सबूत कमजोर, संदिग्ध और संभवत- विशिष्ट उद्देश्य से प्रेरित हैं। शराब नीति के %लाभार्थियों% से आप के खजाने तक धन की आवाजाही को साबित करने के कोई ठोस सबूत नहीं है। यह न्यायपालिका पर निर्भर करता है कि वह

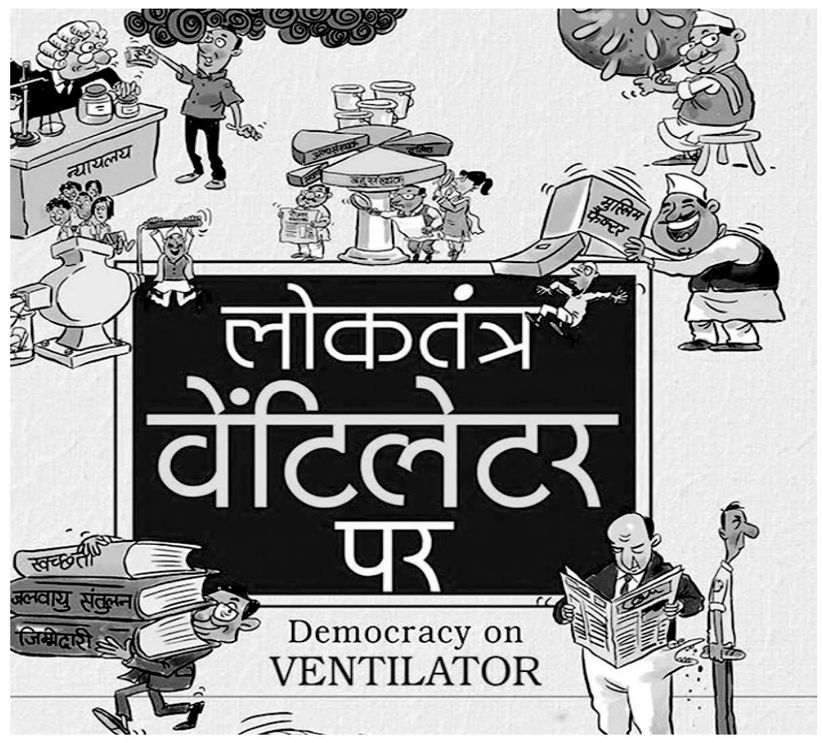

मामलों को ठीक करे और केजरीवाल को जल्द से जल्द जमानत पर रिहा करने का आदेश दे।

अफसोस की बात है कि कुल मिलाकर भारत में जमानत न्यायशास्त्र निराशाजनक है जो राज्य और अभियोजन पक्ष के पक्ष में है। यह जानते हुए भी कि वास्तविक मुकदमे में असाधारण रूप से देरी हो सकती है जिससे अभियुक्त को अपनी बेगुनाही साबित करने का अवसर नहीं मिलता है, अदालतें अक्सर अपराध के एक संदिग्ध को दंडित करने के साधन के रूप में जमानत से इनकार करती हैं । महिलाओं को इस संबंध में कुछ हद तक वैधानिक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त हैं लेकिन यह एक और गंभीर चर्चा का विषय है। यह कहने के लिए पर्याप्त अवसर है कि न्यायिक प्रणाली, विशेष रूप से निचली अदालतें आरोपी के साथ उदार नजर नहीं आती हैं।

एक अधिक प्रभावशाली शिकायतकर्ता अपने से कम प्रभावशाली विरोधी के नुकसान के लिए मामले में हेरफेर कर सकता है। मोदी बनाम केजरीवाल मुकाबले में परिणाम पहले से तय मालूम होता है। केवल जमानत न देकर केजरीवाल को चुनावी मैदान से बाहर रखा जा सकता है।जब किसी राष्ट्रीय पार्टी के नेता को दौड़ से बाहर रखा जाता है तो ऐसे में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों का क्या होगा? लोकतंत्र वेंटिलेटर के लिए रोता है। इस जीवन निर्वाह उपकरण का प्रभारी कौन है? फिलहाल तो मोदी हैं और जब तक कि निम्नलिखित दोनों परिस्थितियां न बनती हों और वे मोदी के हाथ को स्विच से दूर करने का प्रयास न करें। पहला, ममता बनर्जी और वामपंथियों समेत पूरे विपक्ष को अपने महत्वहीन मतभेदों को भुलाकर भाजपा के खिलाफ संयुक्त चुनावी जंग लड़नी होगी। एक भी लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला नहीं होना चाहिए।भाजपा के पास देश के 36 प्रतिशत वोट हैं। शेष 64 फीसदी वोट यदि निराश नहीं हैं तो भी निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल पर मोहित नहीं हैं। मोदी इस बात को जानते हैं। दूसरी, और शायद अधिक महत्वपूर्ण बात है कि न्यायपालिका, विशेष रूप से सर्वोच्च न्यायालय को मजबूती के साथ स्वतंत्र रहना चाहिए। अगर निष्पक्ष चुनाव के हित में हो तो केजरीवाल को समय पर जमानत मिलनी चाहिए। यहां तक कि अगर अदालत केजरीवाल को जमानत देने की इच्छुक हो तो वह उनसे वचन भी ले सकती है कि चुनाव के बाद वे एक बार फिर खुद ईडी के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे। लोकतंत्र के हित में ऐसा हो सकता हो, तो ऐसा ही सही। चुनावी मैदान से एक राष्ट्रीय पार्टी को बाहर रखने की कोशिश में लोकतंत्र की मौत की घंटी बज गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को केवल इसलिए रद्द कर दिया क्योंकि उसे लगा कि सार्वजनिक महत्व के मामलों में गोपनीयता लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह एक गंभीर स्थिति है। प्रधानमंत्री पद के तीसरे कार्यकाल के आकांक्षी ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को जेल में बंद कर दिया। इसके बावजूद उसकी आकांक्षाओं की एक वैध चुनौती को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जा सकता है।यह वैश्विक चिंता का विषय है कि भारत में लोकतंत्र बना रहे। हम ऐसे भावी लोकतंत्रों से घिरे हैं जो युवा और महत्वाकांक्षी हैं जहां रूस और चीन एक होने का दिखावा भी नहीं करते हैं। हमारे नागरिकों को अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने के निरंकुश विकल्प से वंचित करके उनसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता छीन लें तो समझिये कि लोकतंत्र मर चुका है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि (%यदि% शब्द ज्यादा उचित है) केजरीवाल को कब रिहा किया जाता है और वे भाजपा की जीत को खतरे में डालने के लिए अपेक्षित समर्थन हासिल नहीं करते हैं। उनकी रिहाई से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि तब भाजपा निष्पक्ष और लोकतांत्रिक तरीके से जीत जाती। लेकिन केजरीवाल की उपस्थिति के बिना होने वाला चुनाव एक ऐसा चुनाव होगा जो कभी हुआ ही नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए फ्रांसीसी दार्शनिक वोल्टेयर ने कहा है- %मैं आपके विचारों से सहमत नहीं हो सकता हूं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपनी आखिरी सांस तक करूंगा।% अपने प्रवक्ता के जरिए जर्मनी ने केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं लेकिन भारत ने उसे अपने काम से काम रखने को कहा है। %भारतीय मामलों में जर्मनी के हस्तक्षेप% के बावजूद यह भारत के मजबूत लोकतांत्रिक होने के महत्व का संकेत है। यह सभ्य दुनिया के लिए मायने रखता है।अब समय आ गया है कि संयुक्त विपक्ष एक संयुक्त घोषणापत्र प्रकाशित करे जिसमें वे पीएमएलए, यूएपीए, मकोका जैसे घातक कानूनों और ऐसे अन्य कठोर अधिनियमों को निरस्त करने का वादा करें जिनका उपयोग सत्ता में बैठी एक दुर्भावनापूर्ण कार्यपालिका द्वारा विरोधियों के खिलाफ उत्पीड़न के हथियार के रूप में किया जाता है। इसके अतिरिक्त संयुक्त विपक्ष को हमारी न्यायिक मशीनरी को पूरी तरह से स्वतंत्र बनाने और ऊर्जा प्रदान करने की शपथ लेनी चाहिए। इस मुकाबले को न्यायपालिका बनाम %मोदी की अदालत% तक सीमित न किया जाए। आम धारणा यह है कि भाजपा अजेय है और उसकी जीत की घोषणा औपचारिक रूप से की जानी चाहिए। फिर अरविंद केजरीवाल को चुनाव लड़ने से रोककर और सलाखों के पीछे रखकर मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की गरिमा को क्यों धूमिल कर रहे हैं? प्रिय प्रधानमंत्री जी, लोकतांत्रिक ढंग से प्रदर्शित करें कि आप अपने आप में विश्वास रखते हैं।

संपादकीय

न्यायपत्र का पथ

देश चुनावी रंग में नजर आ रहा है। सभी राजनीतिक दल अपने वायदे-इरादे जाहिर कर रहे हैं। यूं तो कांग्रेस लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के झंडे तले राजग का विकल्प बनाने की तैयारी में जुटी है लेकिन शुक्रवार को उसने कांग्रेस मुख्यालय में सोनिया गांधी, राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आदि की उपस्थिति में अपना घोषणा पत्र जारी किया। यूं तो घोषणापत्र में वे सभी मुद्दे शामिल हैं, जिनके आधार पर वह पिछले पांच सालों में मोदी सरकार को घेरती रही है। लेकिन पार्टी ने इसे न्याय पत्र का नाम दिया और 25 गारंटियों का जिक्र किया। जिसमें एससी,एसटी और ओबीसी के लिये आरक्षण की निर्धारित सीमा संविधान संशोधन के जरिये बढ़ाने की बात कही है। वहीं देश में किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने का वायदा किया गया। पार्टी ने दावा किया है कि जो हिंदुस्तान चाहता है वह कांग्रेस घोषणा पत्र में दिख जाएगा। इसमें शैक्षणिक संस्थानों व नौकरियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दस फीसदी आरक्षण का भी वायदा है। वहीं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में तीस लाख नौकरियों के रिक्त पदों को भरने की बात कही गई। साथ ही राजस्थान की तर्ज पर पूरे देश में पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने की बात कही गई। जैसे कि पहले भी राहुल गांधी कहते रहे हैं- देश में सामाजिक, आर्थिक और जातिगत सर्वे कराने की बात कही गई है।

वहीं हाल में बार-बार सामने आए पेपर लीक मामले में कहा गया है कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन के जरिये कार्रवाई करके पीड़ितों को आर्थिक राहत दी जाएगी। डिजिटल लर्निंग के महत्व को समझते हुए पार्टी ने कक्षा नौ से बारह तक के छात्रों को मोबाइल फोन दिलाने का वायदा किया है। दूसरी ओर 21 साल से कम उम्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को दस हजार रुपये प्रतिमाह की प्रोत्साहन राशि देने की बात कही है।वहीं दूसरी ओर महिलाओं को लुभाने के लिये गरीब परिवार की महिलाओं को एक लाख रुपये हर साल व 2025 से केंद्र सरकार की आधी नौकरियां महिलाओं के लिये आरक्षित करने का वायदा भी है। पार्टी ने मनरेगा के तहत मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने के साथ ही चार सौ रुपये न्यूनतम राष्ट्रीय वेतन की गारंटी भी दी है। कई मुद्दों पर राजग सरकार के दौरान उठे विवाद के चलते कांग्रेस ने वायदा किया है कि पार्टी की सरकार बनी तो भोजन, पहनावे, प्यार, शादी और भारत के किसी भी हिस्से में यात्रा व निवास की व्यक्तिगत पसंद में हस्तक्षेप नहीं करेगी। साथ ही ऐसे कानूनों को रद्द करेगी। पार्टी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की वैकेंसियां तीन साल में भरने, अग्निपथ योजना को खत्म करने और शिक्षा नीति में बदलाव लाने की भी बात कही है। पार्टी ने कहा कि यदि हम सत्ता में आए तो पहली से बारहवीं तक निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ ही पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देंगे। कांग्रेस द्वारा चुनावी घोषणा पत्र जारी करने के बाद राजस्थान की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि भाजपा जो कहती है, वो जरूर करती है, सिर्फ घोषणापत्र ही जारी नहीं करती। हम संकल्प पत्र लेकर आते हैं। वहीं भाजपा प्रवक्ता ने भी कहा कि महिलाओं के लिये जो लुभावनी और अन्य घोषणाएं की गई हैं, क्या उन्हें कांग्रेस शासित राज्यों में लागू किया गया था? बहरहाल, विगत में भी देखा गया है कि पार्टियां आसमान से तारे जमीन पर लाने की बात जरूर अपने घोषणापत्र में कर देती हैं,

भाजपा: वैचारिक विश्व में एक चमकता नक्षत्र

विमर्श या नैरेटिव के नाम पर भारत में एक अघोषित युद्ध चला हुआ है। इन दिनों भारत में चल रहा यह विमर्श शुद्ध राजनैतिक है। राजनीति और कुछ नहीं समाज का एक संक्षिप्त प्रतिबिंब ही है। विमर्श में यह प्रतिबिंब विषय व समयानुसार कुछ छोटा या बड़ा होता रह सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार के राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को यदि हम सामाजिक प्रतिबिंब के रूप में देखें तो हमें वैचारिक प्रतिबंधों, वर्जनाओं और सीमाओं से मुक्ति मिल जाती है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो भाजपा एकमात्र ऐसा भारतीय राजनैतिक दल है जो विदेशी वैचारिक दासता से मुक्त है। भाजपा का विचार वही है जो भारत का चिरंतन विचार रहा है। भाजपा अपने चिर परिचित हिन्दुवशील आग्रहों पर अंगद, अटल है। नवीन व पुरातन का अभिनव संगम हो गई है भाजपा। वस्तुतः आरएसएस ने भाजपा के माध्यम से राजनीति एक विशाल, विराट व मुक्त वैचारिक कैनवास हमें दिया है। हम भारत के राजनैतिक, अराजनैतिक और यहां तक की हम भाजपा के लोग भी भाजपाई राजनीति को सही शब्दों में संपूर्णतः व्यक्त नहीं कर पाते हैं। यह अव्यक्तिकरण इसलिए नहीं है कि भाजपाई नेतृत्व के पास या भाजपा के आलोचकों के पास शब्दों या समझ का अभाव है। यह अव्यक्तिकरण इसलिए है कि भाजपा का सर्वसमावेशन, सर्वस्पर्शन और सर्वव्याप्तिकरण का लक्ष्य समाज में तीव्रता से आ रहे परिवर्तनों के साथ साथ त्वरा भाव से उर्वर, अद्यतन होकर अपडेशन के साथ सदैव व स्वमेव ही हमारे समक्ष प्रस्तुत हो जाता है। तेजी से बदलते समाज में एक तीव्र और तेज वैचारिक अपडेशन को अपनाना यही भाजपा का देश भर में सत्तासीन होने का अंतर्तत्व है। यह तो निर्विवाद रूप से सभी मानते हैं कि पिछले तीन दशकों में विशेषतः पिछले दशक का भारत सौ वर्षों के परिवर्तनों को समेटे हुए है। भाजपा का वैचारिक तंत्र इस तीव्र, तेज, तीक्ष्ण सामाजिक परिवर्तन को सौम्यता से प्रकट करने का सबसे बड़ा भारतीय संस्थागत ढांचा बन गया है। यहां सौम्य शब्द का प्रयोग इसलिए है क्योंकि इस तेज युग के तीव्र सामाजिक परिवर्तनों के समय में सौम्य बने रहना तनिक कठिन और कष्टप्रद होता है किंतु भाजपा की सौम्यता है की जाती ही नहीं। भाजपा को यह सौम्यता संघ से मिलती है। संघ से इस सौम्यता को ग्रहण कर लेने की मशीन है पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का सिद्धांत। एकात्म मानववाद का सिद्धांत भाजपा की रीढ़ है। भाजपा अपनी रीढ़ की रक्षा करना और रीढ़ पर टिके रहना दोनों भलीभांति सीख गई है। यही भाजपा नामक वटवृक्ष का फोटो सिंथेसिस प्रोसेस अर्थात प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया है।

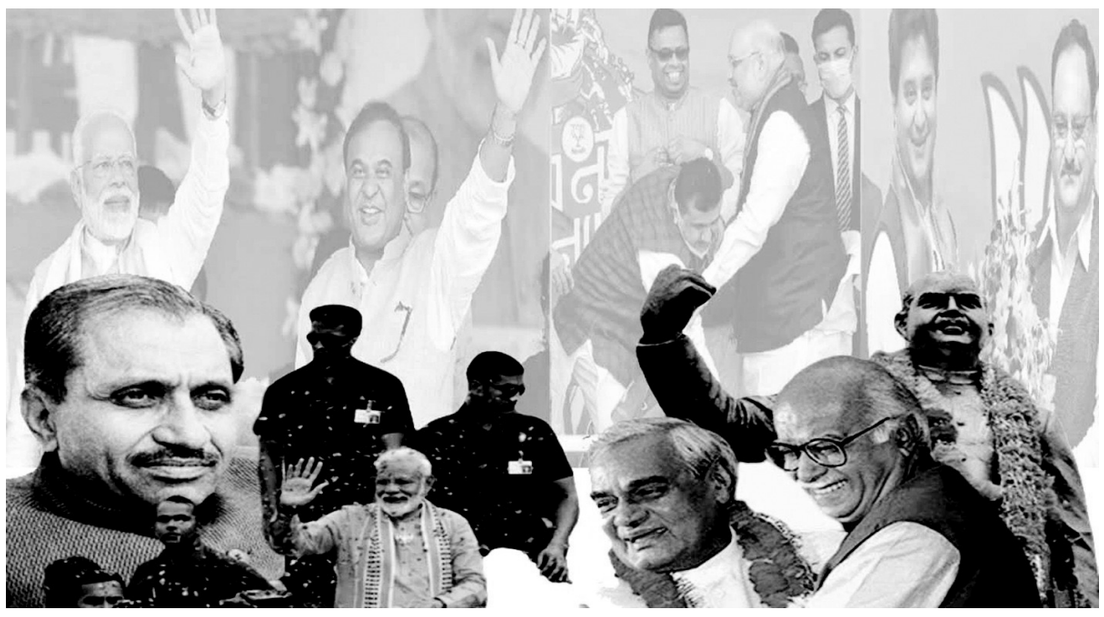

मोटी दृष्टि से देखें तो भारत में राजनीति की चार धाराएं हैं। भाजपा, कांग्रेस, वामपंथ और समाजवाद। भाजपा स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से उपजी एक राजनैतिक धारा है। इसने अपने कोई डमी या छद्म रूप उत्पन्न नहीं किए। शेष तीन राजनैतिक विचार अपने डमी उत्पन्न करके छल करते रहते हैं। जैसे कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस। कांग्रेस, वामपंथ व समाजवाद ने सकारात्मक विमर्श तो कम उपजाए किंतु नकारात्मक विमर्शों में ये लोग मास्टर ऑफ द मास्टर्स हो गए हैं।

भाजपा के बड़े स्तर पर सत्तासीन हो जाने से लोग बहुधा एक बात कहते हैं; अरे, अब यह ÷पार्टी विद डिफ़रेंस÷ नहीं रही। विरोधी दल स्वानंद के लिए यह कह लें किंतु भाजपा आज भी ÷पार्टी विद डिफ़रेंस÷ ही है!! भाजपा में अनेक दलों से करोड़ो कार्यकर्ता आकर सम्मिलित हुए हैं, लाखों पदाधिकारी आए, हजारो सांसद विधायक आये; किंतु क्या भाजपा ने क्या मंदिर को छोड़ा? कश्मीर को छोड़ा? सामान नागरिक संहिता को छोड़ा? तुष्टिकरण के विरुद्ध अभियान को छोड़ा? हिंदुत्व के आग्रह को छोड़ा? आप पिछले एक दो दशक में सभी भारतीय दलों दलों द्वारा विकसित किये गए विमर्शों को जांचे तो पता चलेगा की वैचारिक दृष्टि से शेष दल सुविधाभोगी हो गए हैं किंतु भाजपा ने अपना वैचारिक आग्रह नहीं छोड़ा। भाजपा ने दूसरे दलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद अपने दल में लिए अवश्य किंतु आने वाले व्यक्ति और उनके विचार बदले हैं भाजपा का वैचारिक आग्रह नहीं बदला है।

भाजपा आज भी अपने संघी ध्रुव पर, एकात्म मानववाद पर, अन्त्योदय पर, राममंदिर पर, समान नागरिक संहिता पर और ऐसे अनेक विषयों पर अंगद और अटलभाव से खड़ी हुई है। वहीं दूसरी ओर सत्ता प्राप्ति को बैचेन भाजपा से इतर के दल आजकल अपना वैचारिक आधार बनाना ही नहीं चाहते हैं। वो कभी इस डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठते हैं। वो विचार बदलते हैं, परिवार बदलते हैं, आधार बदलते हैं और नौ सौ चूहे खाकर कभी हज को तो कभी हरिद्वार को जाने का प्रपंच करते हैं। कांग्रेस कम्युनिस्ट होकर कटुक, बिटूक गई है। कम्युनिस्ट लोग इस्लामिस्ट होने का ढोंग रच रहे हैं। साम्यवादी समाजवादी तो पता नहीं क्या क्या प्रपंच कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात सत्तासीन होने के लिए ये लोग भारतीयता को छोड़ने में अव्वल सदा रहते हैं। ÷भारतीयता को छोड़ना÷ इस एक बड़े शब्द का प्रयोग यहां किया है, किंतु आपके समक्ष कांग्रेस जनित आपातकाल और तुष्टिकरण के बाद के कालखंड के कुछ सामाजिक संदर्भ रख रहा हूं, थर्मामीटर लगाकर चैक करें कि इन संदर्भों में भाजपा से इतर वाले राजनैतिक दलों ने कितनी तेजी से सत्ता के लिए अपनी केंचुली बदली है।

जनजातीय को हिंदुओं से अलग बताना, जैन और लिंगायत जैसे कुछ अन्य समुदायों को अलग धर्म या अल्पसंख्यक कराना, शाहबानों प्रकरण में न्यायालय के निर्णय को बदलना, एक देश दो विधान, आर्य अनार्य का वितंडा उपजाना, राममंदिर को संघ भाजपा का कार्यालय बताना, अयोध्या निर्माण में बाधाएं उत्पन्न करना, रामेश्वर रामसेतु के विध्वंस हेतु मशीनों का बेड़ा भेजना, श्रीराम को काल्पनिक बताना, ऐन दीवाली की रात्रि को पूज्य शंकराचार्य की गिरफ्तारी, देश में कोविड वेक्सिन को भाजपा की वेक्सिन कहकर विरोध करना, विदेशों में वेक्सिन डिप्लोमेसी का विरोध करना, नक्सलवाद, खालिस्तान, बोडो, माओइज्म, अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करना, पंडित विहीन कश्मीर, दक्षिण राज्यों में हिंदी विरोध के आधार पर राजनीति, भाषायी विभाजन, भीम मीम गठजोड़, मंडल-कमंडल, पूर्वोत्तर राज्यों में अलगाव, गुरमेहर कौर विवाद, चीन के साथ भारत के विवाद या संघर्ष में चीन की ओर झुकाव बताना जैसे कई कई मुद्दे हैं।

ये और इन जैसे अनेक अन्य मुद्दों पर भारत के तथाकथित बुद्धिजीवी व प्रगतिशील राजनीतिक तत्वों ने सदैव ही राष्ट्र की मूलभावना के विपरीत आचरण प्रस्तुत किया है। भारत की परिवार परम्परा और विवाह परम्परा के विरुद्ध इनके षड़यंत्र आए दिन नए नए रूप में देश के प्रत्येक भाग में उभरते रहते हैं। सीआरपीएफ के 75 सैनिकों के नक्सलियों से संघर्ष करते हुए बलिदान होने पर उत्सव मनाने जैसी घटनाएं ये लोग आए दिन करते रहते हैं। इन सब प्रपंचों को करने के बाद यदि ये विभिन्न राजनैतिक दल जब सत्ताप्राप्ति के लिए एक होने का जब प्रयास करते हैं तो बड़ा हास्य उत्पन्न होता है। सांप-नेवला, कुत्ता-बिल्ली-चूहे की जोड़ी बना ली जाती है और समाज से समर्थन मांगा जाता है। समाज सोचता है किसे देखकर इन्हें समर्थन दें? कुत्ते को देखकर समर्थन दें तो वह बिल्ली को खा जाएगा बिल्ली को दें तो वह चूहे को खा जाएगी चूहे को दें तो वह देश को ही कुतर जाएगा।

फिटनेस का पंच

शरीर को हेल्थी बनाए रखने के लिए तमाम बॉडी पार्ट मिल-जुलकर काम करते हैं। इन्हें हमेशा फिट रखने के लिए जरूरी है इन पर थोड़ा-सा ध्यान। अगर आपके बॉडी पार्ट्स दुरुस्त रहेंगे तो आप भी हेल्थी रहेंगे।

1. ब्रेन लाइफस्टाइल – ब्रेन को हेल्थी रखने के लिए सोने और जागने का सही रूटीन फॉलो करें। हर हाल में 7-8 घंटे जरूर सोएं।

- अपने रूटीन में रीडिंग या रोज एक क्रॉसवर्ड सॉल्व करना और नई स्किल्स जैसे ड्राइविंग, नई भाषा, टाइपिंग सीखने जैसी दिमाग तेज करने वाली ऐक्टिविटीज शामिल करें। इसके लिए आप मोबाइल ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।
- रोजमर्रा का हिसाब-किताब रखने के लिए कैलक्युलेटर की जगह दिमाग का इस्तेमाल करें। कुछ जरूरी मोबाइल नंबर याद रखें।
- सोशली ऐक्टिव रहें और दोस्त बनाएं। अगर किसी सोशल वर्क में हाथ बंटाने का मन करे तो उसमें शामिल हों।
- वजन काबू में रखें।

डायट

- ड्राई फ्रूट्स दिमागी सेहत के लिए अच्छे हैं। सुबह ही 12 से 24 घंटे तक पानी में भीगे हुए 7-8 बादाम और 1-2 अखरोट खाएं।
- दिमाग के लिए जरूरी विटामिन ई से भरपूर डायट लें, जैसे = फलों का जूस, दूध, अंडा, हरी पत्तेदार सब्जियां, आदि।
- रंगबिरंगे फलों में पॉलीफेनॉल होता है, जो दिमाग की सेहत के लिए अच्छा है। इसके लिए काले अंगूर, स्ट्रॉबरी, आड़ू, आलू बुखारा और टमाटर आदि लें।
- जिन चीजों को खाने-पीने से शरीर में पानी की कमी होती है, वे ब्रेन के लिए बुरी हैं, मसलन = ऐल्कोहॉल, कैफीन (कॉफी, चाय, कोला ड्रिंक्स) और ज्यादा नमक। रोज कम से कम 8-10 गिलास (2 लीटर) पानी पिएं।
- 4-5 गाजर रोज खाएं। गाजर में ल्यूटिओलीन होता है, जो बढ़ती उम्र के साथ मेमरी घटने की समस्या को कम करता है।

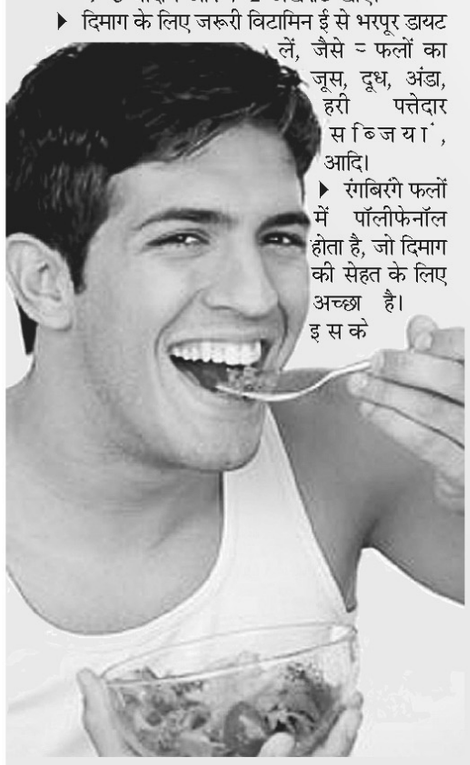

2. आंखें

लाइफस्टाइल

- अगर कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं तो स्क्रीन का टॉप आंख के लेवल से कुछ नीचे रखें।
- कंप्यूटर पर काम करते वक्त हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए 200 मीटर दूर देखें। हर 2 घंटे पर चेयर से उठें और कुछ चहलकदमी करें।
- अल्ट्रावॉयलट रे से होने वाले नुकसान से बचने के लिए धूप में यूवी प्रोटेक्शन वाला चश्मा लगाएं।
- आंखों का रेग्युलर चेकअप जरूर करवाएं।
- अगर कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं तो उसके कवर को 2-3 महीने में बदल दें।

डायट

- ऐंटि-ऑक्सिडेंट्स, विटामिन ई और विटामिन सी से भरपूर चीजें जैसे स्ट्रॉबरी, संतरा, अंगूर, गाजर आदि खाने से आंखें हेल्थी रहती हैं।
- जितना हो सके हरी सब्जियों को खुराक में शामिल करें।
- अंडे के पीले भाग को खाएं। इसमें ट्यूटाइन और जेक्सनथाइन के साथ ही जिंक भी होता है, आंख में मौजूद मैकुला के लिए फायदेमंद है।
- खुबानी (ऐप्रिकॉट) खाएं। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन और लाइकोपेन विजन को सही बनाए रखने में मदद करते हैं।
- विटामिन ई की भरपूर खुराक लें। सुबह ही 12 से 24 घंटे तक पानी में भीगे हुए 7-8 बादाम और 1-2 अखरोट खाएं।

3.हार्ट

लाइफस्टाइल

- पब्लिक ट्रांसपोर्ट (बस, ऑटो, ट्रेन, आदि) अगर घर से 2 किलोमीटर के दायरे में हैं तो पैदल चल कर जाएं।
- सिर्फ वजन ही नहीं, कमर के घेरे को भी कंट्रोल में रखें।
- स्मोकिंग और एल्कोहॉल धीरे-धीरे बंद कर दें।
- एस्केलेटर और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का सहारा लें।
- स्ट्रेस (तनाव) को काबू में रखें । इसके लिए म्यूजिक, मेडिटेशन या टीवी पर आने वाले कॉमेडी शोज की मदद लें।

डायट

- रिफाइंड और पॉम ऑयल से बचें। सरसों, कनोला, मूंगफली, सूरजमुखी और ऑलिव ऑयल हार्ट के लिए अच्छे होते हैं, लेकिन इन्हें बदल-बदल कर लें। रोजाना 3 छोटे चम्मच से ज्यादा ऑयल न लें।
- रोज के खाने में टमाटर (सलाद में) और सेब को जरूर शामिल करें। टमाटर और सेब में मौजूद विटामिन %के% ब्रेन की अंदरूनी ब्लीडिंग को रोकता है।
- मौसमी हरी पत्तेदार सब्जियां लें। इनमें कैलरी कम और फाइबर ज्यादा होता है। इनसे दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।
- बटर (नमकीन और सादा), कोकोआ बटर (चॉकलेट में यूज होने वाला बटर), क्रीम आदि को डायट में कम शामिल करें।
- हार्ट के लिए ओमेगा 3 फैटी एसिड्स से भरपूर बादाम खाएं। 7-8 बादाम 12 से 24 घंटे तक पानी में भिगो कर सुबह लें।

4. लिवर

लाइफस्टाइल

- ज्यादा खाना, मोटापा और पेट के आसपास ज्यादा जमा फैट लिवर की परेशानी को बुलावा देता है।
- रोजमर्रा की जिंदगी में सफाई का ध्यान रखें। साफ पानी पिएं और ताजा व साफ-सुथरा खाना खाएं।
- अनसेफ तरीके की पियर्सिंग (छिद्रवाना) और टैटू बनवाने के अलावा अनसेफ सेक्स भी लिवर की खतरनाक बीमारियों को आप तक पहुंचा सकता है।
- ऐल्कोहॉल लेने से लिवर में सूजन आ सकती है।
- तेजी से वजन घटाने के लिए ली गई गोलियां भी लिवर पर बुरा असर डालती हैं।

डायट

- रोज 2-3 अखरोट 12-24 घंटे तक पानी में भिगो कर सुबह लें। इसमें हाई ग्लूटाथायोन और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स होते हैं। इनसे लिवर की सफाई होने में मदद मिलती है।
- रोज 1-2 कप ग्रीन टी पिएं। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन्स लिवर के लिए फायदेमंद है।
- सुबह खाली पेट एक बड़ा गिलास गुनगुना नींबू पानी पिएं। इससे लिवर तो साफ होगा ही, पाचन भी सुधरेगा।
- खाना बनाने में चुटकी भर हल्दी का इस्तेमाल भी फायदेमंद है। हल्दी लिवर के इन्फेक्शन को ठीक करती है।
- रोज 6-7 लहसुन की कलियां लें यह लीवर को साफ करता है।

5. फेंफड़े

लाइफस्टाइल

- अगर आपको खर्राटे आते हैं तो डॉक्टर को दिखाएं। खर्राटे फेफड़ों को उतना ही नुकसान पहुंचाते हैं जितना स्मोकिंग।
- सिगरेट पीना बिल्कुल बंद कर दें।
- धूल और धुएं से भरे माहौल में जाने से बचें। अगर जाना जरूरी हो तो मुंह और नाक ढंक लें। हो सके तो डस्ट मास्क लगाएं।
- सांस से जुड़ी किसी परेशानी, जैसे पुरानी खांसी, कफ के साथ खून आने को गंभीरता से लें।
- माइनिंग, कंस्ट्रक्शन, बेकरी और टेक्सटाइल जैसे पेशों से जुड़े लोगों को रेग्युलर चेकअप करवाते रहना चाहिए।

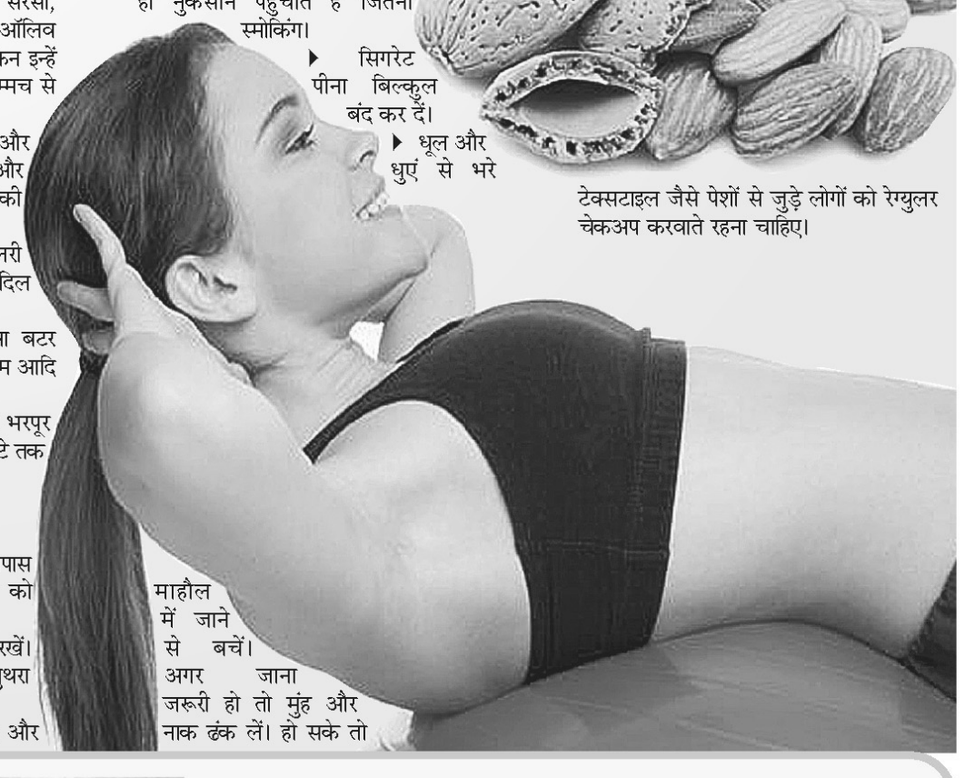

कैसे पाएं गर्मी से राहत?

गर्मी से राहत पाने में कौन-से तरीके कारगर हो सकते हैं? गर्मी के मौसम के हिसाब से अपने शरीर को ढालने के लिए खान-पान, रहन-सहन और कपड़ों पर खास ध्यान देना पड़ता है। कुछ चीजों पर गौर कर आप गर्मी से पार पा सकते हैं...

शरबत पीएं – गर्मी में कुछ ही देर में हमारा गला सूखने लगता है। मन करता है कुछ ऐसा मिल जाए, जिससे गला तर हो जाए। भले ही बाजार में कितनी भी कोल्ड ड्रिंक या सॉफ्ट ड्रिंक आ जाएं, लेकिन शरबत का कोई तोड़ नहीं हो सकता। गर्मियों में खुद को ठंडा रखने के लिए जरूरी है कि शरीर में पानी की कमी न हो। खीरा, तरबूज, खरबूज में काफी मात्र में पानी होता है। इन्हें खाएं।

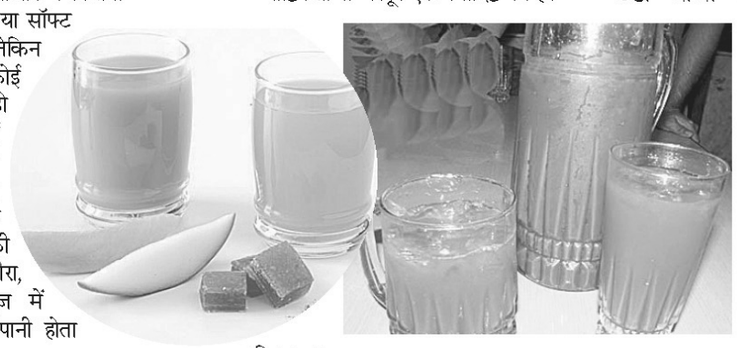

नीबू की शिकंजी – नीबू और चीनी के इस घोल में ग्लूकोज की मात्र खूब होती है। इसे पीने से ताजगी आती है और शरीर में ग्लूकोज की कमी नहीं होती।

आम पना – कच्चा आम, पुदीना, सौंफ, जीरा, हींग और नमक को मिलाकर बनाया हुआ खट्टा पना पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। यह लू में भी असरदार है।

लस्सी – दही से बनने वाली लस्सी पौष्टिकता से भरपूर एक स्वादिष्ट पेय है। जिन लोगों को दही पसंद है, वे गर्मियों में भिन्न-भिन्न प्रकार की लस्सी पी सकते हैं।

फलों का शरबत – गर्मियों में फलों के शरबत का मुकाबला दूसरा पेय नहीं कर सकता। आप किसी भी फल से बढ़िया मीठा शरबत बना सकती हैं। बेल, आम, अंगूर, संतरा, खरबूजा, तरबूज, चीकू जैसे फलों में चीनी और बर्फ मिलाकर शरबत बनाएं।

ठंडी चीजों के बारे में सोचें– एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हम जो सोचते हैं, वही महसूस भी करते हैं। अगर हम किसी बर्फीले क्षेत्र के बारे में पढ़ते हैं या ऐसी जगह की तस्वीर देखते हैं तो हमें ठंडक महसूस होती है। इसलिए जितना हो सके, ठंडी चीजों के बारे में सोचें। इससे भले ही आपको शारीरिक रूप से ठंडक महसूस न हो, पर मानसिक तौर पर ठंडक महसूस होगी और आपको अच्छा लगेगा।

इस गर्मी में कुछ ठंडा हो जाए

चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए मार्केट में इन दिनों कई तरह के कोल्ड ड्रिंक्स अवेलेबल हैं। खास बात यह है कि इनसे आपका गला तो तर होता ही है, साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं-

तरबूज का जूस

तरबूज गर्मियों में खूब मिलते हैं, तो इसका जूस आप पी सकते हैं। इसमें वह सभी मिनरल्स हैं, जो बॉडी को चाहिए। इसे रेग्युलर पीने से आपका वजन नहीं बढ़ेगा। इसमें मैग्निशियम, फास्फोरस, आयरन और बिटा कैरोटिन होता है जो सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

पपीते का जूस

पपीते का जूस ठंडा होता है और बहुत जल्दी डाइजेस्ट भी हो जाता है। कई शॉप्स पर इन दिनों पपीते का जूस मिल रहा है। जिन्हें डाइजेशन की प्रॉब्लम है, उनके लिए यह फायदेमंद फ्रूट है।

लेमन वॉटर

लेमन विटामिन सी का अच्छा सोर्स है। लेमन को ठंडे पानी में निचोड़कर इसमें काला नमक, जीरा पाउडर और थोड़ा चाट मसाला डाल दें। इससे ठंडक मिलती है। लेमन वॉटर में कई फ्लेवर्स भी हैं, जिसमें मसाला नीबू पानी, खट्टा नीबू पानी सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

दांतों से न करें यह 10 खिलवाड़

फिट शरीर के कुंजी हैं फिट दांत

1.रेग्युलर चेकअप से परहेज – नियमित रूप से अपने दांतों का चेकअप करना दांतों की देखभाल के लिए बहुत जरूरी है। आपको अपने दांतों में दर्द, सड़न, सेंसिटिविटी होने तक का इंतज़ार नहीं करना चाहिए। साल में एक बार डेंटिस्ट से चेकअप कराएं। इससे होने वाली परेशानी को पहले ही रोक सकेंगे।

2. परेशानी को भूल जाना – किसी भी परेशानी को जरा आराम मिलते ही भूल जाना दांतों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। फॉलोअप यानी जांच , इलाज के बाद और बीच में बहुत जरूरी होती हैं, आपका ट्रीटमेंट कुछ भी हो लेकिन अगर डेंटिस्ट ने आपको फिर से चेकअप के लिए कहा है तो जरूर कराएं। खासतौर पर अगर रूट कैनाल, दांत निकलवाना. मसूड़ों की सर्जरी जैसी स्थिति में घाव भरते और कंडिशन के पूरी तरह से नॉर्मल होते वक्त लगता है इसलिए रेग्युलर फॉलोअप करें।

3.खुद बने दांत का डॉक्टर – किसी भी दवा के बिना डॉक्टरी सलाह के लेना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए जब भी आपको दांत, मुंह या शरीर के किसी अन्य हिस्से में कोई परेशानी महसूस हो तो डॉक्टर के पास जाएं न कि पुराने नुस्खों को ही आजमाएं।

4.पहले का इलाज हुआ पुराना– अगर दांतों का इलाज कराने जाने से पहले इस बात को अपने डेंटिस्ट को बताएं कि आपका पहले किस-किस बीमारी में क्या इलाज हो चुका है। इसके अलावा अगर आप कोई दवाई खा रहे हैं या लंबे वक्त तक खाते रहे हैं तो उसके बारे में भी बताएं। अगर किसी दवा से अलर्जी या रिएक्शन है तो डेंटिस्ट को बताएं। आपके दांत भी शरीर का ही अंग हैं इसलिए बाकी शरीर के बारे में दी गई जानकारी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

5. फर्राटा सफाई – लोग दांतों को साफ करने में या तो वक्त बिताना ही नहीं चाहते या फिर बहुच कम वक्त देना चाहते हैं। कुछ लोगों को दिन में 2 बार दांतों की सफाई झंझट लगती है। हालांकि दांतों को हेल्थी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि दांतों को 2 से 3 बार कायदे से साफ किया जाए। एक बात ध्यान रखें कि दांतों को ज्यादा बार और तेज ब्रश करने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल कमजोर हो जाती है।

6. डेंटल फ्लॉस और एंटीसेप्टिक माउथवॉश – ब्रशिंग के साथ माउथवॉश और फ्लॉसिंग भी जरूरी हैं । आपके दांतों के बीच में जो खाना फंसता है वो दांतों की सड़न और मसूड़ों के इंफेक्शन का एक बड़ा कारण होता हैं। इसलिए स्वस्थ मसूड़ों और दांतों के लिए डेंटल फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश का इस्तेमाल दांतों के बीच की जगह को साफ़ रखने के लिए किया जाता है। मुंह के कीटाणुरहित रखने के लिए रात में सोने से पहले एंटीसेप्टिक माउथवॉश से एक बार कुल्ला कर लेना चाहिए।

7.जंक फूड की ओवर डोज – मार्केट में मिलने वाले कई प्रॉडक्ट्स आपके दांतों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जैसे ज्यादा मात्रा में सोडा , कोल्ड ड्रिंक आदि पीना दांतों के लिए नुकसानदायक साबित ह सकता है। इन्हें ज्यादा लेने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल को नुकसान पहुंचता है और दांत सेंसेटिव हो जाते हैं जिससे कुछ भी गर्म-ठंडा दांतों में लगने लगता है।

अधिक मात्रा में मीठे और चिपकने वाली चीजें जैसे कैंडीज ,चिप्स, क्रीम बिस्कुट आदि खाने से दांतों में सड़न पैदा होने लगाती है। इन चीजों को कम खाना चाहिए। अगर बच्चे अधिक जिद करें तो बच्चों को हफ्ते में एक दिन तय करके यह चीजें खाने को दें। जब भी खाने को दें तो उसके बाद दांतों को ब्रश करवाना न भूलें। सोडा ,कोल्डड्रिंक लेने के तुरंत बाद ब्रश न करें, कुछ वक्त बाद ही ब्रश करें जिससे दांतों के इनेमल को कम नुकसान हो।

8. हरी सब्जियों और फल न खाना – हरी सब्जियां और फल दोनों ही आपके शरीर के साथ दांतों के लिए भी बहुत जरूरी होते हैं। इन्हें लेने से जरूरी विटामिन शरीर को मिलते हैं जो दांतों के लिए भी जरुरी हैं। विटामिन D और विटामिन D दोनों ही दांतों के लिए बहुत फायदेमेंद हैं। विटामिन D स्वस्थ्य मसूड़ों के लिए जरुरी हैं। विटामिन D आपकी हड्डियों और दांतों के लिए जरूरी है। सा देखने में आया है कि जो लोग लगभग 800mg/दिन विटामिन D लेते हैं उनमें मसूड़ों की परेशानी कम देखी गई है। विटामिन D मुख्तया चीज़,दूध,दही में पाया जाता हैं।

9.तंबाकू का नशा – तंबाकू को किसी भी तरह लेने से (बीड़ी ,सिगरेट,जर्दा आदि) हेल्थ के साथ-साथ दांतों और मसूड़ों को नुकसाना पहुंच सकता है। दांतों से जुड़े मसूड़ों को कमजोर करता हैं । तंबाकू को किसी भी तरीके से लेने पर दांतों पर भूरी, लाल ,पीली परत जमा हो जाती है।

10.कुछ बुरी आदतें – कुछ अनचाही आदतें जेसे रात को सोते वक्त दांतों का कटकटाना, मुंह में पेंसिल या पिन को लागतार चबाते रहना, बर्फ चबाना आदि दांतों पर अधिक दवाब डालते हैं जिसकी वजह से दांतों की इनेमल और जुड़ी हड्डियों पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए अगर आपको रात में ही दांतों को कटकटाने की आदत है तो डेंटिस्ट से सलाह लेकर रात को पहने जाने वाले माउथगार्ड बनवा सकते हैं। इसी तरह अगर स्विमिंग करते हैं तो माउथगार्ड दांतों को पानी में मिली क्लोरिन से बचाता है। क्लोरीन के असर से दांतों का रंग पीला पड़ता है और इनेमल का भी नुकसान होता है।

कार्डियोवस्कुलर हृदय रोग के लक्षण और उपचार

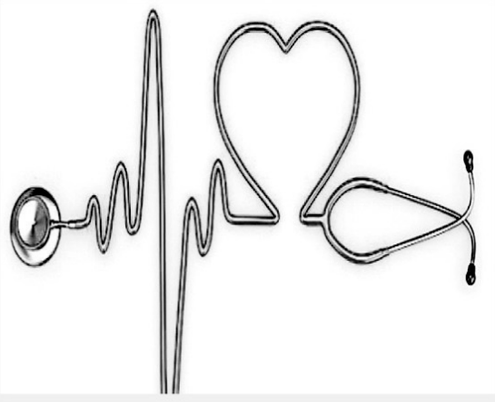

हृदय (दिल) हमारे शरीर का अहम अंग है। छाती के मध्य से थोड़ी बायीं ओर स्थित दिल पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह करता है। दिल को ऑक्सीजन कोरोनरी धमनियों द्वारा प्रदान की जाती है, जो कि रक्त के माध्यम से मिलती है। अलग-अलग कारणों की वजह से दिल में कई प्रकार की बीमारी जैसे रुमेटिक हृदय रोग, जन्मजात खराबियां, हृदय की विफलता तथा पेरिकार्डियल बहाव, कोरोनरी धमनी रोग, हार्ट अटैक, हार्ट वाल्व रोग, हार्ट फेल्योर, स्ट्रोक आदि हो सकते हैं।

क्यों होता हैं कार्डियोवस्कुलर

हृदय रोग (कार्डियोवस्कुलर हार्ट डिजीज) होने का मुख्य कारण है कोलेस्ट्राल के स्तर में वृद्धि। यदि हाइ डेन्सिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) की मात्रा है तो वे कम प्रभावशाली होते हैं। एचडीएल को अच्छा कोलेस्ट्राल माना जाता है। यदि लो डेन्सिटी लिपोप्रोटीन अणुओं का आकार छोटा है तो उनके रक्तवाहनियों में जमने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापा दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण है। वजन घटाने नियमित व्यायाम तथा साधारण भोजन करना चाहिए। वजन घटाने भूखे रहना और ज्यादा कसरत करना ठीक नहीं है, इससे दिल पर बुरा असर पड़ता है। दिल को स्वस्थ रखने के लिए सुबह या शाम चहलकदमी करनी चाहिए। व्यायाम से हाथ-पैरों की धमनियां स्वस्थ रहती हैं धूम्रपान भी दिल के रोग का प्रमुख कारण है। इसके लिए पौष्टिक भोजन किया जाए। भोजन में वसा की मात्रा को सीमित हो। फास्ट फूड, जंक फूड, तला-भुना और चिकनाई युक्त खाना नहीं खाना चाहिए। चिकनाई वाला खाना शरीर का वजन बढ़ने के साथ ही ऑयल रक्त धमनियों में जम जाता है। जिन व्यक्तियों में कोलेस्ट्राल का स्तर सामान्य से अधिक हो उन्हें प्रतिदिन 20 से 25 ग्राम सोया प्रोटीन लेना चाहिए। इससे कोलेस्ट्राल का स्तर कम होता है। ट्रीग्लिसीराइड कार्डियोवस्कुलर रोग का कारण हो सकता है। सोया प्रोटीन लेने से शरीर में एचडीएल कोलेस्ट्राल की मात्रा बढ़ती है, इसे गुड़ कोलेस्ट्राल माना जाता है। यह रक्त नलिकाओं से बुरे कोलेस्ट्राल को हटाने में सहायक होता है।

मांसपेशियों की थकान और कमजोरी का कारण हो सकता है म्यास्थीनिया

म्यास्थीनिया एक खतरनाक बीमारी है, जो धीरे-धीरे बढ़ती है। शुरुआत में इस रोग के लक्षण बेहद सामान्य हो सकते हैं, जैसे- सीढ़ी चढ़ते हुए थक जाना, चलने में सांस फूलना, आंखों में सूजन आदि। कई बार छोटी-मोटी शारीरिक मेहनत के बाद ही आप बहुत ज्यादा थका महसूस करने लगते हैं।

म्यास्थीनिया का पहला लक्षण है थकान और कमजोरी।

समस्या बढ़ने पर निगलने और सांस लेने में परेशानी होती है।

म्यास्थीनिया रोग जानलेवा भी हो सकता है।

म्यास्थीनिया रोग का प्रभाव चेहरे और गर्दन पर ज्यादा दिखाई देता है। ज्यादातर ये रोग अनुवांशिक होता है, मगर कई बार किसी इंफेक्शन के कारण या लंबे समय तक बहुत ज्यादा शारीरिक मेहनत के कारण भी ये रोग हो जाता है।

क्यों होता है म्यास्थीनिया : ब्लड में एसीटाइलकोलीन रेसेप्टर नामक केमिकल तत्व की कमी के कारण यह रोग होता है। यह केमिकल तत्व शरीर की मांसपेशियों को एक्टिव और एनर्जी से भरपूर बनाए रखता है। इस तत्व की कमी के कारण मांसपेशियां ढीली और सुस्त हो जाती है, जिसके चलते थोड़ा सा चलने या छोटा-मोटा काम करने पर बहुत ज्यादा थकान का अनुभव होता है।

कितना खतरनाक है म्यास्थीनिया : म्यास्थीनिया रोग कई बार जानलेवा हो सकता है। दरअसल अगर शुरुआत में ही लक्षणों को पहचान कर इसका इलाज सही समय पर न किया जाए, तो खाना खाने में और सांस लेने में कठिनाई और बढ़ जाती है और एक स्थिति ऐसी आ जाती है कि मरीज की जान खतरे में पड़ जाती है। इसलिए म्यास्थीनिया रोग के शुरुआती दिनों में ही इलाज की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर देना चाहिए।

क्या है म्यास्थीनिया का कारण : म्यास्थीनिया रोग का मुख्य कारण सामने की चेस्ट के अंदर एक विशेष ग्रंथि यानी थाइमस ग्लैंड का आकार में बड़ा होना है। यह थाइमस ग्लैंड चेस्ट के अंदर दिल के बाहरी सतह पर होती है। अक्सर इस थाइमस ग्लैंड में ट्यूमर होता है, जिसके कारण ये आकार में बड़ी हो जाती हैं। म्यास्थीनिया रोग के 90 प्रतिशत मरीजों में यह थाइमस ग्लैंड ही जिम्मेदार होता है, बाकी 10 प्रतिशत मामलों में इसके लिए ऑटो इम्यून रोग जिम्मेदार होते हैं।

क्या हैं इस रोग के लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में म्यास्थीनिया में बालों में कंघा करने में दिक्कत महसूस होना।
- बहुत ही हल्के सामान को उठाने पर थककर चूर हो जाना।
- सीढ़ियों पर 2-3 कदम चढ़ने पर या साधारण चलने पर कठिनाई महसूस होना।
- रोग बढ़ जाने पर आंखे की पलकें ऊपर की तरफ उठना बंद कर देना।
- दोनों आंखों को काफी देर तक खुली रखना मुश्किल।
- आंखों का पूरी तरह से बंद करना कठिन।
- आंखों को केंद्रित करने की क्षमता खोना।
- चेहरे का बिलकुल भावरहित व शून्य हो जाना।
- होंठ बाहर की तरफ ज्यादा निकल आना।

रेसिपी

पम्पकीन ओमभाल

- 4 कप कद्दू , पम्पकीन के टुकड़े
- 1/4 कप गुड़ ■1/4 कप इमली का पानी
- 2 सुखी लाल मिर्च ■नमक स्वाद के अनुसार
- 1 तेज पत्ता ■1 छोटा चमच्च राइ
- 1 बड़ा चमच्च किशमिश ■1/2 छोटा चमच्च न का रस ■1 बड़ा चमच्च तेल ■1/2 छ चम्मच सौंफ

विधि

पम्पकीन ओमभाल बनाने के लिए सबसे पहले नॉन स्टीक पेन में इमली का पानी लें और पम्पकीन के टुकड़े डालकर मध्यम आंच पर पम्पकीन गलने तक पकाए। पके हुए पम्पकीन को थोड़ा कद्दूकस कर लें। कढ़ाई में तेल डालें। राई, तेज पत्ता, सौंफ, लालमिर्च और किशमिश डाले। राई तड़कने पर पम्पकीन डालें। नमक और गुड़ डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं। गेस बंद कर नींबू का रस मिलाएं और परोसें। नागालैंड स्टाइल पम्पकीन को नागा स्टाइल चिकन करी और चावल के साथ परोसें।

बंगाली स्टाइल छोलार दाल

- 1 कप चना दाल ■1/2 कप नारियल
- 1 बड़ा चम्मच घी ■1 छोटा चम्मच ह पाउडर ■1 छोटा चम्मच शक्कर
- नमक स्वाद के अनुसार ■1 बड़ा चम्मच
- 3 सुखी लाल मिर्च ■2 लौंग
- 1 इंच दालचीनी ■1 तेज पत्ता
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 2 हरी मिर्च, लंबाई में दो भागो में कटी हुई
- 1 इंच अदरक छीलकर किसा हुआ

विधि

सबसे पहले चना दाल को धोकर घंटे भर के लिए भिगो दीजिए। अब चना दाल को 1-1/2 कप पानी के साथ पका लीजिए। एक पैन में घी डालकर मध्यम आंच पर गरम कर लें। अब नारियल के टुकड़ो को हल्का भूरा होने तक पकाएं। गैस को बंद कर लें और नारियल के टुकड़ों को एक कटोरी में एक तरफ रख लें। दाल पक जाने पर, एक सॉस पैन में निकाल लें। हल्दी पाउडर, नमक और शक्कर दाल में मिलाएं। दाल को धीमी आंच पर पकने दें, जब तक दाल गाड़ी न हो जाए और पानी न सोक लें। जब तक दाल के तड़के की तैयारी कर लें। तड़के के लिए, छोटे पैन में घी गरम कर लें। अब उसमें जीरा डाले और तड़कने दें। अब सुखी लाल मिर्च, लौंग, दालचीनी, हरी मिर्च और किसा हुआ अदरक डालें और मेहक आने तक पकने दें। अब गैस बंद कर लें। अब तड़के को उबलते हुई दाल में तले हुए नारियल बूरे के साथ डाले। अच्छे से मिलाकर 1 से 2 मिनट तक उबालें और गैस बंद कर लें। बंगाली स्टाइल छोलार दाल को बैगन और चावल के साथ दिन के खाने के लिए परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दुःख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दुःख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

काकुरो पहेली - 2040

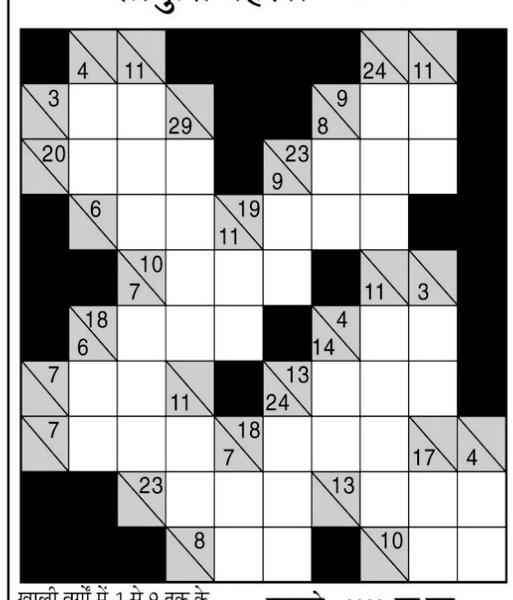

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

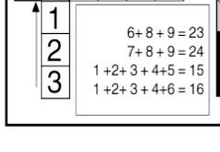

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2039 का हल

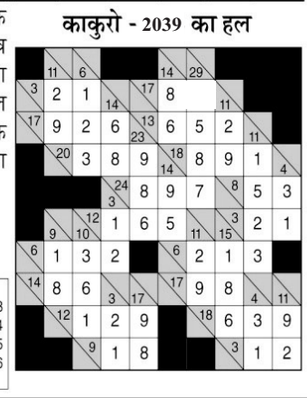

फिल्म वर्ग पहेली- 2040

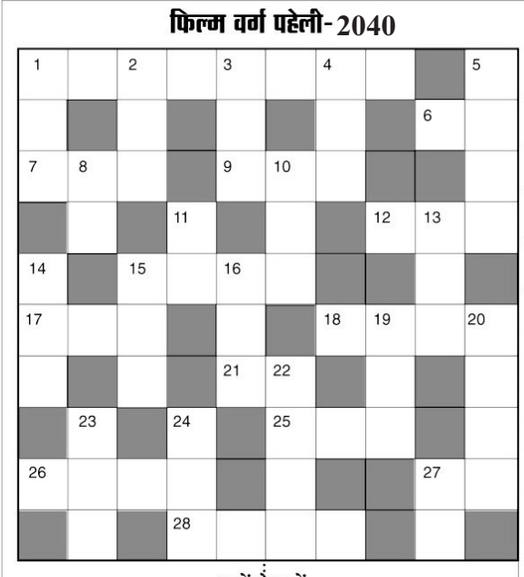

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2039

सूडोकु -2040

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 2039 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 2040

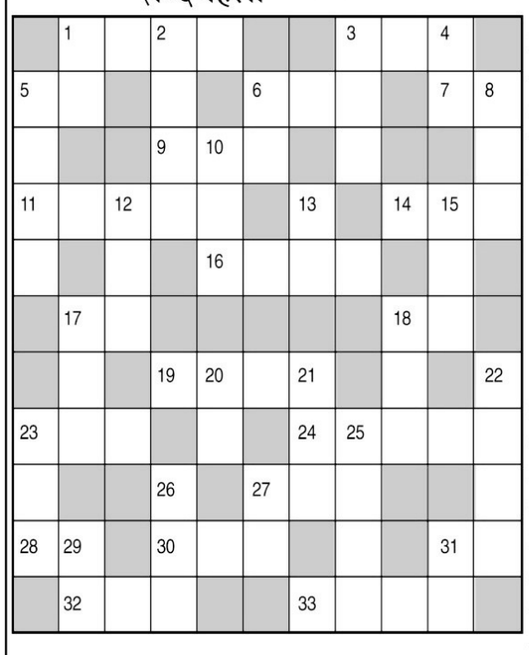

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -2039 का हल

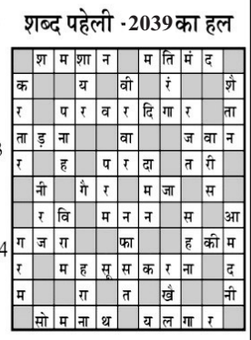

सारण मे दो बाइक की टक्कर में तीन लोगों की मौत, दो घायल

छपरा। बिहार में सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र में दो बाइक के बीच हुयी टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि राजा चौक पर दो बाइक के बीच टक्कर हो गयी।इस घटना में रज्जूपुर गांव निवासी प्रमोद राय के पुत्र धीरज कुमार (18) तथा दो अन्य युवक की मौत हो गयी। इस घटना में तीन लोग घायल हो गये। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। घायलों को सदर अस्पताल छपरा में भर्ती कराया गया है।

राजापार्क माता वैष्णो देवी मंदिर पर होगी घट स्थापना

जयपुर। माता वैष्णो देवी मंदिर पंचवटी सर्किल राजापार्क में मंगलवार को नवरात्रा के अवसर पर मंदिर में विधिवत पूजा-पाठ के साथ दोपहर बारह बजकर पांच मिनट पर घट स्थापना की जाएगी। अध्यक्ष राज भाटिया ने बताया कि माता जी को प्रसाद का भोग लगाकर सुबह 6.30 बजे आरती के साथ पट दर्शनार्थ खोलें जाएंगे। साथ ही नवरात्रों में मंदिर खुलने का समय सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5.30 बजे से 10 बजे तक होगा। इस दौरान मंदिर में आरती का समय सुबह 6.30 बजे,संध्या आरती 7 बजे ,शयन आरती रात्रि 9.30 बजे होगी। प्रवक्ता कमलेश आसुदानी ने बताया कि नवरात्रों के दौरान माता जी का सात बार आकर्षक श्रृंगार नवीन पोशाक के साथ किया जाएगा एवं साथ ही मंदिर परिसर में स्थित पवन पुत्र वीर हनुमान जी की प्रतिमा का भी आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। पूरे मंदिर परिसर को विशेष ऋतु पुष्पों,बंदरवाल व रंग बिरंगी झालरों एवं विशेष विद्युत सज्जा से सजाया गया है। नवरात्रों के दौरान सुबह-शाम मंदिर परिसर में माता जी को हलवा,चना व पुड़ी प्रसाद वितरित की जाती हैं।

भूतड़ी अमावस्या पर नर्मदा, क्षिप्रा में डुबकी लगाने उमड़े तंत्र साधक और आम श्रद्धालु

नर्मदापुरम/उज्जैन। चैत्र माह की अमावस्या जिसे सोमवार को आने के कारण सोमवती अमावस्या भी कहा जा रहा है, पर हजारों श्रद्धालुओं ने नर्मदापुरम में मां नर्मदा में स्नान किया। सोमवार तड़के से ही नर्मदा के सेठानी और दूसरे घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ है। उज्जैन में शिप्रा के तट और बावन कुंड पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान-ध्यान कर पूजन किया। चैत्र अमावस्या को कुछ क्षेत्रों में भूतड़ी अमावस्या भी कहा जाता है। सोमवार को अमावस्या होने से स्नान का महत्व और बढ़ गया है। भूतड़ी अमावस्या पर बड़ी संख्या में तंत्र साधकों ने भी नर्मदा और क्षिप्रा में स्नान-पूजन किया। इटारसी, हरदा, बैतूल और आसपास के शहरों से हजारों लोग पवित्र स्नान के लिए नर्मदापुरम आए। 9 अप्रैल से हिंदू नववर्ष, नए विक्रम संवत, नवरात्रि की शुरुआत होगी। उज्जैन में में भी क्षिप्रा के तट पर बड़ी संख्या में सुबह श्रद्धालुओं ने अमावस्या का स्नान किया।

गौरतलब है कि चैत्र अमावस्या के दिन स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। ब्राह्मण और गरीबों को अनाज, बर्तन, कपड़े दान कर भोजन कराया जाता है। नववर्ष, नवरात्रि और घट स्थापना से पहले श्रद्धालु स्नान करने आते हैं। वहीं, यह भी मान्यता है कि भूतड़ी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान-पूजन करने से प्रेत बाधा से मुक्ति मिलती है।

नासिक में सेवानिवृत्त कर्नल के साथ धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। नासिक जिले में सेवानिवृत्त कर्नल के साथ धोखाधड़ी करने वाले बिल्डर नरेश कारदा के विरुद्ध नासिक उपनगर पुलिस स्टेशन की टीम ने मामला दर्ज किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है, अब तक बिल्डर को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पुलिस के अनुसार बिल्डर नरेश कारडा ने सेवानिवृत्त कर्नल राकेश कारिया को फ्लैट बेचने के नाम पर 30 लाख रुपये लिये थे लेकिन उन्हें कोई फ्लैट नहीं दिया गया है। इस संबंध में कर्नल राकेश कारिया ने बिल्डर से कई बार बात की और फ्लैट न मिलने पर अपने पैसे वापस देने की भी मांग की। बिल्डर ने कर्नल को न तो फ्लैट दिया और न ही पैसे दिए। इससे कर्नल को ठगे जाने का एहसास होने लगा और उन्होंने आज उपनगर पुलिस स्टेशन में बिल्डर के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है।

इससे पहले भी बिल्डर नरेश कारदा के विरुद्ध कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया है कि करदा ने अब तक करीब 6 करोड़ रुपये की ठगी की है। पिछले साल भी एक मामले में नरेश कारड़ा को गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त बिल्डर ने 1 करोड़ 20 लाख रुपये की ठगी की थी। इस मामले में मुंबई के साकीनाका पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था और बिल्डर को मुंबई के क्राइम ब्रांच पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

औरंगाबाद से आठवीं बार किस्मत आजमा रहे हैं सुशील सिंह, सियासी पिच पर हैट्रिक लगाने की फिराक में

पटना। लोकसभा चुनावा 2024 में बिहार के चितौड़गढ़ कहे जाने वाले औरगाबाद संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुशील सिंह आठवीं बार किस्मत आजमा रहे हैं वहीं उनके सामने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार पूर्व विधायक अभय कुशवाहा चुनौती बनकर खड़े हैं।

सूर्यनगरी औरंगाबाद संसदीय सीट से सुशील कुमार सिंह ने सात बार अपनी किस्मत आजमायी है। सुशील कुमार सिंह ने इस सीट से चार बार चुनाव जीत चुके हैं, वहीं उन्हें तीन बार हार का सामना भी करना पड़ा है।पूर्व सांसद रामनरेश सिंह उर्फ लूटन सिंह के पुत्र सुशील कुमार सिंह ने पहली बार वर्ष 1996 औरंगाबाद सीट पर समता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में जनता दल के वीरेन्द्र नारायण सिंह ने जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिंह दूसरे

नंबर पर जबकि समता पार्टी उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह तीसरे नंबर पर रहे। वर्ष 1998 में सुशील कुमार सिंह ने समता पार्टी के टिकट पर इस सीट पर जीत दर्ज की।

वर्ष 1999 में सुशील कुमार सिंह ने औरंगाबाद संसदीय सीट पर जनता दल यूनाईटड (जदयू) के टिकट पर चुनाव लड़ा। जदयू उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह को स्व. सत्येन्द्र नारायण सिंह की पुत्रवधु कांग्रस उम्मीदवार श्यामा सिंह ने पराजित कर दिया। वर्ष 2004 में सुशील कुमार सिंह ने चौथी बार इस सीट से चुनाव लड़ा, हालांकि इस बार भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा।भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत स्व. सत्येन्द्र नारायण सिंह के पुत्र कांग्रस प्रत्याशी निखिल कुमार ने जदयू प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह को पराजित कर दिया। इसके बाद कांग्रेस के 'हाथ' को जनता का 'साथ' नहीं मिला। कांग्रेस इसके बाद कभी औरंगाबाद की सत्ता पर काबिज नहीं हुयी। इसके बाद सुशील कुमार ने वर्ष 2009 में पांचवी बार चुनाव लड़ा और जदयू के टिकट पर जीत हासिल की। सुशील कुमार सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार शकील अहमद खान को शिकस्त दी। कांग्रेस प्रत्याशी निखिल कुमार तीसरे नंबर पर रहे।

2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुवाई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनाव मैदान में थी तब जदयू इससे अलग चुनाव लड़ रही थी।सुशील सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह ने छठी बार औरंगाबाद से चुनाव लड़ा और कांग्रेस उम्मीदवार निखिल कुमार को पराजित किया। जदयू उम्मीदवार बागी कुमार वर्मा तीसरे नंबर पर रहे। निखिल कुमार को लगातार दूसरी बार मात मिली।वर्ष 2014 में सुशील कुमार सिंह ने पहली बार भाजपा का 'कमल' यहां खिलाया। वर्ष 2019 में सुशील कुमार सिंह ने सातवीं बार चुनाव लड़ा। उन्होंने एक बार फिर भाजपा के टिकट पर ही जीत के करिश्मे को दोहराया।

ऊना में तीन प्रवासी बच्चों की डूबने से मौत

ऊना। पुलिस थाना मैहतपुर बसदेहडा के अंतर्गत आती ग्राम पंचायत रायपुर सहोडा में तीन प्रवासी बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक बच्चों की पहचान पंकज उम्र आठ साल पुत्र प्रसादी, सोनू उम्र 11 वर्ष पुत्र सुरेश, मुकेश उम्र नो साल पुत्र परमेश निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों बच्चों का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिए हैं। वहीं मामले में विभागीय जांच शुरू है। एक साथ तीन बच्चों की मौत से नगर में माहौल गमगीन है।

मिली जानकारी के मुताबिक तालाब में डूबे तीनों बच्चे प्रवासी मजदूरों के हैं, जो कि लंबे अरसे से बसदेहडा में ही रह रहे थे।बताया जा रहा है कि चार बच्चे जो कि बसदेहडा नगर में एक किराए के मकान में अपने परिजनों के साथ रह रहे थे। रायपुर सहोडा गांव में तालाब में नहाने के लिए आये, लेकिन इनमें से एक बच्चा तालाब के किनारे ही बैठा रहा। जबकि तीन तालाब में नहाने के लिए तालाब में उतर गए।

थोड़ी देर बाद जब तीनों तालाब में नहाते नहाते तालाब में दिखाई नहीं दिए तो तालाब के किनारे बैठे चौथे बच्चे ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिससे स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर तालाब की ओर दौड़ते हुए तालाब में डूबे हुए बच्चों को ढूंढ कर उनको बाहर निकाला। गांववासियों ने पुलिस थाना मैहतपुर को इस संदर्भ में सूचित किया। पुलिस बल द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर तीनों बच्चों को क्षेत्रीय अस्पताल ऊना लाया गया।

एएसपी संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस द्वारा तीनों बच्चों का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर उनके शव परिजनों को सौंप दिए गए है। मामले की जांच जारी है।

चेन्नई में लोकसभा चुनाव के लिए रोड शो करेंगे मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को होने वाले के मतदान के लिए प्रचार अभियान तेज होने के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के लिए वोट जुटाने के लिए मंगलवार को चेन्नई पहुंचेंगे एवं शाम को एक रोड शो करेंगे। भाजपा के शीर्ष सूत्रों ने सोमवार को यूनीवार्ता को बताया कि श्री मोदी कल शाम एक रोड शो करेंगे। उनके दौरे के मद्देनजर शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि श्री मोदी मंगलवार शाम पहुंचेंगे एवं टी.नगर क्षेत्र में रोड शो शुरू करेंगे। इस दौरान वह चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के साथ एक खुली जीप में यात्रा करेंगे। वह चेन्नई के तीनों निर्वाचन क्षेत्रों, चेन्नई दक्षिण, चेन्नई मध्य और चेन्नई उत्तर में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। भाजपा ने दक्षिण चेन्नई से पुडुचेरी की उपराज्यपाल एवं तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को चुनाव मैदान में उतारा है। सुश्री सुंदरराजन राज्यपाल पद से इस्तीफा

देने के बाद सक्रिय राजनीति में लौट आई है। भाजपा के विनोद सेल्वम और पॉल कनगराज क्रमशः मध्य चेन्नई और उत्तरी चेन्नई से उम्मीदवार हैं। सूत्रों ने बताया कि श्री मोदी की संक्षिप्त चेन्नई यात्रा के बाद उनके चुनाव प्रचार के लिए अन्य जिलों का भी दौरा करने की संभावना है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

भाजपा की सहयोगी न्यू जस्टिस पार्टी (एनजेपी) के श्री ए.सी. शनमुघम वेल्लोर में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता पोन राधाकृष्णन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई क्रमशः कन्नियाकुमारी और कोयंबटूर से चुनाव लड़ रहे हैं।

चेन्नई शहर के पुलिस आयुक्त, संदीप राय राठौड़ के आदेश पर, ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहनों को आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत ग्रेटर चेन्नई पुलिस क्षेत्राधिकार के भीतर उड़ान भरने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दो हजार से से अधिक पुलिसकर्मी सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हैं। इसके अलावा ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने मॉक अभ्यास के लिए ड्रोन और अन्य मानव रहित हवाई वाहनों पर अस्थायी प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किये जाने की चेतावनी दी है।

गोरखपुर से सपा उम्मीदवार काजल निषाद का लखनऊ में इलाज जारी, हालत में सुधार

गोरखपुर। देश में 2024 के लोकसभा चुनाव के बिगुल बजने के साथ ही सभी पार्टियों के उम्मीदवार जी-जान से अपने चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। गोरखपुर से जहां भारतीय जनता पार्टी ने सांसद रवि किशन को दोबारा टिकट दिया है। रविकिशन भी चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। वहीं गठबंधन से समाजवादी पार्टी उम्मीदवार काजल निषाद भी जी-जान से अपने चुनाव प्रचार में जुटी हैं। भीषण गर्मी और चढ़ते पारे के बीच प्रचार करना उम्मीदवारों के लिए काफी मुश्किल हो रहा है। सपा उम्मीदवार काजल निषाद चुनाव प्रचार के दौरान बीती पांच अप्रैल को तबीयत बिगड़ गई थी और वे बेहोश हो गई। डिहाइड्रेशन और हाई बीपी की वजह से अचानक तबीयत खराब होने के बाद उनको स्टार हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रविवार की शाम को एक बार फिर उनकी तबीयत बिगड़ी। खराब स्वास्थ्य के चलते उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की शिकायत पर उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया है। वह अपने परिजनों व पार्टी नेताओं के साथ एम्बुलेंस से इलाज

हेतु लखनऊ के लिए रवाना हुई, जहां मेदांता हॉस्पिटल में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत में सुधार है। वहीं उनके स्वास्थ्य का हालचाल लेने के लिए अस्पताल शुभचिंतकों और सपा नेताओं का पहुंचने का सिलसिला जारी है।

टीवी अभिनेत्री से राजनीतिक सफर, जीत का नहीं खुला खाता

टीवी अभिनेत्री से राजनीति में आई काजल निषाद साल 2012 में उस समय चर्चा में आईं जब वे गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा सीट पर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरीं। हालांकि इस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वे साल 2017 के चुनाव में एक बार फिर गोरखपुर के कैंपियरगंज विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में आईं, लेकिन यहां भी उन्हें शिकस्त मिली। इसके बाद वे गोरखपुर से सपा के टिकट पर बीते निकाय चुनाव में भी उतरीं लेकिन इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने उन्हें हरा दिया। लोकसभा चुनाव 2024 में काजल निषाद फिर से सपा के टिकट पर भाजपा सांसद और अभिनेता रविकिशन शुक्ला के खिलाफ चुनाव मैदान में गठबंधन उम्मीदवार हैं।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुख्यमंत्री धामी बोले- यह मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा राष्ट्रवाद से ज्यादा तुष्टिकरण और वोट बैंक को प्राथमिकता देती आई है। हाल ही में जारी कांग्रेस की घोषणा पत्र को देखकर लगता है कि यह कांग्रेस का नहीं अपितु मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र है।

बागेश्वर के दुगनाकुरी में सोमवार को आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री धामी ने रणसिंघा बजाकर विजय की हुंकार भरी और भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ कांग्रेस की नाकामियों को उजागर किया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने और अल्मोड़ा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अजय टम्टा को विजयी बनाने के लिए जनसमर्थन मांगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी के हाथों को मजबूत करने के

लिए इस बार उत्तराखंड से उन्हें एक तरफा समर्थन देना है। लोकसभा चुनाव में मोदी के अबकी बार 400 पार के नारे को पूरा करने में देवभूमि का एक-एक व्यक्ति अपना योगदान देगा। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ देशवासियों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। कश्मीर से धारा 370 हटाई गई, तीन तलाक का खात्मा किया गया और अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया गया।

अब देश की सेना को खुली छूट, परमिशन की जरूरत नहीं, दुश्मन को गोली का जवाब गोले से- कांग्रेस पार्टी ने देश के अंदर 60 वर्षों तक राज किया, लेकिन देश के सैनिकों को आवश्यक सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई। आज देश की सेना को खुली छूट है कि अगर कोई दुश्मन गड़बड़ी करता है तो उसे जवाब देने के लिए किसी की परमिशन लेने की जरूरत नहीं है। अब सेना गोली का जवाब गोले से देती है।

पहले हक मारने का काम करते थे नकल माफिया-

पहले नकल माफिया हमारे हक मारने का काम करते थे, लेकिन भाजपा सरकार ने प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून लेकर आई और युवाओं को न्याय दिलाई। अब अगर किसी युवा में योग्यता, प्रतिभा और क्षमता है तो उसका चयन होने से कोई रोक नहीं सकता है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में देश को पीछे धकेलने का एजेंडाः अनुराग ठाकुर

ऊना। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने अपने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ऊना के बसदेहरा व सलोह में एससी मोर्चा के सम्मेलनों को संबोधित किया। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस के घोषणा पत्र व महिलाओं के प्रति कांग्रेसी नेताओं के अभद्र बयानों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा जहां एक तरफ़ विकास की बात करती है तो वहीं कांग्रेस सदा ही देश को पीछे ले जाने की सोच रखती है। हाल ही में जारी कांग्रेस के घोषणा पत्र में देश को पीछे ले जाने का इनका एजेंडा फिर से देखने को मिला। आज की कांग्रेस है उसके पास न तो देश हित की नीतियां हैं और न ही देश के निर्माण का विजन इनके पास है।केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है जो सोच आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। कांग्रेस का घोषणा पत्र सिर्फ़ झूठे दावों-वादों का पुलिंदा मात्र है। कांग्रेस ने 60 सालों में देश को सिर्फ़ छला है और इसी वजह से अब जनता इनके बहकावों में नहीं आने वाली है। इनके पूरा का पूरा घोषणा पत्र उनके मौजूदा क्रियाकलापों के विपरीत है।

उन्होंने कहा कि महिला न्याय की बात करने वाली कांग्रेस के शीर्ष से लेकर गली के नेता आये दिन महिलाओं के बारे में कैसी अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं ये किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस ने हमारी माननीय राष्ट्रपति जी से लेकर अन्य महिला सांसदों पर जो टिप्पणी करी वह उनकी महिला विरोधी सोच को दिखाता है ।

स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ की कठुआ में 10 अप्रैल को रैली, स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा

कठुआ। आगामी 10 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉक्टर जितेंद्र सिंह के समर्थन में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कठुआ में आयोजित होने वाली रैली को संबोधित करेंगे। इसी को लेकर पूर्व वन मंत्री राजीव जसरोटिया के द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें रैली को सफल बनाने के लिए विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

पूर्व मंत्री राजीव जसरोटिया के निवास स्थान पर करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। बैठक में लोगों से रैली में भाग लेने का आह्वान किया गया। राजीव जस्रोटियां ने कहा कि आगामी 10 अप्रैल को कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाली रैली में योगी आदित्यनाथ पहुंच रहे हैं रैली की सफलता के लिए यहां

कार्यकर्ताओं और लोगों से भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है। जसरोटिया ने कहा कि इस बार 400 पार के नारे को लेकर भाजपा ने अपनी कमर कस ली है। इसी क्रम में डॉक्टर जितेंद्र सिंह के समर्थन में स्टार प्रचारक के तौर पर कठुआ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी प्रचार करेंगे। उन्होंने कठुआ की जनता से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोग 10 तारीख को कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचे और योगी जी को सुने। उन्होंने बताया कि कठुआ जिला के साथ-साथ उधमपुर डोडा रामबन जैसे क्षेत्रों से भी काफी लोगों का आना होगा। जिसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 10:00 बजे के करीब कठुआ में एक रोड शो का आयोजन किया जाएगा इसके बाद कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में योगी जी जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा के और भी स्टार प्रचारक प्रचार के लिए आने वाले हैं।

हमें हर बूथ पर करना है 370 वोट प्लस : बृजेश पाठक

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अलीगढ़, लोनी और मोदीनगर में बूथ सम्मेलनों को संबोधित किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पाठक ने कहा कि भाजपा इस बार उत्तर प्रदेश में 80 में से 80 सीट जीतेगी। गाजियाबाद भारतीय जनता पार्टी का गढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जिस तरीके से भीड़ आई उसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

उपमुख्यमंत्री श्री पाठक ने बूथ अध्यक्षों से कहा कि हमें हर बूथ पर 370 वोट प्लस करने हैं। इसके लिए हर पन्ने को बूथ समिति के पदाधिकारी और पन्ना प्रमुख पूरी तरह रट लें। हर एक व्यक्ति से इतनी बार मिल लें कि वह भाजपा को वोट देने के लिए औरों को भी प्रेरित करे। इसके लिए उसे मोदी जी की योजनाओं के बारे में ही बताना है।

श्री पाठक ने कहा कि हमें 370 वोट इस वजह से प्लस करने हैं क्योंकि कश्मीर में 370 धारा हटाई है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर श्री पाठक ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कॉमनवेल्थ गेम हुए तो कांग्रेस खेल मंत्री जेल चले गए। आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित देश बन रहा है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और उनके इंडी

पार्टनर्स के प्रत्याशी मैदान छोड़ कर भाग खड़े हुए हैं। इंडी उम्मीदवारों ने हथियार डाल दिये हैं। किसी में भाजपा उम्मीदवार का सामना करने का साहस नहीं बचा है। भाजपा सभी 80 की 80 सीटें प्रदेश में जीतने जा रही है।

अखिलेश जी, आप उनके भी घर हो आये होते जिनकी मुख्तार ने करवायी थी हत्या : ब्रजलाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं भाजपा से राज्यसभा के सांसद ब्रजलाल ने सोमवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला किया है।उन्होंने सोशल प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि अखिलेश यादव जी आप उनके भी घर हो आये होते, जिनकी मुख्तार अंसारी ने हत्या की या करवायी थी।

आप उनकी विधवाएं और उनके बच्चों के आंसू पोछ आए होते। लेकिन आप ऐसा करोगे नहीं क्योंकि आप तो सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करते हो। आप वही अखिलेश यादव हो, जो आतंकियों के 14 मुकदमें वापस लिए थे। आपके लिए ये तुष्टिकरण करना हमें तो आश्चार्य नहीं लगा।

नासिक में निर्माणाधीन दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

मुंबई। नासिक जिले के गंगापुर इलाके में सोमवार को एक घर के निर्माण के दौरान दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई और दो मजदूर घायल हो गए। दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस के अनुसार सोमवार को सुबह से नासिक के गंगापुर इलाके में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष केदार आहेर के घर का निर्माण कार्य चल रहा था। अचानक करीब साढ़े दस बजे घर की दीवार गिर गई। इस घटना में चार मजदूर बनाई जा रही दीवार के नीचे दब गए। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और दबे हुए मजदूरों को मलबा से बाहर निकाला। इनमें से दो मजदूरों की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि दो घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

जिला कलेक्टर ने गणगौर उत्सव के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

जयपुर। गणगौर उत्सव के लिए जयपुर विश्वभर में विख्यात है। उत्सव के तहत 11 अप्रैल को गणगौर की सवारी एवं 12 अप्रैल को बूढ़ी गणगौर की सवारी शाम 6 बजे जनानी डयोढ़ी सिटी पैलेस से रवाना होकर त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होती हुई पाल का बाग पहुंचेगी। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि गणगौरी की सवारी को देखने के लिए देश-विदेश से सैलानी जयपुर पहुंचते हैं। अतः दर्शकों की सुरक्षा एवं उत्सव में जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयुक्त नगर निगम हेरिटेज को सवारी मार्ग पर सफाई, पेयजल व्यवस्था, रोशनी की व्यवस्था, पर्यटकों के बैठने की व्यवस्था, अग्निशमन

वाहन मय आवश्यक उपकरण एवं स्टाफ तैनात करवाये जाने के निर्देश दिये गए हैं। पुलिस उपायुक्त, जयपुर उत्तर को सवारी के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द, सुरक्षा, कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं, वहीं, पुलिस उपायुक्त, जयपुर यातायात को सवारी के दौरान यातायात की माकूल व्यवस्था करने एवं समुचित मात्रा में यातायात पुलिसकर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिये हैं। पर्यटन विभाग के अधिकारियों को विदेशी पर्यटकों को बैठाये जाने की व्यवस्था करने, नगर निगम व सार्वजनिक विभाग से समन्वय रखते हुए सवारी के मार्ग में बेरिकेटिंग करवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। वहीं, अधीक्षण अभियंता, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर को सवारी मार्ग में विद्युत तारों को दुरुस्त करवाने के निर्देश दिये हैं।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को ज़िम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यतः बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अतः वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का खास ख़्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ्राइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ्राई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ्रूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फ्रूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे खुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2-2 से रोमांचक ड्रॉ खेला

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2-2 से रोमांचक ड्रॉ खेला, जिससे लिवरपूल प्रीमियर लीग अंक तालिका में शीर्ष स्थान से चूक गया। युनाइटेड के लिए पहले हाफ की शुरुआत अच्छी रही क्योंकि एलेजांद्रो गार्नाचो ने एक-एक मौके को लगभग गोल में बदल दिया था, लेकिन ऑफसाइड के कारण गोल को खारिज कर दिया गया। बाद में, मो सलाह को लिवरपूल के लिए स्कोर करने का मौका मिला, लेकिन आंद्रे ओनाना के शानदार बचाव ने मेजबान टीम के लिए परेशानी बरकरार रखी। युनाइटेड द्वारा कुछ भयानक बचाव के बाद, डार्विन नुनेज़ ने रॉबर्टसन द्वारा लुइस डियाज़ को एक कॉर्नर दिया, जिन्होंने 23वें मिनट में गेंद को नेट में डालकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

पहला हाफ एकतरफा रहा, जिसमें लिवरपूल ने यूनाइटेड के शून्य की तुलना में 16 शॉट दर्ज किए। दूसरे हाफ में कुछ ही मिनटों में, यूनाइटेड स्टार ब्रूनो फर्नांडीस ने बराबरी का गोल दागा, जिसमें काओमहिन केलहर के खराब पास का इस्तेमाल करते हुए 50 गज की दूरी से एक शानदार गोल किया। मेजबान टीम ने 67वें मिनट में बढ़त बना ली, जब कोबी मैनू ने एक सुंदर कर्लिंग फिनिश किया। लेकिन एरोन वान-बिसाका द्वारा हार्वे इलियट को फाउल करने के बाद सलाह ने 84वें मिनट में लिवरपूल के लिए पेनल्टी ली और स्कोर बराबर कर दिया।

वीनतम तेज गेंदबाज की फिटनेस पर चिंताओं को एलएसजी के क्रुणाल ने नजरअंदाज किया

लखनऊ। गुजरात टाइटंस (जीटी) पर अपनी टीम की 33 रनों की जीत के बाद, लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने स्पष्ट किया कि मैच के दौरान मैदान से बाहर जाने के बाद टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव 'ठीक लग रहे थे'। जीटी पर एलएसजी की जीत के दौरान, मयंक की गेंदबाजी का प्रशंसकों को काफी इंतजार था, जो गेंदबाज की गति, लाइन और लेंथ से प्रभावित थे। वह लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार मार रहा था। लेकिन जीटी क्लैश में मयंक थोड़ा भटके दिखे, बमुश्किल 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार छू पाए और तीन चौके लगे। अपना एकमात्र ओवर डालने के बाद मयंक मैदान से बाहर चले गए।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के लिए अबू धाबी पहुंचे

यूएई। फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने अल नासर टीम के साथियों के साथ 8 से 11 अप्रैल तक होने वाले सऊदी सुपर कप के लिए अबू धाबी पहुंचे हैं। सऊदी अरब के बाहर पहली बार आयोजित होने वाला यह तीन मैचों का टूर्नामेंट दो स्टेडियमों - अल नाहयान स्टेडियम और मोहम्मद बिन जायद स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 8 अप्रैल को शुरू होगा, जहां अल इत्तिहाद क्लब अल नायहान स्टेडियम में अल वेहदा एफसी के खिलाफ खेलेगा, इसके बाद अल हिलाल एसएफसी रात 11:30 बजे मोहम्मद बिन जायद स्टेडियम में रोनाल्डो के अल नासर एफसी के खिलाफ खेलेगा। इन दोनों खेलों के विजेताओं के बीच 11 अप्रैल को फाइनल खेला जाएगा।पुर्तगाली स्ट्राइकर के अलावा, टूर्नामेंट में फुटबॉल के दिग्गज करीम बेंजेमा और क्षेत्रीय प्रतिभाएं भी शामिल होंगी, जिनमें सलेम अल डावसारी और अब्देर्राज़क हमदल्लाह शामिल हैं, जो वांछित कप के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि सऊदी सुपर कप अबू धाबी के 'बैक-टू-बैक' कैलेंडर में जोड़ा गया नवीनतम खेल और मनोरंजन है। इसके अलावा, टूर्नामेंट ईद-अल-फितर सार्वजनिक अवकाश के साथ भी मेल खाता है, जिससे जीसीसी, मध्य पूर्व और उससे आगे के फुटबॉल प्रेमियों को अमीरात में क्षेत्र की कुछ शीर्ष फुटबॉल प्रतिभाओं के खेल का आनंद लेने की अनुमति मिलती है।

मुंबई के खिलाफ हार के बाद डीसी के सहायक कोच ने कहा-जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, उस पर हमें गर्व

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2024 के अपने पांचवें मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 29 रन से हार का सामना करना पड़ा। मुंबई की टीम ने 20 ओवरों में 5 विकेट पर 234 रनों का विशाल स्कोर बनाया, लेकिन ट्रिस्टन स्टब्स की 25 गेंदों में 71 रनों की तूफानी पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 विकेट पर 205 रन ही बना सकी। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने फ्रैंचाइजी द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में कहा, इस प्रारूप में, हमेशा अंतिम पांच ओवर महत्वपूर्ण होते हैं। हमारा लक्ष्य उन्हें 200 से कम के अंदर रखने का था, लेकिन आपको इसका श्रेय रोमारियो शेफर्ड को देना होगा, जिस तरह से उन्होंने आखिरी ओवर में बल्लेबाजी की, वह शानदार था। उन्होंने आगे कहा, कुल मिलाकर यह एक अच्छा मनोरंजक मैच था। हमने जिस तरह से बल्लेबाजी की उस पर मुझे गर्व है। मुझे लगता है कि 19वें ओवर तक हमारा स्कोर 201 के आसपास ही था।

सभी प्रारुपों में सफल वापसी के बाद सीए की केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल हुईं सोफी मोलिनक्स

मेलबर्न। क्रिकेट के सभी प्रारुपों में सफल वापसी के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने केंद्रीय अनुबंध सूची में सोफी मोलिनक्स को शामिल किया है।

मोलिनक्स, जिन्हें दो साल पहले सूची से बाहर कर दिया गया था, ने विभिन्न चोटों, हाल ही में एसीएल के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद पिछले दो महीनों में टेस्ट, वनडे और टी20ई खेले हैं। 2024-25 केन्द्रीय अनुंबध सूची में शामिल किये जाने के लिए ये उपस्थिति उनके लिए पर्याप्त थी।

मोलिनक्स ने पर्थ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में वापसी की। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, जो पिछले सप्ताह समाप्त हुआ था। बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में उन्होंने 8.33 की औसत से छह विकेट लिए थे। इससे पहले दौरे में वनडे टीम में वापसी पर उन्होंने 10 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्होंने टीम में अनुभवी जेस जोनासेन की जगह

ली थी, लेकिन जोनासेन, जो पिछले दिसंबर में भारत दौरे के बाद से टीम में नहीं हैं, ने अपना अनुबंध बरकरार रखा है।

संन्यास ले चुकीं मेग लैनिंग पिछले वर्ष की सूची से बाहर होने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने एक बयान में कहा, इस गर्मी में टीम में सफल वापसी के बाद सोफी को अनुबंध की पेशकश करने में सक्षम होने पर हम वास्तव में खुश हैं। उन्होंने पूरी फिटनेस हासिल करने के लिए काफी मेहनत की है और वह अगली गर्मियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया महिला अनुबंध सूची 2024-25-

डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, तायला व्लामिनक, जॉर्जिया वेयरहैम।

आर्टिस्टिक स्विमिंग वर्ल्ड कप : कजाकिस्तान ने टीम एक्रोबेटिक का जीता खिताब, चीन ने जीते 6 स्वर्ण

बीजिंग। कजाकिस्तान ने यहां चल रहे आर्टिस्टिक स्विमिंग वर्ल्ड कप में टीम एक्रोबेटिक का खिताब जीता,जबकि इज़राइल ने महिला युगल फ्री में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

चीन ने टीम एक्रोबेटिक में कजाकिस्तान से 8.7501 अंक पीछे रहते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं के युगल फ्री में, इज़राइल की शेली बोब्रित्स्की और एरियल नासी ने चीन की रजत पदक विजेता लिन यानहान और जू हुईयान से 4.7457 अंक आगे रहते हुए स्वर्ण जीता, जबकि मेक्सिको ने कांस्य पदक हासिल किया।इटली ने मिश्रित युगल फ्री का खिताब हासिल

किया, जबकि कजाकिस्तान और स्पेन ने क्रमशः रजत और कांस्य जीता।

बता दें कि तीन दिवसीय विश्व कप का समापन हुआ। चीन छह स्वर्ण पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। मेजबान देश ने सभी 11 स्पर्धाओं में भाग लिया, इसके शीर्ष तैराकों ने टीम फ्री पर ध्यान केंद्रित किया और दूसरे स्तर के एथलीटों ने अन्य 10 स्पर्धाओं में भाग लिया। आर्टिस्टिक तैराकी विश्व कप 2024 श्रृंखला के चार चरण हैं। बीजिंग चरण पहला चरण था, इसके बाद दूसरा चरण 3-5 मई तक पेरिस में, तीसरा चरण 31 मई से 2 जून तक मार्खम, कनाडा में और चौथा और अंतिम चरण 5-7 जुलाई तक बुडापेस्ट, हंगरी में आयोजित ककिया जाएगा।

विश्व रग्बी सेवन्स सीरीज 2023-24 :न्यूजीलैंड ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों का खिताब जीता

हांगकांग। न्यूजीलैंड ने यहां हांगकांग रग्बी सेवन्स में अपना दबदबा जारी रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों का खिताब हासिल किया। हांगकांग रग्बी सेवन्स ने इस वर्ष हांगकांग स्टेडियम में अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई। इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 24 टीमों (पुरुष और महिला वर्ग प्रत्येक में 12-12) ने हिस्सा लिया। 12 टीमों को 4-4 के तीन पूलों में बांटा गया था, प्रत्येक

पूल के शीर्ष दो और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड ने ग्रुप चरण में अच्छा प्रदर्शन किया और नॉकआउट चरण में फिजी और ऑस्ट्रेलिया को बाहर किया, जिससे फ्रांस के खिलाफ फाइनल मुकाबला तय हुआ।फाइनल में न्यूजीलैंड ने फ्रांस को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 14-5 से हराया।

महिला वर्ग के फाइनल में न्यूजीलैंड ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 36-7 से हराकर लगातार दूसरी बार रग्बी सेवन्स सीरीज़ का खिताब जीता। मौजूदा महिला ओलंपिक चैंपियन ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। वहीं, मैडिसन लेवी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस पर 24-21 से जीत के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। न्यूजीलैंड महिला टीम ने इससे पहले वैंकूवर और लॉस एंजिल्स में स्वर्ण पदक जीता था।

आईडब्लूएफ विश्व कप :अमेरिकी भारोत्तोलक रीव्स ने जीते तीन स्वर्ण पदक

फुकेत। संयुक्त राज्य अमेरिका की ओलिविया रीव्स ने यहां अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) विश्व कप में महिलाओं की 71 किग्रा वर्ग में तीन स्वर्ण पदक जीते। चीन के लियाओ गुइफांग और डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) की सोंग कुक हयांग को पीछे छोड़ते हुए रीव्स अपने सभी छह प्रयासों में सफल रहीं, उन्होंने (स्नैच में 118 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 150 किग्रा) कुल 268 किग्रा वजन उठाया। लियाओ और सोंग, क्लीन एवं जर्क में संबंधित विश्व

रिकॉर्ड धारक, ने 115 किग्रा में अपनी प्रारंभिक सफलता के बाद 120 किग्रा का प्रयास करके स्नैच में एक-दूसरे को पछाड़ने की कोशिश की, लेकिन कोई भी सफल नहीं हुआ। लियाओ ने 149 किग्रा वजन उठाया लेकिन प्रतियोगिता जीतने के अंतिम प्रयास में क्लीन एंड जर्क में 154 किग्रा के अपने तीसरे प्रयास में असफल रहीं। चीनी भारोत्तोलक ने स्नैच में कांस्य, और क्लीन एंड जर्क में रजत पदक जीता। फुकेत में आईडब्लूएफ विश्व कप 11 अप्रैल तक चलेगा और पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में कार्य करेगा।

आईपीएल 2024 : लखनऊ ने गुजरात को 33 रन से हराया

लखनऊ। इकाना क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 21वें मैच में यश ठाकुर के 30 रन, पांच विकेट और क्रुणाल पंड्या के तीन विकेट की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हरा दिया। जीत के लिए 164 रनों का पीछा करते हुए लखनऊ की आर से साईं सुदर्शन ने नवीन-उल-हक की गेंदों पर दो चौके लगाए। मयंक यादव तीसरा ओवर फेंकने आए और अपना पहला ओवर पूरा करने के बाद साइड स्ट्रेन के कारण मैदान से बाहर चले गए। शुभमन गिल डीप थर्ड की रैंप वाइड के साथ आगे बढ़े। पहले ओवर में मयंक की गति बमुश्किल 140 किमी प्रति घंटे से ऊपर हो पाई, क्योंकि वह अपना पहला ओवर पूरा करने के बाद सीधे मैदान से बाहर चले गए। टाइटंस के कप्तान ने जब लाइन के पार फ्लिक करने की कोशिश की तो 19 पर आउट हो गए। पावरप्ले के समापन पर गिल

की टीम 1 विकेट पर 54 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। एम. सिद्धार्थ को गेंदबाजी में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने दूसरे और पारी के पांचवें ओवर में तीन बार गेंदबाजी लाइन को पार किया, लेकिन केवल 12 रन देने में सफल रहे। सातवें ओवर की समाप्ति के बाद सुदर्शन शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने 18 गेंदों में 29 रन बनाए।

रवि बिश्नोई ने टाइटंस के केन विलियमसन को आउट करने के लिए एक शानदार रिटर्न कैच लिया। साईं सुदर्शन और बीएस शरथ, दोनों क्रुणाल पंड्या के शुरुआती ओवर में आउट हो गए, जिससे खेल में क्रांतिकारी बदलाव आया। रिद्धिमान साहा की जगह आए विकेटकीपर शरथ ने डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर टॉप-एज स्वीप किया, इसके बाद बिश?नोई ने एक और कैच लिया, सुदर्शन को हटाने के लिए डीप स्क्वायर बाउंड्री पर यह बहुत ही आसान कैच था। सुदर्शन 23 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए और अपनी टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे।

क्रुणाल ने स्पेल के आखिरी ओवर में अपना तीसरा विकेट लिया। उन्होंने ग्यारह रन देकर तीन विकेट लिए। जब 36 गेंदों में 72 रनों की जरूरत थी, यश ठाकुर की गोल्डन आर्म के साथ एलएसजी बहुत तेजी से मैच बंद करने की ओर बढ़ रहा था। पारी की शुरुआत में गिल को आउट करने के बाद वह अपने दूसरे ओवर के लिए लौटे और धीमी गेंद को कवर करने के लिए राशिद खान (0) को आउट किया और विजय शंकर (17) को शॉर्ट गेंद पर स्वाइप करते हुए कैच आउट किया। राहुल तेवतिया और स्पेंसर जॉनसन ने नौवें विकेट के लिए 17 गेंदों में 24 रन जोड़े, लेकिन ठाकुर ने अपने स्पेल का आखिरी ओवर डालते हुए 3.5 ओवर में तेवतिया (30) और नूर अहमद (0) को आउट करके 30 रन देकर पांच विकेट लिए।

यह उनका सर्वश्रेष्ठ आईपीएल आंकड़ा था और साथ ही वह एलएसजी के लिए पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय और मार्क वुड के बाद दूसरे स्थान पर रहे। ठाकुर के पांच विकेट और पंड्या के तीन विकेट की बदौलत खेल जल्दी ही खत?म हो गया और लखनऊ ने गुजरात को 33 रनों से हरा दिया। यह लखनऊ की पांच मुकाबलों में पहली जीत थी।संक्षिप्त स्कोर = लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 163 रन (मार्कस स्टोइनिस 58, केएल राहुल 33; दर्शन नालकंडे 2-21, उमेश यादव 2-22) ने गुजरात टाइटंस को हराया (साईं सुदर्शन 31, राहुल तेवतिया 30, यश ठाकुर 5-30, क्रुणाल पंड्या 3-11) 33 रन से।

आई-लीग: पदावनत टीआरएयू एफसी ने रियल कश्मीर एफसी को करारी हार दी

कल्याणी। स्ट्राइकर रॉबिन्सन सिंह के चोट के समय में निर्णायक हेडर ने टीआरएयू एफसी को कल्याणी में आई-लीग 2023-24 मैच में रियल कश्मीर एफसी पर 2-1 से चौंकाने वाली जीत हासिल करने में मदद की। नगर पालिका स्टेडियम, पश्चिम बंगाल। सभी गोल दूसरे हाफ में आये.

टीआरएयू एफसी के दानिश अरिबाम ने 56वें मिनट में गोल करके खाता खोला। हालाँकि, स्नो लेपर्ड्स ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, क्योंकि कार्लोस लोम्बा (59%) ने तीन मिनट बाद बराबरी का गोल दागा। यह रॉबिन्सन सिंह (90+9%) ही थे, जिन्होंने गोलकीपर शिवम पेडनेकर के गेंद लेने में चूक के बाद अवसरवादी हेडर से मैच को रेड पाइथॉन के पक्ष में सील कर दिया।

टीआरएयू एफसी, जो पहले ही पदावनत हो चुका है, ने इस मैच से तीन अंकों के साथ अपनी स्थिति में थोड़ा सुधार किया। उनके अब 22

मैचों में 13 अंक हैं। यह सीज़न की उनकी चौथी जीत थी और पांच मैचों के अंतराल के बाद पहली जीत थी।

दूसरी ओर, यह हार रियल कश्मीर एफसी के लिए एक झटका थी, क्योंकि इससे उनका नौ मैचों से चला आ रहा शानदार अजेय क्रम समाप्त हो गया। साथ ही इस हार ने उनकी उपविजेता बनने की आकांक्षा भी खत्म कर दी। वर्तमान में, वे 23 मैचों में 40 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर अपना स्थान बनाए हुए हैं। उनके नाम अब 11 जीत, सात ड्रॉ और पांच हार हैं। श्रीनगर की टीम खुद को काफी दोषी मानती है क्योंकि जब स्कोर 1-1 था तब वे पेनल्टी चूक गए। मैच की शुरुआत रियल कश्मीर ने अपना दबदबा कायम करने और गेंद पर नियंत्रण करने के साथ की, जबकि टीआरएयू एफसी जवाबी हमलों का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा था। शुरुआती मिनटों में कश्मीर के मोहम्मद हमाद एक कोने से संभावित हेडर से चूक गए, इसके बाद टीआरएयू के थॉमस सिंह ने दूर से एक शॉट के साथ कीपर का परीक्षण किया जो क्रॉसबार से टकराया। दुर्भाग्य से रियल कश्मीर के लिए, उनकी गति को झटका लगा क्योंकि ग्नोहेरे क्रिज़ो को चोट के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे उनकी लय बाधित हो गई। जवाबी हमलों में टीआरएयू के सराहनीय प्रयासों के बावजूद, वे अपने सामने आए किसी भी मौके को भुनाने में असफल रहे।

अहमदनगर ने युवा कबड्डी सीरीज इंटर डिस्ट्रिक्ट यूथ लीग 2024 का दूसरा संस्करण जीता

चेन्नई। डिफेंडिंग चैंपियन अहमदनगर जिले ने श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स में पालघर जिले पर 41-17 की आसान जीत के साथ क्रांतिज्योत महिला प्रतिष्ठान युवा कबड्डी सीरीज इंटर डिस्ट्रिक्ट यूथ लीग 2024 के दूसरे संस्करण को जीतने के लिए आक्रामक कबड्डी का एक और शानदार प्रदर्शन किया। शनिवार को पुणे में कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में प्रभावित करने वाले तीन खिलाड़ियों प्रफुल्ल जवारे, आदित्य शिंदे और शिवम पटारे का दावा करते हुए, अहमदनगर जिले ने अपने अभियान को एक अपराजित रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता में खेले गए 18 मैचों में से 17 में जीत हासिल की, जबकि एक गेम था। एक टाई।अहमदनगर और पालघर जिले के बीच फाइनल ने प्रतियोगिता का एक आदर्श अंत प्रदान किया क्योंकि गत चैंपियन एक ऐसी टीम से भिड़ गए जिसने सभी

बाधाओं के बावजूद शिखर संघर्ष में अपनी जगह बनाई।रोमांचकारी फाइनल को अर्जुन अवार्डी और पीकेएल सीजन 10 चैंपियन पुणेरी पलटन के मुख्य कोच बीसी रमेश, क्रांतिज्योत महिला प्रतिष्ठान की अध्यक्ष और महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर, विपश्यना केंद्र, पुणे के अध्यक्ष दत्ता कोहिनकर और मिलिंद ने देखा। भोई, भोई फाउंडेशन के संस्थापक।विजेता टीम को 20 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जबकि उपविजेता को 10 लाख रुपये से सम्मानित किया गया।हाई-ऑक्टेन युवा कबड्डी सीरीज़ एक प्रमुख ऑल-राउंड टूर्नामेंट है जो 2022 में अपनी शुरुआत के बाद से महत्वाकांक्षी युवा कबड्डी खिलाड़ियों को चुनने और उन्हें भविष्य के सितारों में ढालने के लिए जाना जाता है। एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर में, श्रृंखला ने हाल ही में पूरा होने का जश्न मनाया महज 23 महीने के अंदर अपने 1000वें मैच का. टूर्नामेंट का दूसरा महाराष्ट्र संस्करण क्रांतिज्योत महिला प्रतिष्ठान के साथ महाराष्ट्र राज्य कबड्डी एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कुल 16 टीमों ने, जिनमें 80 किलोग्राम भार वर्ग से कम के 320 से अधिक अंडर-23 खिलाड़ी शामिल थे, पिछले एक महीने में कुल 124 मैच खेले। सभी टीमों में अनुभवी प्रचारकों और युवा उम्मीदवारों का एक आदर्श मिश्रण था जो शिंदे के साथ अपने शानदार साथियों के नक्शेकदम पर चलना चाहते थे, जो पीकेएल 10 खिताब जीतने वाली पुनेरी पल्टन टीम का हिस्सा थे।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के बाकी मैचों के लिए हैरी ब्रूक के स्थान पर तेज गेंदबाज लिज़ाद विलियम्स को शामिल किया

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने मौजूदा प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी मैचों के लिए हैरी ब्रूक के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स को टीम में शामिल किया है।

ब्रूक, जिन्हें डीसी ने 4 करोड़ रुपये में खरीदा था, ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से नाम वापस ले लिया है। बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि उन्होंने आगामी आईपीएल में नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है और खुलासा किया कि उन्होंने पिछले महीने अपनी दादी को खो दिया था, जो उनकी रॉक थीं। इंग्लैंड के बल्लेबाज ने भारत के पांच मैचों के टेस्ट दौरे से भी नाम वापस ले लिया था। आईपीएल के एक बयान में कहा गया, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लिज़ाद विलियम्स को दिल्ली कैपिटल्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के शेष मैच के लिए इंग्लैंड के हैरी ब्रूक के प्रतिस्थापन के रूप में अनुबंधित किया है। लिज़ाद 50 लाख रुपये के बेस प्राइस पर डीसी में शामिल हुई हैं।

2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से, विलियम्स ने दो टेस्ट, चार एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (वनडे) और 11 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है, और कुल 24 अंतर्राष्ट्रीय विकेट लिए हैं। इस बीच, डीसी वानखेड़े स्टेडियम में अपने मैच में मुंबई इंडियंस से 29 रन से हार गई। रोहित शर्मा (27 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 49 रन), ईशान किशन (23 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन), टिम डेविड (45) की जोरदार बल्लेबाजी के बाद एमआई द्वारा निर्धारित 235 रनों के कुल लक्ष्य का पीछा करते हुए * 21 गेंदों में, दो चौकों और चार छक्कों के साथ) और रोमारियो शेफर्ड (39* 10 गेंदों में, तीन चौकों और चार छक्कों के साथ), डीसी पृथ्वी शॉ (40 गेंदों में 66, आठ के साथ) के प्रभावशाली अर्द्धशतक के बावजूद लक्ष्य से कम रह गया। चौके और तीन छक्के) और ट्रिस्टन स्टब्स की 25 गेंदों में तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 71* रन की पावर-पैक पारी, डीसी 29 रनों से हारकर 205/8 तक ही सीमित रह गई।

मुल्लांपुर में हैदराबाद के खिलाफ 100 प्रतिशत घरेलू रिकॉर्ड बनाए रखना चाहेगी पंजाब किंग्स

नई दिल्ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स पर मिली जीत के बाद, पंजाब किग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीज़न में अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंजाब किंग्स नए पीसीए स्टेडियम, मुल्लांपुर में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। भव्य चमकदार रोशनी के तहत स्टेडियम में यह पहला रात्रि मैच होगा। कप्तान शिखर धवन और क्रिकेट विकास प्रमुख संजय बांगड़ ने चकाचौंध घरेलू स्टेडियम में वापसी पर उत्साह व्यक्त किया। इस सीज़न में किंग्स की यात्रा 23 मार्च, 2024 को नव-विकसित स्टेडियम में 30,000 की मजबूत भीड़ के सामने दिल्ली कैपिटल्स पर जबरदस्त जीत के साथ शुरू हुई। मैदान पर प्रशंसकों और मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत ने रोमांचक क्रिकेट एक्शन को और भी बेहतर बना दिया गया, जिससे प्रशंसकों को आईपीएल के तमाशे को करीब से और व्यक्तिगत रूप से देखने का मौका मिला।

ब्वॉयफ्रेंड Rahul Mody के साथ डांस करती दिखीं

श्रद्धा कपूर

सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

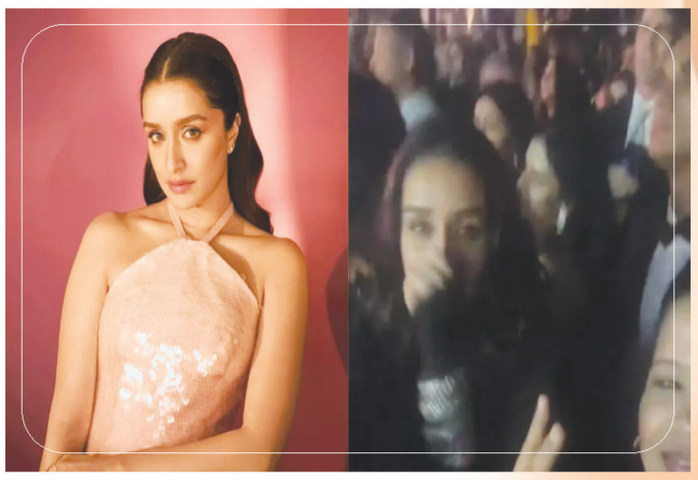

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर पिछले कुछ दिनों से अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस तू झूठी मैं मक्कार के राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं।इस बीच इस रूमर्ड कपल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों डांस करते नजर आ रहे हैं। राहुल अपने गर्लफ्रेंड को भीड़ से भी बचाते नजर आ रहे हैं।

श्रद्धा और राहुल का डांस टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा कपूर अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ हॉलीवुड सिंगर रिहाना के कॉन्सर्ट में शामिल हुई थी। ऐसे में इस कपल का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें ये कपल रिहाना के गानों पर झूमता नजर आ रहा है। इस दौरान श्रद्धा बेहद खुश नजर आ रही हैं। इस मौके पर ये कपल ऑल ब्लैक लुक में नजर आ रहे हैं।

श्रद्धा कपूर ने किया रिलेशन कंफर्म ?

श्रद्धा कपूर का तू झूठी मैं मक्कार के राइटर राहुल मोदी के साथ उनका नाम पिछले काफी वक्त से जुड़ तो रहा था, लेकिन इस रूमर्ड कपल ने कुछ कंफर्म नहीं किया। होली के मौके पर को श्रद्धा ने अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसे देखकर लगा कि अभिनेत्री कंफर्म करना चाह रही हैं।

इन तस्वीरों में श्रद्धा आराम से बैड पर लेटी हुई हैं। हर एक फोटो में वह अलग अलग एक्सप्रेशन देते हुए नजर आ रही हैं और गले में पहने अक्षर के पेंडेंट को पूरा-पूरा फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं, जिसने लोगों का पूरा-पूरा ध्यान खींच लिया। इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, कुछ नहीं, श्रृंडे है तो कुछ नहीं कर रही।

फिल्म के सेट पर हुई थी मुलाकात

श्रद्धा और राहुल के बीच प्यार का फूल फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के सेट खिला था। एक तरफ जहां श्रद्धा फिल्म की हीरोइन थी तो वहीं राहुल इसके राइटर थे। यहीं से दोनों की नजदीकियां बढ़ी थी।

ट्विंकल खन्ना

संग शादी से पहले इतनी बार टूटा Akshay Kumar का दिल, सालों बाद एक्टर ने खोला राज

बॉलीवुड में जब भी बेस्ट कपल्स की बात होती है तो एक्टर अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना का जिक्र जरूर होता है। दोनों इंडस्ट्री के परफेक्ट कपल्स में गिने जाते हैं। अक्षय और ट्विंकल काम के साथ अपनी पर्सनल लाइफ और फैमिली की जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाना जानते हैं।अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना ने 17 जनवरी, 2001 में शादी की थी। इस कपल को एक-दूसरे का साथ देते हुए पूरे 23 साल बीत गए हैं। अब इतने सालों बाद खिलाड़ी कुमार ने अपने ब्रेकअप को लेकर खुलासा किया है, जिसे सुन फैंस भी काफी हैरान है।

अक्षय कुमार के हुए थे 3 ब्रेकअप

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में अभिनेता फिल्म का जमकर प्रमोशन भी कर रहे हैं। अब हाल ही में द रणवीर शो पॉडकास्ट में शामिल हुए। जहां उन्होंने अपने कुछ ब्रेकअप से पर्दा उठाया। इस शो में अक्षय कुमार ने बताया कि उन्होंने ट्विंकल के साथ रिलेशनशिप में आने से पहले दो-तीन ब्रेकअप किए थे।

लोगों को दिए ब्रेक अप से उबरने के टिप्स

इतना ही नहीं एक्टर ने लोगों को ब्रेक अप से उबरने की टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा, मेरा भी ब्रेक-अप हुआ था, 2-3 बार हुआ है। खिलाड़ी कुमार ने कहा कि वह ब्रेकअप को चैनलाइज करने की ज्यादा प्रैक्टिस करते थे, क्योंकि उन्हें बहुत गुस्सा आता था।इसलिए आपको इसे चैनलाइज करना होगा। उन्होंने आगे कहा, ब्रेकअप से उबरने के लिए उन्होंने ज्यादा से ज्यादा वर्कआउट किया।

'मेरे इतने करीब मत आओ...', जिसने भूतनी बनकर डिनो मोरिया के छुड़ाए पसीने, 'राज' के बाद कहां गायब हो गई वो एक्ट्रेस ?

हॉरर फिल्में देखने वालों की कोई कमी नहीं है. अक्सर भूतिया फिल्मों में एक ऐसा भूत दिखाया जाता है, जिसका चेहरा देखकर रातों की नींद उड़ जाती है. लेकिन 22 साल पहले एक ऐसी फिल्म आई थी, जिसमें भूतनी इतनी हसीन थी कि फिल्म का हीरो उसके पीछे अपना सबकुछ लुटाने को तैयार था. यहां तक की वो बर्बाद तक होने के लिए राजी था. 1 फरवरी 2002 को बिपाशा बसु और डिनो मोरिया की फिल्म राज बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी.

इस फिल्म की कहानी से लेकर इसके गानों तक को खूब पसंद किया गया. यहां तक कि आज भी फिल्म राज के गाने लोग सुनना पसंद करते हैं. बिपाशा और डिनो के अलावा भी इस फिल्म में एक हसीन एक्ट्रेस थी. जिसका डायलॉग 'मेरे इतने भी करीब मत आओज्मैं तुम्हें बर्बाद कर दूंगी' के चर्चे काफी हुए थे. इस हीरोइन ने भूतनी बनने के बाद डिनो और बिपाशा की शादीशुदा जिंदगी को बर्बाद करने की पूरी कोशिश की थी. ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि मालिनी शर्मा थीं.

मालिनी ने निभाया भूतनी का किरदार

'राज' की कहानी की शुरुआत मालिनी और डिनो के अफेयर के साथ होती है. जहां डिनो मालिनी से कहते हैं कि मैं बर्बाद होना चाहता हूं. दोनों के बीच एक इंटीमेट सीन तक फिल्म में दिखाया गया है. लेकिन डिनो पहले से ही शादीशुदा होते हैं, इसलिए वह इस रिश्ते को नाम नहीं दे पाते. जिसके चलते मालिनी खुद को गोली मार लेती है और आत्मा बनकर भटकने लगती है. भूतनी बनने के बाद भी मालिनी डिनो को पाने के लिए उनकी पत्नी बिपाशा को खूब डराती है.फिल्म के रिलीज होते ही मालिनी की अदाकारी के चर्चे पूरे बॉलीवुड गलियारों में होने लगे थे.

कहां गायब हो गईं मालिनी शर्मा ?

बतौर मॉडल मालिनी शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत की थी. उन्होंने फिल्मों के अलावा टीवी में भी काम किया था. इसके अलावा उन्होंने सिंगर मीका सिंह के आगने सावन में लग गई आग में भी काम किया है. एक्ट्रेस की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने प्रियांशु चटर्जी नाम के शख्स से शादी की थी. लेकिन उनकी ये शादी ज्यादा वक्त तक चल नहीं पाई. तलाक लेने के बाद मालिनी शर्मा ऐसी गायब हुईं कि कोई नहीं जानता कि वो अब कहां हैं.

प्यार मे धोखा खा चुकी हैं सनी लियोनी, शादी से 2 महीने पहले एक्स बॉयफ्रेंड ने तोड़ लिया था रिश्ता

सनी लियोनी को बिग बॉस 5 में देखा गया. उसके बाद महेश भट्ट की फिल्म 'जिस्म 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया. आज सनी लियोनी इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं. उनके लाखों लोग दीवाने हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि सनी लियोनी की शादी से 2 महीने पहले उनके एक्स पार्टनर ने उन्हें धोखा दे दिया था. उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें शादी से 2 महीने पहले बताया था कि वो उनसे प्यार नहीं करते.सनी लियोनी ने कहा, अपने पति से मिलने से पहले मेरी भी एक बार सगाई हो चुकी थी.

मुझे लग रहा था कि कुछ गलत है, और सचमुच कुछ गलत है. वो मुझे धोखा दे रहा था. मैंने बस उससे पूछा कि क्या वो अब मुझसे प्यार करता है, और उसने कहा, 'नहीं, मैं अब तुमसे प्यार नहीं करता. ये हमारी शादी से दो महीने पहले की बात है. हवाई में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सभी तैयारी पूरी हो गई थी. ड्रेस भी फाइनल हो गई थी. ये मेरी जिंदगी का सबसे बुरा अहसास था.

मेरे पति मेरे साथ है

दरअसल शो में सनी लियोनी एक कंटेस्टेंट देवांगिनी को समझा रही थीं. इसी दौरान उन्होंने अपने पुराने रिश्ते के बारे में बात की. इसके साथ ही उन्होंने एक्स पार्टनर से धोखा मिलने के बाद अपने पति के बारे में कहा, ऊपरवाला कुछ मैजिकल चीजें करता है और किसी फरिश्ते को भेजता है. मेरे पति, जो मेरी मां के निधन के समय मेरे साथ मौजूद थे. मेरे पिता का निधन हुआ तब भी वो मेरे साथ थे और तब से लेकर आज तक वो मेरे साथ हैं. ऊपरवाले के पास तुम्हारे लिए बेहतरीन प्लान होता है, जो तुम डिसर्व करते हो.

सनी लियोनी का असली नाम

क्या आप जानते हैं कि सनी लियोनी का असली नाम करनजीत सिंह वोहरा है. उन्होंने साल 2011 में डेनियल वेबर से शादी की थी. अब कपल के तीन बच्चे हैं, जिनका नाम निशा, अशर और नोह है. सनी लियोनी अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बच्चों और पति के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.